2015-16
वर्षिक रिपोर्ट

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

वार्षिक रिपोर्ट

2015–16

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

ओल्ड रेसीडेंसी रोड, रातानाड़ा
जोधपुर 342011

संपादक मंडल

दीपककुमार एम. फुलवानी (समन्वयक, संकाय)
वी. नारायणन (समन्वयक, शोध एवं विकास)
अतुल कुमार (समन्वयक, शैक्षिक)
वी. हरि नारायणन (समन्वयक, छात्र)
अमरदीप शर्मा (उपकुलसचिव, योजना)
क्षेमा प्रकाश (उपपुस्तकालयाध्यक्ष)

संपादक

क्षेमा प्रकाश, उपपुस्तकालयाध्यक्ष
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
ओल्ड रेसीडेंसी रोड, रातानाड़ा
जोधपुर 342011
ईमेल: publications@iitj.ac.in
www.iitj.ac.in

प्रतिलिपिइधिकार © *2016*, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर *(www.iitj.ac.in)*.सर्वाधिकार सुरक्षित*.*

विषय–वस्तु

प्रस्तावना	i
दृष्टिकोण एवं लक्ष्य	ii
संगठन	
संगठनात्मक संरचना	1
शासी बोर्ड	2
वित्त समिति	3
सीनेट	4
भवन एवं निर्माण समिति	5
प्रमुख पदाधिकारी	6
विभाग और सम्बद्ध संकाय सदस्य	8
स्टाफ़ सदस्य	25
शैक्षिक	
शैक्षिक कार्यक्रम	27
शिक्षा जगत के साथ सहयोग	27
उद्योग जगत के साथ सहयोग	30
इंडस्ट्री इमर्शन प्रोग्राम	32
शोध	
प्रमुखतायें	33
शोध एवं विकास परियोजनाएं	35
पेटेंट एवं प्रकाशन	40
पुरस्कार एवं सम्मान	51
बाह्य गतिविधियां	53
संस्थान के वृत्तांत	
राष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन तथा राष्ट्रीय महत्व के दिवसो का पालन	58
सुविधाएं	
वर्तमान परिसर	63
स्थायी परिसर	66
कंप्यूटर केंद्र	69
पुस्तकालय	70
प्रयोगशालाएं	74
स्वास्थ्य केंद्र	97
खेल सुविधाएं	98
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ	98
महिला प्रकोष्ठ	19

छात्र गतिविधियां

छात्र जिमखाना	101
छात्र उत्सव एवं वृत्तांत	108
छात्र उपलब्धियाँ	114
परामर्श सेवाएं	117
छात्र प्लेसमेंट सेल	120
पूर्व छात्र सम्बन्ध	122
आई.आई.टी. जोधपुर में पंजीकृत छात्रों की सूची	123

वित्तीय स्थिति 143

प्रस्तावना

अस्तित्व में आने के सातवें वर्ष में संस्थान ने पांच नये शैक्षिक कार्यक्रम प्रारम्भ किये हैं जिसमें तीन *एम.एस.सी.* स्तर पर, नामतः *रसायन विज्ञान, गणित* और *भौतिकी* हैं और दो *एम.टेक.* स्तर पर, नामतः *विद्युत अभियांत्रिकी* एवं *यांत्रिक अभियांत्रिकी* हैं। वर्ष 2015–16 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के स्थायी परिसर का निर्माण कार्य भी तेज़ी से आगे बढ़ा है; यद्यपि यह गति और तेज़ हो सकती थी... प्रथम चरण के इमारतों का निर्माण सितंबर 2016 तक पूरा होने की उम्मीद है, और 9–23 अक्टूबर 2016 तक स्थाई परिसर में स्थानांतरण की उम्मीद है।

वर्ष 2015–16 के दौरान संस्थान द्वारा *"उद्योग निमज्जन कार्यक्रम" (Industry Immersion Program)* को लांच करने का बड़ा कदम उठाया गया। प्रथम चरण में 30 छात्र और 5 संकाय सदस्यों ने देश के अग्रणी प्रौद्योगिक संस्थायें – *महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, टाटा मोटर्स लिमिटेड, टी.वी.एस. मोटर्स कंपनी लिमिटेड,* और *टाटा पावर कंपनी लिमिटेड* में अपना पहला ग्रीष्मसत्र बिताया।

इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के द्वारा किये गये एक और विशेष शुरुआत है संस्थान के प्रथम पी.एच.डी. थीसिस का सफ़लतापूर्वक प्रतिरक्षा; इस वर्ष 4 छात्रों ने अपनी आवश्यकता पूरी की। पी.एच.डी. छात्रों की संख्या 2013–14 में 70 थी जो कि 2015–16 में बढ़कर 139 हो गयी। संस्थान के अनुसंधान रूपरेखा में सुधार हुआ और प्रायोजित अनुसंधान परियोजनायें 2014–15 जो 32 थे, बढकर 2015–16 में 47 हुये, और 2014–15 की विद्वत प्रकाशनों की संख्या 78 से बढ़कर 2015–16 में 110 हुईं। 2015–16 में संकाय सदस्यों द्वारा 2 पेटेंट दायर किये गये। विशेष रूप से, सितंबर 2015 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, डी.बी.टी.–पैन आई.आई.टी. के बायोएनर्जी केंद्र के सह–जांचकर्ता के रूप में पांच स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के संग शामिल हुआ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने अपने समुदाय में 8 नए संकाय सदस्यों और 2 नए स्टाफ़ सदस्यों का स्वागत किया जिससे वे यहाँ अपने लिये एक मज़बूत व्यवसाय बनायें। संकाय सदस्यों द्वारा *रसायन विज्ञान, यांत्रिक अभियांत्रिकी* एवं *विद्युत अभियांत्रिकी* में 4 ज्ञान (GIAN) पाठ्यक्रमों का आयोजन किया।

सी. वी. आर. मूर्ति

आई.आई.टी. जोधपुर
दृष्टिकोण एवं लक्ष्य

दृष्टिकोण

संस्थान :

कार्य के माध्यम से प्रौद्योगिकी का संवर्धन करेगा और

राष्ट्र की प्रौद्योगिकी सम्बंधी चुनौतियों को हल करने के लिए आवश्यक तकनीकी मानव संसाधन तैयार करेगा।

लक्ष्य

संस्थान

(1) ऐसा गतिशील प्रौद्योगिकी संस्थान तैयार करेगा जिसमें अधिगम, शोध, आविष्कार और अंततः नवाचार समाहित होगा और वह उसका संवर्धन करेगा; तथा

(2) प्रत्येक प्राथमिक प्रतिभागी को संस्थान के प्रमुख मूल्यों का अनुपालन करना जारी रखते हुए उनके धर्म के प्रति तैयार करेगा –

(क) छात्र – भारत की बड़ी चुनौतियों को पूरा करने के लिए सक्षम प्रौद्योगिकी स्नातक तैयार करेगा;

(ख) स्टाफ सदस्य – एक प्रक्रिया संचालित व्यावसायिक संस्थान के रूप में सक्रिय कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेगा;

(ग) संकाय सदस्य – एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी शैक्षिक संस्थान के निर्माताओं को सुकर बनाएगा; और

(घ) उद्योग – आर्थिक मूल्य सर्जन हेतु यथा संभव उद्योगों के लिए एक बल के रूप में प्रौद्योगिकीय नवाचार प्रदान करेगा।

प्रमुख मूल्य

संस्थान ऐसे प्रमुख मूल्य निर्धारित करता है जिसमें आई.आई.टी. जोधपुर समुदाय का प्रत्येक सदस्य

(1) मानवीय निष्ठा और सम्मान के सर्वोच्च स्तर को बनाए रखेगा;

(2) संस्थान के किसी भी प्रतिभागी से कोई अनुचित लाभ नहीं उठाएगा;

(3) छात्रों, उद्योग जगत और समाज के हितों की रक्षा करने के लिए अत्यधिक प्रशंसित प्रौद्योगिकी संस्थान के निर्माण के लिए कार्य करेगा;

(4) प्रौद्योगिकी विचारों और कार्य के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास के प्रति वचनबद्ध होगा;

(5) सभी लेन–देन में नैतिक, गंभीर और खुला होगा; और

(6) किसी भी संपर्क से होने वाली सभी सूचना और घटनाक्रमों की सर्वाधिक गोपनीयता बनाए रखने के लिए निरंतर जिम्मेदार होगा।

संगठन

संगठनात्मक संरचना

आई.आई.टी. परिषद के तत्वाधान में आई.आई.टी. जोधपुर निम्नलिखित सांविधिक निकायों के मार्गदर्शन में कार्य करता है:

(1) शासी बोर्ड;
(2) वित्तीय समिति;
(3) सीनेट; और
(4) भवन एवं कार्य समिति

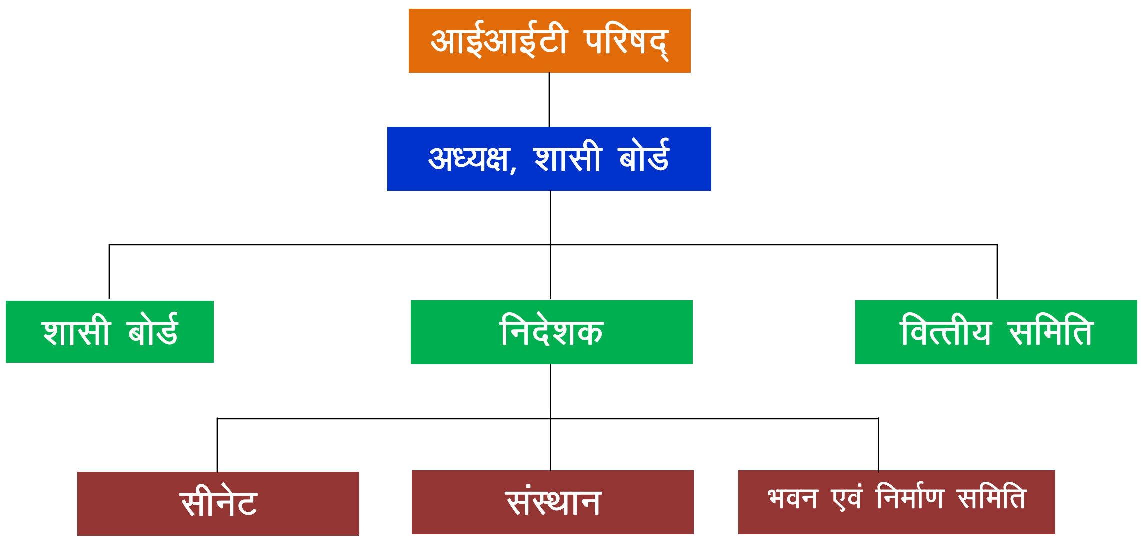

इन सांविधिक निकायों के सदस्यों का विवरण अगले पृष्ठों में दिया गया है।

शासी बोर्ड

अध्यक्ष

1. **प्रोफेसर गोवर्धन मेहता** (एफ.एन.ए., एफ.आर.एस.)
   आर्गेनिक केमिस्ट्री विभाग,
   हैदराबाद विश्वविद्यालय,
   पी.ओ. – केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
   हैदराबाद– 500046

2. **निदेशक (पदेन)**
   प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति
   निदेशक, आई.आई.टी. जोधपुर
   ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा
   जोधपुर 342011

सदस्य – आई.आई.टी. परिषद् द्वारा मनोनीत

1. **प्रोफेसर पंकज चंद्रा**
   पूर्व निदेशक
   भारतीय प्रबंध संस्थान
   बंगलौर 560076

2. **प्रो. एन. एस. व्यास**
   अध्यक्ष, भारतीय रेल प्रौद्योगिकी मिशन
   रेल मंत्रालय
   भारत सरकार
   नई दिल्ली–110001

3. **श्री किरण कार्णिक**
   पूर्व अध्यक्ष, नेसकॉम
   एस–315 पंचशील पार्क
   नई दिल्ली 110017

4. **श्री डी. आर. मेहता**
   संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक
   भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति
   13ए–गुरूनानक पथ, मुख्य मालवीय नगर
   जयपुर 302017

राज्य सरकार के नामिति

1. **प्रमुख सचिव**
   उच्च एवं तकनीकी शिक्षा
   मुख्य भवन सचिवालय, राजस्थान सरकार
   जयपुर 302005

वित्त समिति

अध्यक्ष

1. **प्रोफेसर गोवर्धन मेहता** (एफ.एन.ए., एफ.आर.एस.)
   आर्गेनिक केमिस्ट्री विभाग,
   हैदराबाद विश्वविद्यालय,
   पी.ओ. – केन्द्रीय विश्वविद्यालय
   हैदराबाद– 500046

सदस्य

1. **प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति**
   निदेशक
   आई.आई.टी. जोधपुर
   ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा
   जोधपुर 342011

2. **अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)**
   उच्चतर शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   भारत सरकार
   शास्त्री भवन
   नई दिल्ली –110001

3. **वित्तीय सलाहकार**
   उच्चतर शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   भारत सरकार
   शास्त्री भवन
   नई दिल्ली –110001

4. **श्री जी. एस. सूद (भा.र.ले.से.)**
   1090, सेक्टर 29
   फ़रीदाबाद 121008

5. **सीए एस. एस. भंडारी**
   निदेशक, बोर्ड के गैर–कार्यकारी निदेशक
   बैंक ऑफ बड़ौदा
   पी–7, तिलक मार्ग, सी–स्कीम
   जयपुर 302005

6. **डॉ. गौरव हरित**
   सहायक प्रोफेसर
   भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
   जोधपुर 342011

सीनेट

सी. वी. आर. मूर्ति अध्यक्ष
प्रताप भानु मेहता सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)
एच.पी. खिन्चा सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)
संजीव मिश्रा सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)

सदस्य

समन्वयक (संकाय)
समन्वयक (आरएंडडी)
समन्वयक (शैक्षिक)
समन्वयक (छात्र)
प्रमुख, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
प्रमुख, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग
प्रमुख, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
प्रमुख, जीव विज्ञान विभाग
प्रमुख, रसायन विज्ञान विभाग
प्रमुख, गणित विभाग
प्रमुख, भौतिक विज्ञान विभाग
प्रमुख, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
अध्यक्ष, वार्डेन समिति
अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति
प्रयोगशाला प्रभारी, कार्यशाला

भवन एवं निर्माण समिति

अध्यक्ष

1. **प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति**
   निदेशक
   आई.आई.टी. जोधपुर
   ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा
   जोधपुर 342011

सदस्य

1. **सुश्री ऊषा कसाना**
   मुख्य वास्तुकार,
   लोक निर्माण विभाग
   राजस्थान सरकार,
   जेकब रोड, सिविल लाइंस,
   जयपुर 302006

2. **श्री आर. के. गोविल**
   अतिरिक्त महानिदेशक सिविल (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी
   26, अंकुर अपार्टमेंट
   7, आई.पी. एक्सटेंशन
   दिल्ली 110092

3. **श्री वी. के. बंसल**
   मुख्य अभियंता विद्युत (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी
   721 स्काई लार्क अपार्टमेंट,
   सेक्टर–6, प्लॉट संख्या–35, द्वारका
   नई दिल्ली 110075

4. **डॉ. बी. रवीन्द्र**
   एसोशिएट प्रोफेसर
   भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
   जोधपुर 342011

प्रमुख पदाधिकारी

संस्थान ने अपनी गतिविधियां विभिन्न प्रमुख पदाधिकारियों के माध्यम से संगठित की है, जैसे कि नीचे रेखाचित्र में दिया गया है।

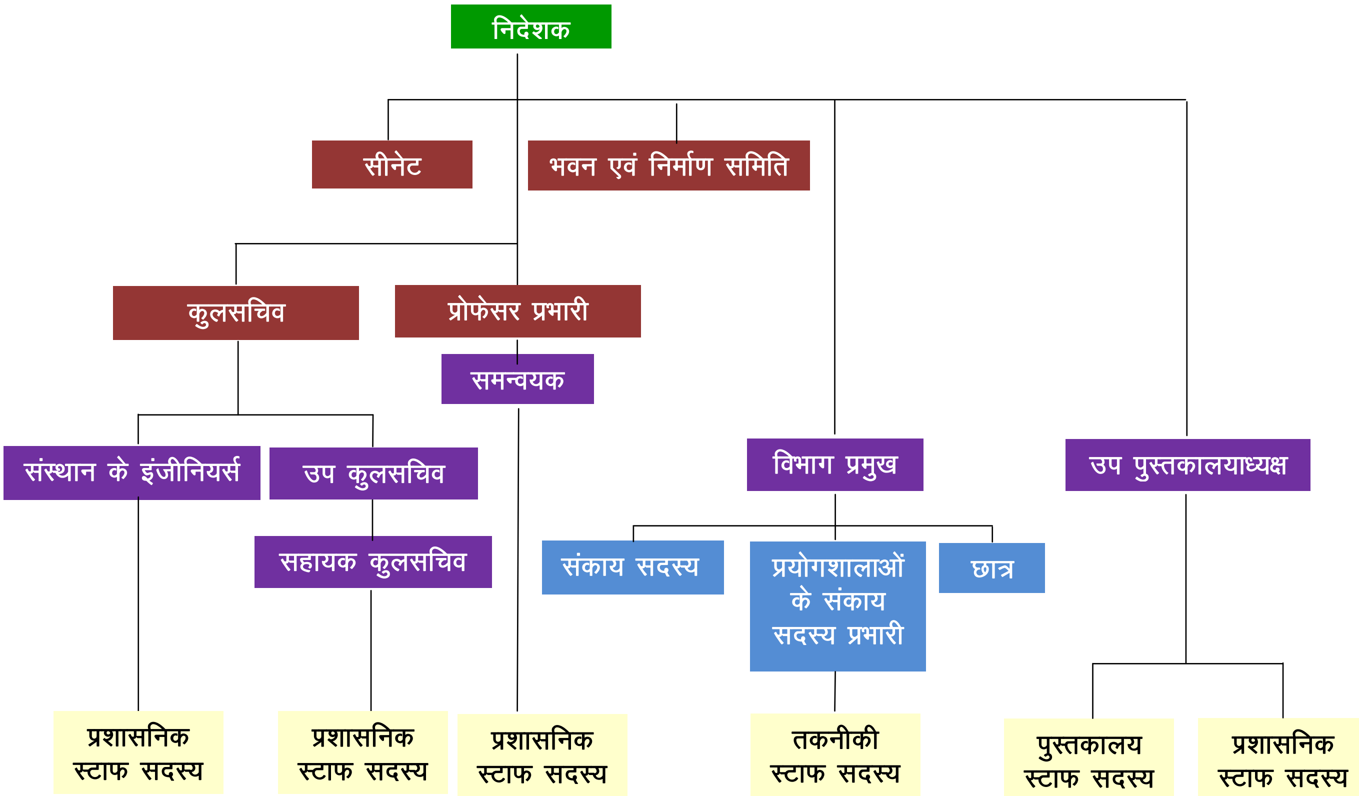

संस्थान के विभिन्न पदाधिकारियों के विवरण नीचे दिये गये हैं:

निदेशक

सी. वी. आर. मूर्ति

समन्वयक

दीपककुमार एम. फुलवानी	संकाय
वी. नारायणन	शोध एवं विकास
अतुल कुमार	शैक्षिक
हरि नारायणन वी.	छात्र
राहुल छिब्बर	प्रयोगशाला

विभाग प्रमुख

वेंकट रमण बादरला	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
अनिल के. तिवारी	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
बी. रवीन्द्र	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सुष्मिता झा	जीव विज्ञान
राहुल कुमार शर्मा	रसायन विज्ञान
किरणकुमार आर. हीरेमाठ	गणित
सुभाशीष बेनर्जी	भौतिक विज्ञान
विद्या सर्वेश्वरन	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

संयोजक – केंद्रित समूह	
सुष्मिता झा	जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान
वी. वी. एम. शर्मा चन्द्रमौली	प्रणाली विज्ञान
प्रोफेसर प्रभारी	
प्रवाल सिन्हा	संकाय
नवरतन मल भंडारी	अनुसंधान एवं विकास
अध्यक्ष	
समन्विता पॉल	वार्डेन समिति
पी. माणिकंडन	छात्र प्लेसमेंट समिति
अनिल कुमार तिवारी	चिकित्सा सेवा समिति
सत्यजीत साहू	पुस्तकालय समिति
वी. वी. एम. शर्मा चंद्रमौली	संभार तंत्रीय समिति
वी. वी. एम. शर्मा चंद्रमौली	छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति
आनंद कृष्णन प्लापल्ली	पूर्व छात्र संबंध समिति
अंकिता शर्मा	परामर्श सेवा समिति
अधिकारी	
गौरव हरित	मुख्य सतर्कता अधिकारी
गौरव भटनागर	पारदर्शिता अधिकारी
पुनीत शर्मा	हिंदी अधिकारी
महेश कुमार	हरित पहल अधिकारी
सत्यजीत साहू	नोडल अधिकारी (अन्य पिछड़ा वर्ग, विकलांग एवं अल्पसंख्याक)
बरुण प्रतिहार	नोडल अधिकारी (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति)
क्षेमा प्रकाश	महिला प्रकोष्ठ अधिकारी
संजीब मुखर्जी	अवसंरचना अभियांत्रिकी
अमरदीप शर्मा	अवसंरचना प्रबन्धन
अमरदीप शर्मा	जनसंपर्क अधिकारी
शैक्षिक समिति	
समन्वयक (शैक्षिक)	अध्यक्ष

सदस्य

प्रमुख, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
प्रमुख, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग
प्रमुख, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
प्रमुख, जीव विज्ञान विभाग
प्रमुख, रसायन विज्ञान विभाग
प्रमुख, गणित विभाग
प्रमुख, भौतिक विज्ञान विभाग
प्रमुख, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
संयोजक (जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान केंद्रित समूह)
संयोजक (प्रणाली विज्ञान केंद्रित समूह)
जन संपर्क अधिकारी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ)

छात्र प्रतिनिधि

सचिव, ए.आर.ए. परिषद, छात्र जिमखाना
ए.आर.ए. परिषद, छात्र जिमखाना के तीन छात्र प्रतिनिधि
(बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम, प्रत्येक में से एक)

विभाग और सम्बद्ध संकाय सदस्य

संस्थान ने अपनी शैक्षिक गतिविधियां आठ विभागों और दो केंद्रित समूहों के माध्यम से संचालित की हैं। ये हैं–

I. विभाग
   1. जीव विज्ञान,
   2. रसायन विज्ञान,
   3. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी,
   4. इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी,
   5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान,
   6. गणित,
   7. यांत्रिक अभियांत्रिकी, और
   8. भौतिक विज्ञान

II. केंद्रित समूह
   1. जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान, और
   2. प्रणाली विज्ञान

विभागों और सम्बद्ध संकाय सदस्यों का विवरण अगले पृष्ठों में दिया गया है।

जीव विज्ञान विभाग, आई.आई.टी. जोधपुर में जीव विज्ञान का केंद्र है। इस विभाग का लक्ष्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा तथा शोध में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। जीव विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य सेल्यूलर एवं मॉलीक्यूलर न्यूरोसाइंस, बॉयोकैमिस्ट्री, फीजियोलॉजी से लेकर एन्वायरमेंटल बॉयोटेक्नोलॉजी तक के विभिन्न जीव–विज्ञान विषय जगत से आते हैं।

यह विभाग बी.टेक. (जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान) और जीव विज्ञान और जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान में विशेषज्ञताओं के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग बी.टेक. से पीएच.डी. स्तर के पाठ्यक्रमों तक जीव–विज्ञान में आधारभूत जीव–विज्ञान से प्रोन्नत दृष्टिकोण तक पाठ्यक्रमों की बृहत श्रेणी प्रदान करता है। अत्याधुनिक केंद्रीकृत प्रयोगशालाओं और शोध सुविधाओं के साथ अधिगम पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

जीव–विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य और छात्र शोध संभावना और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए विभाग के भीतर और बाहर दोनों रूप से सहयोग में विश्वास रखते है। निम्नलिखित संकाय सदस्य विभाग के साथ जुड़े हुए हैं :–

नाम	शोध क्षेत्र
सुष्मिता झा *विभाग प्रमुख*	सेल्युलर और मॉलीक्यूलर तंत्रिका विज्ञान, सेल और मॉलीक्यूलर फ़िजियोलॉजी
अमित कुमार मिश्रा	सेल्युलर और मॉलीक्यूलर तंत्रिका विज्ञान, कोशिका चक्र विनियमन और कैंसर
करुणाकर कार	प्रोटीन बायोफिजिक्स, एमीलोइड्स और कोलेजन, रेशनली इंजीनियर्ड़ बायोमैटिरियल्स
मीनू छाबड़ा	प्रोटीन बायोफ़िजिक्स, एमीलोइड्स और कोलाजेन,

विभाग में शैक्षिक गतिविधियाँ

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में "जीवन विज्ञान में प्रौद्योगिकी पर चर्चा की बैठक" 1–3 अगस्त 2016 के दौरान आयोजित की गयी । भाप्रौसं जोधपुर ने "जीवन विज्ञान में प्रौद्योगिकी" में अपनी भूमिका को रुप देने हेतु उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संगठन और शिक्षा के सहयोगियों को आमंत्रित किया।

इस 3 दिवसीय चर्चा की बैठक के दौरान संस्थान के बाहर से 12 मेहमानों ने भाग लिया, जिनका विवरण निम्न हैं :

1. दीपांकर नंदी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस
2. विश्वजीत कुंडू, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
3. एस लालकृष्ण खरे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
4. शिलाजित भट्टाचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर
5. सुराजीत घटक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर
6. अभय एलहीनसे, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर
7. प्रदीप्ता बंदोपाध्याय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
8. मुकेश जैन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
9. पार्थोसारथी रे, आईआईएसईआर, कोलकाता *(वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से)*
10 दुलाल पंडा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे
11. देबाशीष दास, जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान (सीएसआईआर इंस्टीट्यूट)
12. टी. आर. श्रीकृष्णन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

जीवविज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों के साथ–साथ अन्य विभागों के संकाय सहयोगियों ने भी इस 3 दिन की चर्चा की बैठक में भाग लिया। चर्चा के दौरान कई बिंदु उभरे, और भाप्रौसं जोधपुर में प्रस्तावित एम टेक (बायोसाइंसेज और बायोइन्जिनियरिंग) कार्यक्रम के लिये पाठ्यक्रम प्रस्तावित किया गया। मुख्य समापन विचारों में से कुछ थे :

1. भाप्रौसं जोधपुर में नये विभाग और डिग्री कार्यक्रमों की शुरुआत करते समय संस्थान की ओर से शिक्षा शास्त्र, बुनियादी ढांचा और पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय चुनौतियों और स्नातक होने वाले छात्रों की क्षमता (यानी ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण) का मूल्यांकन करने की जरूरत है।
2. भा.प्रौ.सं. जोधपुर में "जीवन विज्ञान में प्रौद्योगिकी" विषय पर एक बड़े हितधारक समूह, विशेष रूप से उद्योग के लोगों के साथ, व्यापक चर्चा आवश्यक है, जो भाप्रौसं जोधपुर में बी टेक, एम टेक और पीएच.डी. कार्यक्रमों में शिक्षित छात्रों के रोजगार के अवसरों का आकलन करे।

रसायन विज्ञान विभाग

आई.आई.टी. जोधपुर में रसायन विज्ञान ऐसे स्थान पर है जहां रसायन विज्ञान को प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से देखा जाता है। आई.आई.टी. जोधपुर में रसायन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग में एक विविध दृष्टिकोण को अपनाया जाता है। यह विभाग ऊर्जा समाधान, उत्प्रेरकों और जल के लिए नई सामग्रियों के प्रौद्योगिकीय योगदान प्रदान कर रहा है। मूल रूप से कैमिकल डायनामिक्स, जैविक प्रक्रिया, न्यूक्लियर मैगनेटिक रेजोनेंस और क्वांटम कैमिस्ट्री की मूल समझ में वृद्धि हो रही है। रसायन शास्त्र विभाग का दृष्टिकोण शिक्षण, शोध और बाह्यगतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। निम्नलिखित संकाय सदस्य विभाग के साथ जुड़े हैं :–

नाम	शोध क्षेत्र
राकेश कुमार शर्मा *विभाग प्रमुख*	जल स्प्लिटिंग केटालिसीस, सौर हाइड्रोजन उत्पादन, मैक्रोमोलीक्यूल आधारित मॉलीक्यूलर सेंसर, लघु मॉलीक्यूल सक्रियण के लिए हेटिरोजीनियस केटालिसीस, ग्रीन कैमिस्ट्री केटालिसीस स्टीरियोकंट्रोल, प्लास्टिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए केटालिसीस, फ़ीडस्टॉक रसायन विज्ञान, ऊर्जा के समाधान के लिए केटालिसीस, डी और एफ ब्लॉक तत्व के आधार पर समन्वय रसायन विज्ञान, एवं जल रसायन शास्त्र
अनन्या देबनाथ	थ्योरेटिकल एवं कंप्यूटेशनल रसायन विज्ञान
अतुल कुमार	मात्रा सूचना प्रोसेसिंग
मणिकंडन परंज्योति	सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान, रासायनिक प्रतिक्रिया डायनामिक्स
समन्विता पॉल	घोल एवं घन अवस्था एनएमआर और एनक्यूआर स्पेक्ट्रोस्कोपी

रितु गुप्ता

पानी, ऊर्जा और हेल्थकेयर के लिए नैनोमटेरियल और नैनोडीवाईसेस

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संस्थान बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) और कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। इसमें अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और शोध सुविधाएं मौजूद है।

विभाग के साथ सम्बद्ध संकाय सदस्य निम्न हैं :—

संकाय सदस्य	शोध क्षेत्र
वेंकट रमण बादरला *विभाग प्रमुख*	वायरलेस नेटवर्क और क्लाउड कंप्यूटिंग
गौरव हरित	इमेज एवं वीडियो विश्लेषण
चिरंजोय चट्टोपाध्याय	कंप्यूटर विजन
अरित्र बनिक	कम्प्यूटेशनल ज्यामिती

गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई के प्रोफेसर वेंकेटेश रामन एक सम्बद्ध संकाय सदस्य के रूप में इस विभाग से जुड़े हैं।

इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग

यह विभाग बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी), एम.टेक. (इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी) और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। इसमें कुछ अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और शोध सुविधाएं मौजूद है।

निम्नलिखित संकाय सदस्य विभाग के साथ जुड़े है :–

नाम	शोध क्षेत्र
 अनिल कुमार तिवारी *विभाग प्रमुख*	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग: बॉयो मेडिकल में इमेज प्रोसेसिंग, वीडियो प्रोसेसिंग तथा सिग्नल प्रोसेसिंग एप्लीकेशन
 अब्दुल गफूर शेख	पॉवर सिस्टम के विभिन्न घटकों का संरक्षण, डीजी पैनीट्रेशन के साथ वितरण नेटवर्क का संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत पैनीट्रेशन के साथ वितरण नेटवर्क में पॉवर गुणवत्ता मूल्यांकन तथा मिटीगेशन
 अरुण कुमार सिंह	संचार थ्योरी, वायरलेस एवं मोबाइल संचार, सेटेलाइट आधारित नेवीगेशन प्रणाली, स्प्रेड स्पैक्ट्रम प्रणाली
 दीपककुमार एम. फुलवानी	अस्थिर प्रणालियों, पॉवर प्रणालियों का नियंत्रण तथा स्टेट आकलन, हवा ऊर्जा परिवर्तन प्रणाली में नियंत्रण संबंधी मुद्दे।
 महेश कुमार	एमबीई द्वारा समूह III-V क्वांटम स्ट्रक्चर, पतली फिल्मों और नेनो स्ट्रक्चर का विकास, एलईडी, एचईएमटी और फोटो वोल्टिक प्रयोग के लिए समूह III नाइटराइड एलॉयस, बैंड गैप इंजीनियरिंग पर विशेष ध्यान देते हुए अकार्बनिक–अकार्बनिक हाईब्रिड ढांचा, एमईएमएस, माइक्रो और नेनो उपकरण फेब्रीकेशन के लिए एसआई और वृहत बैंड गैप सेमीकंडक्टर

संदीप कुमार यादव

सिग्नल प्रोसेसिंग, कंडीशन मॉनीटरिंग, इमेज प्रोसेसिंग, डाटा कम्प्रेशन, ब्लाइंड स्रोत पृथक्कीकरण, काल्पनिक न्यूरल नेटवर्क

श्रीप्रकाश तिवारी

माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स तथा वीएलएसआई प्रौद्योगिकी, माइक्रो फैब्रीकेशन, ऑर्गेननिक इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण भौतिकी तथा वर्गीकरण, नए उपकरण ढांचे

सुरेश गुंडपनेनि

सेमीकंडक्टर डिवाइस फिजिक्स, इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) टेक्नोलॉजी, फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स

टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुम्बई के वरिष्ठ प्रोफ़ेसर एवं जे. सी. बोस नेशनल फ़ैलो प्रोफेसर आर. के. श्याम सुंदर, इस विभाग से स्कॉलर–इन–रेजीडेंस के रूप में जुड़े हैं।

आईबीएम इंडिया, बंगलौर के सेमीकंडक्टर शोध एवं विकास केंद्र के प्रमुख प्रौद्योगिकीविद कोटा वी. मुरली भी इस विभाग के साथ एक सम्बद्ध संकाय सदस्य के रूप में जुड़े हैं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग ऐसे स्थान से संचालन करता है जो अनुभवी और प्रयोगात्मक ज्ञान प्रणालियों के बीच एक संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान करता है। युवा इंजीनियरों की शैक्षिक पाठ्यचर्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए हम स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तरों पर कोर तथा इलेक्टिव दोनों पाठ्यक्रम प्रदान करते है। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की भावना के विशिष्ट उद्देश्य के लिए उपकरणों और कौशल प्रदान करने की योग्यता में सुविधा कारकों के रूप में कार्य करने वाले व्यक्तियों को संवेदी बनाना शामिल होता है, अतः, हम छात्रों के साथ अर्थपूर्ण संपर्क करते है तथा उन्हें प्रौद्योगिकी, समाज और मानवता के बीच समझ, अध्ययन और कार्य करने में सहायता करते है। यह कार्य एक ऐसे शैक्षिक संदर्भ में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है जहां भारत के सर्वोत्तम युवा इकट्ठे कार्य करते है।

ऐसे संकाय सदस्य जिन्होंने विविध विषय जैसे दर्शनशास्त्र, अर्थव्यवस्था, मनोविज्ञान और साहित्य आदि में विशेषज्ञता प्राप्त किया है, तथा बृहत पृष्ठभूमि वाले छात्रों के साथ यह विभाग एक सघन मंच प्रदान करता है जहां तकनीक और शिक्षा को मानव और सामाजिक समझ के साथ अनुपूरित किया जा सके। निम्नलिखित संकाय सदस्य विभाग के साथ जुड़े हैं :–

नाम	शोध क्षेत्र
विद्या सर्वेश्वरन *विभाग प्रमुख*	**अंग्रेजी** – साहित्य और पर्यावरण (इकोक्रिटिसिज़्म), फिल्म और साहित्य, वैश्विक दक्षिण साहित्य, अनुवाद में क्षेत्रीय साहित्य, अमेरिकी साहित्य
अंकिता शर्मा	**मनोविज्ञान** –जरा विज्ञान, क्लीनिकल और सकारात्मक मनोविज्ञान
के. जे. जॉर्ज	**दर्शनशास्त्र** – एप्लाइड नीतिशास्त्र, प्रौद्योगिकी आचार, बॉयोइथिक्स
मैनाक मज़ूमदार	**अर्थशास्त्र** – बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और दवा उद्योग, उत्पादकता और कार्यकुशलता विश्लेषण, वृद्धि और क्षेत्रीय विकास, असमानता गरीबी और सामाजिक गतिशीलता

रीजो एम. जॉन

अर्थशास्त्र – स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य नीति, एप्लाइड इकोमेट्रिक्स, विकास अध्ययन

श्रीकुमार जयदेवन

दर्शनशास्त्र – दर्शनशास्त्र, डिज़ाइन का सौंदर्यशास्त्र, औपचारिक तर्क, प्रौद्योगिकी का दर्शनशास्त्र

वी. हरि नारायणन

दर्शनशास्त्र – संज्ञानात्मक अध्ययन, विकासवादी थ्योरी, विश्लेषणात्मक दर्शन और मानसिक जागरूकता

गणित विभाग

गणित के कई विषयों का मूल आधार होने के नाते यह एक ऐसा विषय है जो समय के साथ तैयार होता है और आज की चुनौतीपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए नई थ्योरी और मॉडल तैयार करता है। शुरूआत से ही यह विभाग ऐसी पद्धतियों और मॉडल तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है जिन्हें कंप्यूटर विज्ञान, अभियांत्रिकी और बेसिक विज्ञान के विविध क्षेत्रों में प्रयोग किया जा सके। विभाग में मैथेमेटिकल फ़िजिक्स, साइंटिफिक कंप्यूटेशन, न्यूमेरिकल एनालिसिस, डिफरेंशियल इक्वेशन्स, टोपोलोजिकल डायनामिक्स, लो–डाइमेंशनल केओस, डायनामिकल सिस्टम, रिनार्मलाइजेशन इन लो–डायमेंशनल डायनामिक्स, वेवलेट एनालिसिस, फ्रेक्शनल ट्रांसफोर्म थ्योरी, इमेज प्रोसेसिंग, वित्तीय जोखिम विश्लेषण और श्रेणी आंकड़ा विश्लेषण के क्षेत्रों में शोध रूचिपूर्ण संकाय है।

यह विभाग अवर स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रम प्रदान करता है। यह प्रणाली विज्ञान में चार वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम, और गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। निम्नलिखित संकाय सदस्य विभाग के साथ जुड़े हैं :–

नाम	शोध क्षेत्र
 किरणकुमार आर. हीरेमाठ *विभाग प्रमुख*	वेब–मेटर इंटरेक्शन के सैद्धांतिक गणितीय और कम्प्यूटेशनल पहलू
 प्रवाल सिन्हा	मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ इंजीनियरिंग एंड बायो–सिस्टम्स
 गौरव भटनागर	वेवलेट विश्लेषण, आंशिक ट्रांसफोर्म थ्योरी, मल्टीमीडिया सुरक्षा, इमेज प्रोसेसिंग, सूचना फ़्यूजन
 पुनीत शर्मा	टोपोलॉजिकल डायनामिक्स, अल्प आयामी अराजकता

वी. वी. एम. एस. चंद्रमौली

स्मूत डायनामिकल प्रणालियां, यूनीमॉडल नक्शों और हेनन–समान नक्शों का पुनः सामान्यीकरण

विवेक विजय

वित्तीय जोखिम विश्लेषण, स्पष्ट डेटा विश्लेषण, प्रतिगमन

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

राष्ट्र तथा विश्व की चिंताओं जैसे कि सौर मिशन एवं मौसम परिवर्तन में योगदान देने की इच्छा यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में संचालित की जाने वाली शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र है। यांत्रिक अभियांत्रिकी में रुचि के कई क्षेत्र (जैसे कि सौर ऊर्जा, ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी तथा स्वास्थ्य) छात्रों, स्टाफ सदस्यों और संकाय सदस्यों को प्रेरित करते हैं।

यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.टेक. कार्यक्रम संस्थान के आरंभ से ही वर्ष 2008 में शुरू हुआ। तब से तीन बैच स्नातक हो चुके है और अधिकांश पूर्व छात्र उद्योग जगत में सफल कैरियर प्राप्त कर रहे हैं। उनमें से कुछ को भारत, यूरोप और संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में उच्च अध्ययन के लिए चुना गया है।

विगत 6 वर्षों के दौरान यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास का संचालन करने के लिए भारत में कई उद्योगों और शोध प्रयोगशालाओं (जैसे कि थर्मेक्स, सनबोर्न, एरिवा, स्टेग, भेल, आईओसीएल, ओएनजीसी, बीएआरसी और एन.एफ.टी.डी.सी.) में विभिन्न सहयोगी परियोजनाएं आरंभ की गई हैं।

छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यांत्रिक अभियांत्रिकी में बृहत आधारित स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं जिनमें छात्रों को अंतर–विषयक और साथ–साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी के उप–क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की संभावना होती है। विभाग में एक डॉक्टरल कार्यक्रम चल रहा है। वर्तमान में, दस पीएच.डी. छात्र यांत्रिक अभियांत्रिकी के थर्मल, डिजाइन और विनिर्माण विषयों में अध्ययन कर रहे है। शैक्षिक कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र को वैश्विक जगत में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आवश्यक क्षमता का निर्माण करना है। साथ ही, छात्रों को पेटेंट योग्य नवाचार करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी कार्य करने और उद्योग भागीदारों के साथ सक्रिय सहयोग करने जैसे व्यावसायिक कौशलों के प्रति भी जागरूक बनाया जा रहा है।

निम्नलिखित संकाय सदस्य विभाग के साथ जुड़े हैं :–

नाम	शोध क्षेत्र
बी. रवीन्द्र, *विभाग प्रमुख*	डिज़ाइन, डायनामिक्स, वाइब्रेशन और कंट्रोल
अक्षय प्रकाश	कंप्यूटेशनल फ़्लूइड डायनामिक्स
आनंद कृष्णन प्लापल्ली	जल, जल–प्रबंधन और इंजीनियर्ड सामग्रियों का वर्गीकरण

बरुण प्रतिहार

मशीनों और स्ट्रक्चर का डायनामिक्स, फ़्लैक्सिबल रोबोट, एमईएमएस, रोटर डायनामिक्स, नॉन–लीनियर ऑसीलेशन

कौशलकुमार ए. देसाई

विनिर्माण प्रक्रिया की मॉडलिंग, सीएडी सीएएम, सीएनसी मशीनिंग, चूक क्षतिपूर्ति

लालटू चंद्रा

सौलर थर्मल उप–प्रणाली (ओपन वॉल्यूमैट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल एनर्जी स्टोरेज, एयर–वाटर हीट एक्सचेंजर), थर्मल हाइड्रोल्किस, टर्बूलेंस सिमूलेशन (डीएनएस/एलईएस/हाइब्रिड/आरएएनएस) और मॉड़ल विकास, कंप्यूटेशनल फ़्लूइड डायनामिक्स

प्रोद्युत आर चक्रवर्ती

हीट एवं मास ट्रांसफर, उच्च ताप प्रयोग हेतु लेटेंट हीट बेस्ड स्टोरेज डिवाइस, एलॉय सॉलिडीफ़िकेशन प्रक्रिया, एक्टिव एंड पेसिव सोलर कूलिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक कूलिंग

राहुल छिब्बर

वेल्डिंग एवं जॉइनिंग, विनिर्माण तथा सामग्री प्रसंस्करण, सामग्रियों का यांत्रिक व्यवहार

गौरव अमेटा

कंप्यूटर–एडिड डिजाईन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, टोलेरेंसिंग, सस्टेनेबल डिजाईन एंड मैन्युफैक्चरिंग

सुरील वी. शाह

रोबोटिक्स, मल्टीबॉडी डायनामिक्स एंड कंट्रोल

भौतिक विज्ञान विभाग

प्रयोग के साथ मूल भौतिकी में दृष्टिजन्य शोध आई.आई.टी. जोधपुर में भौतिक विज्ञान विभाग का मुख्य विषय है। संकाय सदस्य एस्ट्रोफिजिक्स, कंडेंस्ड मेटर फिजिक्स एवं मेटीरियल साइंस, पार्टिकल फिजिक्स, प्रयोगात्मक एवं सैद्धांतिक मात्रात्मक ऑप्टिक्स, मात्रात्मक सूचना और मात्रात्मक यांत्रिकी की नींव के क्षेत्रों में शोध करते है। विभाग में उपलब्ध शोध सुविधाओं में एसक्यूयूआईडी मैगनोमीटर, फिजिक्स प्रोपर्टी मेजरमेंट सिस्टम (पीपीएमएस), रमन स्पेक्ट्रोमीटर तथा स्केनिंग टनलिंग माइक्रो स्कोप (एसटीएम) शामिल है। निम्नलिखित संकाय सदस्य विभाग के साथ जुड़े हैं :–

नाम	शोध क्षेत्र
सुभाशीष बनर्जी *विभाग प्रमुख*	ओपन मात्रा प्रणालियां; मात्रा सूचना; गैर–संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी; मात्रा ऑप्टिक्स
अम्बेश दीक्षित	सेमीकंडक्टर, मल्टीफ़ंक्शनल फेरोइक तथा ऊर्जा–फ़ेब्रीकेशन और लक्षण हेतु पदार्थ, फोटोवोल्टिक सामग्री और उपकरण एब इनीषियो डी.एफ़.टी. अध्ययन और डिवाइस सिम्युलेशन
आशुतोष कुमार आलोक	पार्टिकल भौतिकी और ब्रह्माण्ड विज्ञान
मोनिका सिन्हा	एस्ट्रोफ़िजिक्स, एस्ट्रोपार्टिकल फ़िजिक्स
सत्यजीत साहू	जैविक प्रणालियों में सूचना प्रोसेसिंग

वी. नारायणन

ऑप्टिक्स तथा सौर फ़ील्ड डिज़ाइन, प्लाज़्मोनिक्स, लेज़र उत्पादित प्लाज़्मा (एल.पी.पी.), पल्स्ड लेज़र डिपोज़ीशन (पी.एल.डी.), प्लाज़्मा डायग्नोस्टिक्स (इंटरफेरोमेट्री और ऑप्टिकल उत्सर्जन स्पेक्ट्रोस्कोपी (ओ.ई.एस.)), लेज़र पदार्थ सहभागिता और लेज़र क्लस्टर इंटरेक्शन

आई.आई.टी. दिल्ली की थिन फिल्म लेबोरेटोरी के सलाहकार प्रोफेसर के. एल. चौपड़ा, इस विभाग से स्कॉलर–इन–रेज़ीडेंस के रूप में जुड़े हैं।

विभाग में शैक्षिक गतिविधियाँ

"भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम की समीक्षा कार्यशाला" 11 अप्रैल 2015 को संचालित हुयी। प्रोफेसर पी.सी. देशमुख (भाप्रौसं मद्रास), प्रोफेसर राजीव वी गवई (टीआईएफआर मुंबई), प्रोफेसर पीके दत्ता (भाप्रौसं खड़गपुर), प्रोफेसर उमा शंकर (भाप्रौसं बॉम्बे), प्रोफेसर केजी सुरेश (भाप्रौसं बॉम्बे), और प्रोफेसर देशदीप सहदेव (भाप्रौसं कानपुर) ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का विषय एमएससी भौतिकी के साथ साथ भाप्रौसं जोधपुर में भौतिकी विभाग के सभी पाठ्यक्रमों पर चर्चा करना था।

जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई.एस.एस.)

जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई.एस.एस.) जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली एवं प्रक्रिया द्वारा आदर्श, अनुकूल एवं सतत् प्रौद्योगिकीय हल तैयार करने के बृहत उद्देश्य के साथ आरंभ किया गया एक विषय है। संस्थान एक सृजनात्मक – उन्मुखी गुणवत्ता बहु–विषयक शिक्षा के प्रति एक परीक्षण–उन्मुखी एकल शिक्षा की आवश्यकता को मान्यता प्रदान करता है, जिससे जीव–विज्ञान और इंजीनियरिंग के बीच मौजूदा सीमाएं धूमिल होती है। जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई.एस.एस.) में बी.टेक. कार्यक्रम का संचालन जीव विज्ञान विभाग के सहयोग से इस केंद्रित समूह द्वारा किया जाता है।

प्रणाली विज्ञान (एस.एस.)

प्रणाली विज्ञान विषय एक समग्र प्रणाली वैचारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतर–विषयक शिक्षा और शोध के संवर्धन तथा क्रियान्वयन हेतु 2011 में आरंभ किया गया था। इसका दृष्टिकोण छात्रों को इंजीनियर्ड प्रणाली, प्राकृतिक प्रणाली और वित्तीय प्रणालियों के विविध क्षेत्रों में प्रणाली विचारों की भावना के साथ प्रशिक्षित स्नातकों में परिवर्तित करना है। यह केंद्रित समूह गणित विभाग के सहयोग से प्रणाली विज्ञान (एस.एस.) में अवर स्नातक कार्यक्रम बी.टेक. का संचालन करता है।

स्टाफ़ सदस्य

निम्नलिखित स्टाफ सदस्य संस्थान के विभिन्न कार्यालयों एवं विभागों में कार्यरत हैं:

प्रशासनिक और अकादमिक स्टाफ सदस्य	
शैक्षिक कार्यालय	
गौरव निगम	अधीक्षक
अभय कुमार अवस्थी	कनिष्ठ सहायक
रश्मि ध्यानी	कनिष्ठ सहायक
लेखा एवं आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यालय	
मनीष कुमार भोमिया	सहायक कुलसचिव
आशीष कछावाहा	अधीक्षक
नरेश चौहान	कनिष्ठ अधीक्षक
राकेश कुमार	कनिष्ठ सहायक
बिश्वजीत प्रमाणिक	कनिष्ठ सहायक
गौतम सेठिया	कनिष्ठ सहायक
प्रशासन एवं स्थापना कार्यालय	
एस. बालचंद्र अय्यर	कुलसचिव
अमरदीप शमा	उप कुलसचिव
संदीप सिंह चंदेल	अधीक्षक
शरद श्रीवास्तव	सहायक
अजय कुमार सिंह	कनिष्ठ सहायक
पूर्वछात्र संबंध और छात्र प्लेसमेंट कार्यालय	
गुरुप्रीत कौर वीरदी	सहायक
निदेशक कार्यालय	
दर्श कुमार खटवानी	सहायक
टी. माधवी लता	आशुलिपिक (भा.प्रौ.सं. तिरुपति में प्रतिनियुक्ति पर)
अवसंरचना अभियांत्रिकी कार्यालय	
संजीब मुखर्जी	कार्यपालक अभियंता (सिविल)
चंद्रेश पारीक	कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल)
विनय कुमार	कनिष्ठ इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)
पुस्तकालय कार्यालय	
क्षेमा प्रकाश	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
अमित कुमार सोनी	वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक
चुन्नी छतवानी	वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक
कमलेशकुमार जे. पटेल	वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक

योजना कार्यालय	
अमरदीप शर्मा	उप कुलसचिव (योजना)
त्रिलोतमा सिंह	कनिष्ठ सहायक
भर्ती कार्यालय	
संदीप पारीक	कनिष्ठ अधीक्षक
अचिंता मण्डल	कनिष्ठ सहायक
छात्र कार्यालय	
धनी राम चौधरी	आशुलिपिक
स्वाति कुशवाहा	कनिष्ठ सहायक
भंडार एवं क्रय कार्यालय	
शरभ प्रधान	कनिष्ठ अधीक्षक
आदर्श कुमार श्रीवास्तव	कनिष्ठ सहायक
तकनीकी स्टाफ सदस्य	
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	
रिंपेश कटियार	तकनीकी अधीक्षक
धीरेन्द्र कुमार यादव	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
रिंकेश कुमार मंगल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
पूनम चंद सांखला	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
राम सिंह रतनू	टेक्नीशियन
विवेक वर्मा	कनिष्ठ टेक्नीशियन
विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	
गजराज शर्मा	कनिष्ठ टेक्नीशियन
हेमराज दोधावत	कनिष्ठ टेक्नीशियन
कैलाश चंदर	कनिष्ठ टेक्नीशियन
अभिषेक शर्मा	कनिष्ठ टेक्नीशियन
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	
प्रवीण सुथार	कनिष्ठ टेक्नीशियन
भाग्य वर्धन	कनिष्ठ टेक्नीशियन
रामबीर सिंह	जूनियर टेक्नीशियन
जीव विज्ञान विभाग	
भरत पारीक	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
मोहन मुकेश मालवीय	जूनियर टेक्नीशियन
रसायन शास्त्र विभाग	
गणपत चौधरी	जूनियर टेक्नीशियन
शुभम पाण्डेय	जूनियर टेक्नीशियन
भौतिक शास्त्र विभाग	
नरेन्द्र कुमार सिंह	तकनीकी अधीक्षक

शैक्षिक कार्यक्रम

वर्तमान में संस्थान निम्नलिखित चार कार्यक्रम प्रदान करता है।

1. **प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम**
    1. बी.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
    2. बी.टेक. इलैक्ट्रिकल इंजीनियरी
    3. बी.टेक. यांत्रिक इंजीनियरी
    4. बी.टेक. प्रणाली विज्ञान
    5. बी.टेक. जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान
2. **विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम**
    1. एम.एससी. (रसायन शास्त्र)
    2. एम.एससी. (गणित), तथा
    3. एम.एससी. (भौतिकी)
3. **प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर कार्यक्रम**
    4. एम.टेक. (उर्जा)
    5. एम.टेक. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी), तथा
    6. एम.टेक. (प्रणाली विज्ञान)
4. **डॉक्टर ऑफ फिलोसफी कार्यक्रम**
    1. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    2. इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    3. यांत्रिक अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    4. जीव–विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    5. रसायन शास्त्र में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    6. गणित में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    7. भौतिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    8. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.

संस्थान का पहली पीएच.डी. थीसिस का खाता खुला...

वर्ष 2015–16 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 4 पीएच.डी. छात्रों के अपने शोध प्रबंध के सफ़लतापूर्वक प्रतिरक्षा के साथ पीएच.डी. थीसिस का खाता खोला। इनके विवरण निम्न हैं –

क्र.सं.	छात्र का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	विभाग	प्रतिरक्षा की तिथि
1.	श्रीविशाल त्रिपाठी	Analysis and Design of Wideband Fractal Antennas for Portable UWB Applications	अखिलेश मोहन (भा. प्रौ.सं. खड़गपुर) एवं संदीप यादव	विद्युतीय अभियांत्रिकी	3 सितम्बर 2015
2.	हीना राठौर	Improving Security in Wireless Sensor Networks Through Bio-Inspired Approaches	वेंकट रमण बी.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	29 अक्टूबर 2015

3.	शिबानी बिसोयी	Bias-Stress Stability and Charge-Carrier Trapping in High Performance Organic Thin-Film Transistors	श्री प्रकाश तिवारी	विद्युतीय अभियांत्रिकी	16 दिसंबर 2015
4.	दीपक कुमार छंगाणी	Role of MGRN1 E3 Ubiquitin Ligase in Protein Quality Control Mechanism and Polyglutamine Diseases	अमित कुमार मिश्रा	जीव विज्ञान	7 जनवरी 2016

शिक्षा जगत के साथ सहयोग

संस्थान ने विशिष्ट उद्देश्यों के लिए सहयोग को आगे बढ़ाने हेतु छः अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, दो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, तीन राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों तथा एक राष्ट्रीय एजेंसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता ज्ञापन निम्न है।

(क) अंतर्राष्ट्रीय संस्थान और विश्वविद्यालय

1. **यूनिवर्सिटी ऑफ वैस्टर्न ओंटारियो, कनाडा (9 अगस्त 2010)**

   शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान में सहयोग की संभावनाएं तलाशना तथा परिसरों में पारस्परिक वास्तविक उपस्थिति, प्रत्यक्ष संपर्क तथा संकाय सदस्यों, विभागों और शोध केन्द्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना।

2. **यूनिवर्सिटाट् रोविरा आई वरजिली, तरागोना, स्पेन (29 अगस्त 2010)**

   पारस्परिक रूप से लाभप्रद शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास, शिक्षण, शोध और प्रशिक्षण के प्रयोजन से शैक्षिक स्टाफ मोबिलिटी का समन्वय, अध्ययन और अनुसंधान, शोध, प्रकाशन एवं सिंपोजिया जैसे संयुक्त शैक्षिक कार्यकलापों के लिए छात्र मोबिलिटी कार्यक्रम में सहयोग, पारस्परिक हित के क्षेत्रों में प्रलेखन तथा शोध सामग्री के आदान–प्रदान में कई कानूनी अड़चन न हो, और दोनों संस्थाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय मास्टर और डॉक्टोरल कार्यक्रम में सहयोग हेतु।

3. **यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, कनाड़ा (25 नवंबर 2010)**

   पारस्परिकता, पारस्परिक लाभ, नियमित संपर्क और स्नातक कार्यक्रमों में छात्रों के आदान–प्रदान के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय अनुभव को बढ़ाने और ज्ञान का विकास करने के सहयोगात्मक उपाय हेतु।

4. **यूनिवर्सिटी ऑफ मानिटोबा, कनाड़ा (9 दिसंबर 2010)**

   छात्रों के ज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय अनुभव की उन्नति के लिए अवसर प्रदान करने हेतु इंटर्नशिप और स्नातक अध्ययन के लिए परस्पर लाभकारी कार्यक्रम विकसित करने के लिए।

5. **यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, मरसीड (26 अप्रैल 2011)**

   शैक्षिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने वाले पारस्परिक लाभप्रद संबंध बनाना, शिक्षण, अनुसंधान और कार्यक्रम विकास के लिए प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों,

स्नातक छात्रों तथा शोध कार्मिकों का आदान–प्रदान। इसके अलावा, परिचालन के लिए उपलब्ध प्रकाशनों, वैज्ञानिक सामग्री, अध्येता शोध–पत्रों और शोध जानकारी का आदान–प्रदान संबंधी संस्थाओं के लाइसेंसिंग करारों द्वारा यथाअनुमत्य पुस्तकालय सामग्री तक पहुंच प्रदान करने हेतु।

6. **शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, भारत (15 अगस्त 2011)**

आई.आई.टी. जोधपुर में एक चुनी हुई साईट के लिए शहरी वन्य मॉडल के रूप में छाया बेल्ट रोपण का विकास हेतु।

7. **विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, नारा, जापान (28 फ़रवरी 2012)**

उन क्षेत्रों जिनमें प्रत्येक पक्ष को अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में वृद्धि करने की आवश्यकता है में शैक्षिक आदान–प्रदान का संवर्धन करना – शैक्षिक आदान–प्रदान में सहयोगी शोध का कार्यान्वयन, संयुक्त सिम्पोजिया, लैक्चर और शिक्षा तथा विद्वानों, शोधकर्ताओं और प्रशासनिक स्टाफ के आदान–प्रदान, उन क्षेत्रों में सूचना का आदान–प्रदान जो दोनों पक्षों की रूचि की हो और दोनों पक्षों के हित के क्षेत्र में स्नातक छात्रों का आदान–प्रदान शामिल होगा।

(ख) अंतर्राष्ट्रीय संस्थायें

1. **दी कमिसरियेट आ ला एनर्जी एटोमीक एट ऑक्स एनर्जीज़ अल्टरनेटिव्ज़, फ्रांस (22 नवंबर 2010)**

सौर ऊर्जा अनुसंधान में क्षेत्रों में सहयोग, जैसे संकेन्द्रित सौर ऊर्जा और संकेद्रित फोटोवोल्टिक, सौर ऊर्जा के उपयोग से जल उत्पादन; नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण तथा स्मार्ट प्रबंधन, सौर ऊर्जा का समेकन और भवन में ऊर्जा कार्यक्षमता हेतु।

2. **भारत में फ्रांस का दूतावास (28 मार्च 2011)**

छात्रों के लिए भविष्यलक्षी क्षेत्रों की तलाश करना और छात्रों की प्रभावशाली ढंग से फ्रेंच भाषा सीखने में सहायता करने हेतु।

(ग) राष्ट्रीय संस्थान और विश्वविद्यालय

1. **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर**

विशेषज्ञता के क्षेत्रों में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग हेतु।

2. **राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर**

विशेषज्ञता के क्षेत्रों में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग हेतु।

3. **सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर (12 जून 2013)**

ऐसे क्षेत्रों में शैक्षिक आदान–प्रदान का संवर्धन करना शामिल है जिनमें प्रत्येक पक्ष को अपने शैक्षिक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों में वृद्धि करने की आवश्यकता है।

उद्योग जगत के साथ सहयोग

आई.आई.टी. जोधपुर ने अपने छात्रों के अधिगम अनुभव में वृद्धि करने और संकाय सदस्यों के लिए सहयोगी अवसर प्रदान करने के लिए उद्योग जगत के साथ सहयोग आरंभ किया है। इनमें शामिल हैं–

1. वैनगार्ड व्याख्यान; और
2. इंडस्ट्री इमरशन प्रोग्राम

वैनगार्ड व्याख्यान

वैनगार्ड व्याख्यान श्रृंखला मिश्रित बी.टेक. का एक अभिन्न हिस्सा है। यह कार्यक्रम छात्रों को उद्योग और शिक्षा के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए प्रेरणादायक वार्ता को सुनने के लिए और विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी विकास और उभरती प्रवृत्तियों की बड़ी तस्वीर प्राप्त होती है।

वर्ष 2015 में दो और वैनगार्ड व्याख्यान की श्रृंखलाऐं आयोजित की गयी हैं, नामतः

(1) श्रृंखला 3: जुलाई–सितम्बर 2015, और

(2) श्रृंखला 4: जनवरी–मई 2016

इन दो श्रृंखलाओं में शामिल वक्ताओं और शीर्षकों का विवरण निम्नलिखित हैं।

क्र.सं.	वक्ता और शीर्षक
	श्रृंखला 3: जुलाई–सितंबर 2015
(1)	श्री एन. जयराम वाईस प्रेजिडेंट, रिसर्च एंड डेवलपमेंट टी वी एस मोटर कंपनी लिमिटेड, होसुर *"New Product Development (Simulation Way)"* 27 जुलाई 2015
(2)	डॉ. अरुणकुमार एम. संपत जनरल मैनेजर, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, ऑटो डिवीजन महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, चेन्नइ *"Innovation and Product Development in Automotive Sector"* 31 जुलाई 2015
(3)	श्री एम. परांजपे चीफ, हाइड्रो – रिन्यूएबल ऑपरेशन्स एंड सेफ्टी टाटा पावर कंपनी लिमिटेड, खोपोली *"Hydropower Plant Challenges"* 31 जुलाई 2015
(4)	डॉ. सचिन पी. लोढा, प्रिंसिपल साइंटिस्ट, टी.सी.एस. इनोवेशन लैब्स टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, पुणे *"Applied Algorithms"* 4 अगस्त 2015

(5) श्री प्रनब घोष हेड, प्लानिंग टाटा मोटर्स लिमिटेड, जमशेदपुर
हेड, प्लानिंग
टाटा मोटर्स लिमिटेड, जमशेदपुर
"Automotive Manufacturing"
5 अगस्त 2015

(6) डॉ. बरुन चक्रबर्ती
जनरल मैनेजर, रिसर्च – डेवलपमेंट
लार्सन एंड टूब्रो हाइड्रोकार्बन इंजीनियरिंग लिमिटेड, मुम्बई
"Engineering – From Class Room to Real World : The L&T Perspective"
7 अगस्त 2015

(7) प्रोफेसर एस. नटराजन
प्रोफेसर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर
"Permanent Color and Chemistry"
4 सितंबर 2015

श्रृंखला 4: जनवरी–मई 2016

(1) प्रोफेसर नवनीत अरोरा
प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की
"Excellence in Engineering and Expectations from an Engineer"
7 जनवरी 2016

(2) श्री अनिल भंसाली
एम् डी, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया (आरएंडडी) प्राइवेट लिमिटिड एंड जनरल मैनेजर, क्लाउड एंड एंटरप्राइज
माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर
और
श्री प्रशांत गुप्ता
निदेशक, माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड एंड एंटरप्राइज डिवीजन
माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर
"Advanced Analytics and Machine Learning on Cloud – Creating impact for Education, Healthcare and other domains"
25 जनवरी 2015

(3) प्रोफेसर अमिताभ घोष
प्लैटिनम जुबली सीनियर साइंटिस्ट, द नेशनल अकादमी ऑफ साइंसेज, इंडिया
भूतपूर्व डायरेक्टर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
"Conceptual Evolution of Newtonian Mechanics & The Little Known Story of F=ma"
4 फरवरी 2016

(4) प्रोफेसर रघुनाथ के. शिवगांवकर
प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे
भूतपूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
"Electromagnetic Theory"
22 फरवरी 2016

इंडस्ट्री इमरशन प्रोग्राम

जुलाई 2014 में, जब संस्थान ने बी.टेक. स्तर पर मिश्रित तकनीकी शिक्षा मॉडल लांच किया, तब इसका उद्देश्य छात्रों में प्रौद्योगिकी के प्रति जुनून पैदा करके भारतीय उद्योग की भव्य प्रौद्योगिकी चुनौतियों का समाधान करना था। इस मॉडल का एक तत्व है कि कोर्स से पहले उद्योग के सफल उद्यमी क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी, उद्योग की जरूरत और अनुसंधान के अवसरों की बड़ी तस्वीर देने के लिए व्याख्यान देकर आधारशिला रखें। इस मॉडल को "वैनगार्ड व्याख्यान श्रृंखला" से रफ्तार मिली, और अब यह इस संस्थान के बी टेक कार्यक्रम के "मिश्रित तकनीकी शिक्षा मॉडल" की एक विशिष्ट विशेषता बन गया है। फिर, इसके पश्चात् जनवरी–मार्च 2015 के दौरान "बड़ी प्रौद्योगिकी परियोजनाओं की प्रतियोगिता" आयोजित की गई जिसमे रुचि रखने वाले छात्रों ने विशेष उत्साह दिखाया। अब अधिकांश छात्र अपने बी टेक प्रोजेक्टों को बड़ी प्रौद्योगिकी परियोजनाओं में परिवर्तित होने में लाभ देख रहे हैं।

वर्तमान में, बी.टेक. स्तर पर इंडस्ट्री इमरशन प्रोग्राम में पाँच उद्योगों ने भागीदारी की है, जो कि निम्न हैं :

(1) महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, मुंबई;
(2) लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, मुंबई;
(3) टाटा मोटर्स लिमिटेड, मुंबई;
(4) टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड, चेन्नई; तथा
(5) टाटा पावर लिमिटेड, मुंबई।

11 मई 2015 से, 31 छात्र और 5 संकाय सदस्य तीन ग्रीष्मकालीन कार्यक्रमों में से पहले ग्रीष्मकाल में इन प्रमुख प्रौद्योगिकी उद्योगों में आप्लावित हुए। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं हैं :

(अ) छात्रों के लिए – कार्य करते हुए सीखना (Learning-by-doing), अनुभवात्मक और सहकारी शिक्षण, उद्योग व्यवसाय के संरक्षण में सौंपे गये जीवंत कार्य पर कार्य करना और चतुर्थ समेस्टर की शुरुआत से लेकर ढाई वर्षों तक उद्योग–समर्पित परियोजनाओं में संलग्न होना ।

(ब) संस्थान के लिए – संकाय सदस्य संस्थान से परे उद्योगों के साथ संबंध विकसित करने में सक्षम होंगे; एक मूक लाभ के तहत पाठ्यक्रम और अधिक वास्तविक बन जाएगा; संकाय सदस्यों को सामयिक और प्रभावी अनुसंधान व परामर्श परियोजनाओं के लिए अवसर मिलेगा; उद्योग की जरूरतों को शिक्षा में एकीकृत करने के लिए अधिक संवेदनशीलता, उद्योग के नजरिए से छात्रों और संकाय सदस्यों को बेंचमार्क करना, और संस्थान की रणनीतियों में आवश्यक सुधार प्रतिबिंबित करने में भी सक्षम होंगे।

इंडस्ट्री इमरशन प्रोग्राम में शामिल होने वाले चुनिंदा छात्रों ने दूसरों से एक भिन्न पथ को चुना। यह उन्हें योग्यता और उपलब्धियों की एक नयी ऊंचाई पर ले जाएगा जो कि उनकी बी. टेक. डिग्री की योग्यता से परे है।

शोध

प्रमुखताएँ

भा.प्रौ.सं. जोधपुर "डीबीटी–समस्त भाप्रौसं के बायोएनर्जी केंद्र" के पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में शामिल

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और पांच भाप्रौसं, नामतः, भाप्रौसं बॉम्बे, भाप्रौसं खड़गपुर, भाप्रौसं रुड़की, भाप्रौसं गुवाहाटी एवं भाप्रौसं जोधपुर, बायोएनर्जी के एक आभासी केंद्र की शुरूआत करने के लिए एक साथ आए हैं। भाप्रौसं बॉम्बे इस आभासी केंद्र की गतिविधियों का समन्वयन करेगा। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य जैव ईंधन के क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकियों को विकसित करके ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान करना है। इसके अलावा, केंद्र का उद्देश्य भारत में जैव ऊर्जा उद्योगों के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध विकसित करना भी है।

वी. नारायणन, समन्वयक (अनुसंधान एवं विकास), भाप्रौसं जोधपुर ने संस्थान की तरफ से 3 सितंबर 2015 को भाप्रौसं बॉम्बे में समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

संस्थापन प्रलेख समारोह

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में जैव ईंधन पर कार्यरत संकाय सदस्य

बायोमास, या जैव ऊर्जा को ऊर्जा के एक अक्षय स्रोत के रूप में स्वीकार किया गया है जो कि जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है। इसके अलावा यह लाभ भी होगा कि बायोमास वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके ग्रीन हाउस प्रभाव कम कर सकते हैं। जैव ईंधन, या तो माइक्रोबियल किण्वन से या एक निष्क्रिय गैस वातावरण में बायोमास के पायरोलाईसिस से प्राप्त की जाती है और परिवहन ईंधन के रूप में इस्तेमाल के लिए आर्थिक और तकनीकी दोनों रूप से महत्वपूर्ण है। शैवाल जैव ईंधन के अन्य फीडस्टॉक की तुलना में अधिक तेल का उत्पादन कर सकते हैं। इस तकनीक की अड़चन ऐसे शैवाल की खेती के तरीकों को ईजाद करने की है जो कि उच्च विकास दर और तेल उत्पादकता का समर्थन करे, वह कुशल तरीके जो शैवाल तेल को फैटी एसिड मिथाइल एस्टर (बायोडीजल) में परिवर्तित करे या ऐसे "सही उत्प्रेरक" विकसित करने की जो बायोमास को मौजूदा प्रौद्योगिकी हेतु ईंधन (जैव) में परिवर्तित कर सके।

राकेश कुमार शर्मा, सहायक प्रोफेसर "परिवहन ईंधन के लिए शैवाल बायोमास का उत्प्रेरक उन्नयन" परियोजना पर काम कर रहे हैं। इस शोध का उद्देश्य हाइड्रोक्रैकिंग हाइड्रोडीनाइट्रोजीनेशन और / या हाइड्रोडीओक्सीजीनेशन प्रक्रियाओं के द्वारा शैवाल बायोमास से परिवहन ईंधन में रूपांतरण के लिए नए और कुशल विषम उत्प्रेरक प्रणालियों को विकसित करना है। ये विषम उत्प्रेरक सिस्टम जिओलाइटस और चिकनी मिट्टी में समर्थित / इंटर केलेटेड / स्तरित धातुओं के नैनोकणों पर आधारित है। उद्देश्य यह है कि सफल उत्प्रेरक पर्यावरण अनुकूल, फिर से उपयोग करने योग्य और स्केलेबल (किलोग्राम के स्तर) हो। ये उत्प्रेरक सल्फाइड मुक्त नॉन–नोबल धातु होंगे । अगले चरण में, सब्सट्रेट अनुप्रयोगों को शैवाल–तेल से खाद्य और गैर खाद्य तेलों में भी उपयोग किया जाएगा। प्रतिक्रियाऐ अनिवार्य रूप से दो परिचालन परिस्थितियों – हल्के (50–200 डिग्री सेल्सियस, 100 बार) और गहन हाइड्रो ट्रीटमेंट (200–350 डिग्री सेल्सियस, 200 बार) में की जाएंगी। एक बेहतर उत्प्रेरक डिजाइन करने के लिए इन उत्प्रेरक प्रक्रियाओं का यंत्रवत अध्ययन एक मुख्य बिन्दु होगा ।

मीनू छाबड़ा, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग "बिजली उत्पादन और शैवाल की खेती के लिए कम लागत के माइक्रोबियल कार्बन कैप्चर सेल का विकास" परियोजना पर काम कर रही हैं। शैवाल से बने जैव ईंधन में जीवाश्म आधारित ईंधन की जगह लेने और भविष्य में ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने की पूरी संभावनाएं हैं। हालांकि, काई शैवाल ईंधन की लागत अभी भी वाणिज्यिक प्रयोग के लिए बहुत अधिक है। इस संदर्भ में, माइक्रोबियल कार्बन कैप्चर (MCC) कोशिकाओं का उपयोग कर शैवाल और विद्युत ऊर्जा के उत्पादन के लिए एक प्रक्रिया प्रस्तावित है। MCC कोशिकाओ में, शैवाल बायोमास गिरावट की प्रक्रिया में शैवाल बायोमास के उत्पादन के साथ सहवर्ती बिजली उत्पादन में इजाफा होता है।

एक साथ इन दो परियोजनाओं, जो कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, द्वारा वित्त पोषित हैं, से देश के लिए गैर जीवाश्म ईंधन के एक रोमांचक प्रौद्योगिकी प्रस्ताव की पेशकश की संभावना है।

शोध एवं विकास परियोजनाएं

वर्तमान में संस्थान के संकाय सदस्य 47 प्रायोजित शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। उनका विवरण इस प्रकार है :

क्र.सं.	परियोजना शीर्षक
जीव विज्ञान विभाग	
(1)	**Identification, assessment and characterization of E3 ubiquitin ligases implicated in the neurodegenerative diseases** जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार पीआई : अमित मिश्रा 74.5 लाख रूपए
(2)	**Understanding the molecular function of MGRN1 in Chaperone Mediated Autophagy** जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार पीआई : अमित मिश्रा 41.19 लाख रूपए
(3)	**How AMFR gene regulates cell division and cancer after stress exposure?** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : अमित मिश्रा 23.9 लाख रूपए
(4)	**Self-assembly of collagen peptides as foundational knowledge for cardiovascular disease** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : करुणाकर कार 18.43 लाख रूपए
(5)	**Bioremediation of low level wastes including denitrification using microbial fuel cells** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : मीनू छाबड़ा; सह–पीआई: अतुल कुमार 23.73 लाख रूपए
(6)	**Development of low cost Microbial Carbon capture (MCC) cells for algae cultivation and powers generation** जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार पीआई : मीनू छाबड़ा 172 लाख रूपए
(7)	**Deposition of particulate matter in lungs** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : सुष्मिता झा 24.79 लाख रूपए
(8)	**Role of the inflammasome associated proteins in glioma** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : सुष्मिता झा 22.30 लाख रूपए
Department of Chemistry	
(9)	**Dual scale simulations of surfactant, co-surfactant water system** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : अनन्या देबनाथ 21.7 लाख रूपए
(10)	**Chemical Dynamics Simulations of Complex Organic Reactions** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : मणिकंडन परंज्योति 18.7 लाख रूपए

(11) **Generation, Storage and Distribution of Solar Hydrogen**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : राकेश कुमार शर्मा
39.63 लाख रूपए

(12) **Asymmetric Hydrogenation on Carbon Nanotube Surface**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : राकेश कुमार शर्मा
25.25 लाख रूपए

(13) **Molecular Sensors: Synthesis and Anion Recognition Studies**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई : राकेश कुमार शर्मा
27 लाख रूपए

(14) **Catalytic Upgrading of Bio-Oil to Transport Fuel**
जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार
पीआई : राकेश कुमार शर्मा
94.79 लाख रूपए

Department of Computer Science & Engineering

(15) **Energy Efficient Technologies for Smart Buildings**
भारत–अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : वेंकट रमण बादरला
1.3 करोड़ रूपए

Department of Electrical Engineering

(16) **Enabling Technologies for Intelligent Wireless Sensor Network for Health and Environment Monitoring**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : अनिल कुमार तिवारी
75 लाख रूपए

(17) **Visveswaraya Ph.D. Scholarship scheme for Electronics & IT**
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाइ), भारत सरकार
पीआई : अनिल कुमार तिवारी
16.25 लाख रूपए

(18) **Computationally efficient fixed complexity sphere decodes for multiuser MIMO communications**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
पीआई : अरुण कुमार सिंह
22.82 लाख रूपए

(19) **Development of Programmable Emulator for Photovoltaic Plant to Facilitate Complex Testing Requirements**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई : दीपक कुमार एम. फुलवानी
9.48 लाख रूपए

(20) **Development of Metal Doped TiO_2 Low Dimension Structures by Sputtering for Gas Sensing Applications**
परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार
पीआई : महेश कुमार
17.46 लाख रूपए

(21) **Ion-Beam Synthesis and Characterization of Gallium Nitride Based Nanocrystals embedded in Si based Matrices for New-Generation Photodetector and Light-Emitter Applications**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : महेश कुमार
55.72 लाख रूपए

(22) **Development of mems based gas sensors using RF sputtered transition metal doped ZnO Nanostructures**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : महेश कुमार
24.17 लाख रूपए

(23) **Development of Tunable RF Filter Based on Ferroelectric Thin Film by Sputtering**
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी
पीआई : महेश कुमार
5 लाख रूपए

(24) **Reproductive Child Health**
यूनिसेफ, जयपुर शाखा
पीआई : संदीप कुमार यादव
38.52 लाख रूपए

(25) **Algorithms for Blind Signal Detection and Demodulation**
रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार
पीआई : संदीप कुमार यादव
55.24 लाख रूपए

(26) **Developing Dielectric Semiconductor Combinations and Processes for Flexible Organic Electronics**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई : श्रीप्रकाश तिवारी
12.84 लाख रूपए

(27) **Design of a sensor signal conditioning system(I) & multiprocessor Scheduling Algorithms using control theoretic Approach(II)**
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाइ), भारत सरकार
पीआई : श्रीप्रकाश तिवारी
99.72 लाख रूपए

(28) **Encapsulation of Organic devices by atomic layer deposition(DRDO CAR Proposal)**
रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार
पीआई : श्रीप्रकाश तिवारी
9.96 लाख रूपए

Department of Humanities & Social Sciences

(29) **Wisdom as cognitive and motivational-emotional heuristics in ecologically rational decision making**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : अंकिता शर्मा
22.3 लाख रूपए

(30) **Where the Bougainvillea Blooms: Stories of Place from a Resilient Landscape**
एमआरएआर शैक्षिक फाउंडेशन
पीआई : विद्या सर्वेश्वरन
0.5 लाख रूपए

Department of Mathematics

(31) **Multimedia security based on biometrics for copyright protection and authentication**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार
पीआई : गौरव भटनागर, 22 लाख रूपए

Department of Mechanical Engineering

(32) **Bifurcation and Stability Assessment of a Highly Lightweight Rotor-Bearing System with Moving Platform**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई : बरुण प्रतिहर
21.8 लाख रूपए

(33) **Establishment of the Centre of Excellence in Solar Thermal Research and Education**
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार
पीआई : लालटू चंद्रा
40 करोड़ रूपए

(34) **IOC-BHEL-IITJ CSP Plant**
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
पीआई : लालटू चंद्रा
60 लाख रूपए

(35) **Thermal Design of PCM Cool and Warm Vest**
रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार
पीआई : प्रोद्युत रंजन चक्रवर्ती
9.96 लाख रूपए

(36) **Hybrid reactionless manipulation and visual serving of a satellite mounted robot for autonomous on orbit services**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : सुरील विजयकुमार शाह
35 लाख रूपए

(37) **Singularity free reactionless manipulation of a satellite mounted dual-arm robot for capture of tumbling orbiting object**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : सुरील विजयकुमार शाह
24.77 लाख रूपए

Department of Physics

(38) **Development of III-Nitrides thin film(s) for high frequency saw device applications**
अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार
पीआई : अम्बेश दीक्षित
22.62 लाख रूपए

(39) **Development of Ferroelectric and their composite with hexaferrites for microwave absorption applications**
रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार
पीआई : अम्बेश दीक्षित
9.55 लाख रूपए

(40) **Investigation of Magnetoelectric coupling in Cu1-xTMxO Multiferroic System**
परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार
पीआई : अम्बेश दीक्षित
23.42 लाख रूपए

(41) **Development of plasmonic metal hybrid electrode system for II-VI quantum dot sensitized solar cells (QDSSCs) realization of carrier multiplication for better efficiency**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : अम्बेश दीक्षित
32.87 लाख रूपए

(42) **Development of high thermal conductivity PCM composites for thermal management**
रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार
पीआई : अम्बेश दीक्षित, 9.8 लाख रूपए

(43) **Design and development of high capacity and low cost Li2TMSio4(TM=transition metals) silicate materials for future rechargeable lithium ion battery**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : अम्बेश दीक्षित
23.88 लाख रूपए

(44) **Probing Magnetic Structures and Spin Flop transition in bulk and nanostructured FeVo4 Multiferroic System**
यूजीसी–डीएई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : अम्बेश दीक्षित

(45) **Hunting of New Physics Through b-> S Transitions**
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत सरकार
पीआई : आशुतोष के. आलोक
सह–पीआई: सुभाशीष बनर्जी
11.92 लाख रूपए

(46) **Synchrony Based Evolution of Various Biological and Artificial Systems to Understand Complex Computational Aspects**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई : सत्यजीत साहू
35 लाख रूपए

(47) **Graph Theoretical Aspects in Quantum Information Processing**
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत सरकार
पीआई : सुभाशीष बनर्जी
9.92 लाख रूपए

पेटेंट और प्रकाशन

वित्तीय वर्ष 2015–16 में, हमारे संकाय सदस्यों ने 2 पेटेंट दायर किये, 75 शोध पत्र और लेख विद्वत पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किये हैं; उनके 20 कार्य सम्मेलन प्रस्तुतियों और सम्मेलन की कार्यवाही में शामिल किये गए हैं; तथा 10 प्रीप्रिंट और 4 पुस्तक–अध्यायों का योगदान दिया है।

विभाग	दायर किये गए पेटेंट	शोध पत्र	सम्मेलन लेख	प्रीप्रिंट	पुस्तक–अध्याय	कुल
जीव विज्ञान		10				**10**
रसायन शास्त्र	2	13	3			**18**
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी		3	1			**4**
इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी		18	9			**27**
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान		4	1			**5**
गणित		3	2	3	2	**10**
यांत्रिक अभियांत्रिकी		9	2		2	**13**
भौतिकी		15	2	7		**24**
कुल	**2**	**75**	**20**	**10**	**4**	**112**

विद्वत प्रकाशनों का श्रेणी वार रेखाचित्र

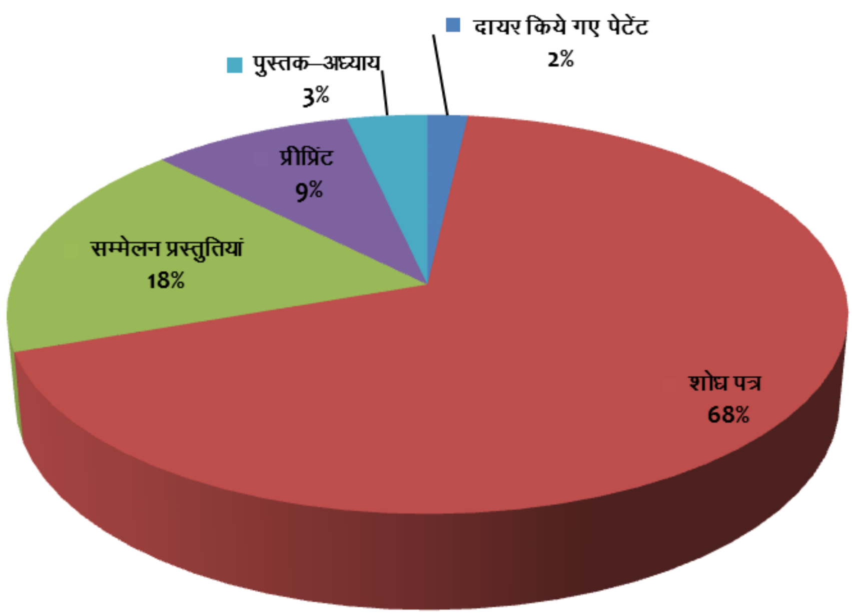

इन पेटेंट और प्रकाशनों की विभागवार सूची निम्नानुसार है :

जीव विज्ञान विभाग

शोध पत्र

1. **Chhabra, M.,** Mishra, S., & Sreekrishnan, T. R. (2015). *Immobilized laccase mediated dye decolorization and transformation pathway of azo dye acid red 27.* Journal of Environmental Health Science and Engineering, 13(1), 1–9.

2. Chhangani, D., Endo, F., Amanullah, A., Upadhyay, A., Watanabe, S., Mishra, R., & **Mishra, A.** (2016). *Mahogunin ring finger 1 confers cytoprotection against mutant SOD1 aggresomes and is defective in an ALS mouse model.* Neurobiology of Disease, 86, 16–28. http://doi.org/10.1016/j.nbd.2015.11.017

3. Dubey, K., Anand, B. G., Badhwar, R., Bagler, G., Navya, P. N., Daima, H. K., & Kar, K. (2015). *Tyrosine- and tryptophan-coated gold nanoparticles inhibit amyloid aggregation of insulin.* Amino Acids, 1–10. http://doi.org/10.1007/s00726-015-2046-6

4. Hoop, C. L., Lin, H.-K., **Kar, K.,** Magyarfalvi, G., Lamley, J. M., Boatz, J. C., & Wel, P. C. A. van der. (2016). *Huntingtin exon 1 fibrils feature an interdigitated β-hairpin–based polyglutamine core.* Proceedings of the National Academy of Sciences, 201521933. ISSN: 1091-6490. http://doi.org/10.1073/pnas.1521933113

5. Kumar, D., **Pal, S., Chhabbra, M.**, & Harinipriya, S. (2015). *Separation of Enantiomers of Alanine from Racemic Mixture by Polycrystalline Metal Surfaces - A Spectroelectrochemical Approach. ECS Transactions*, *66*(32), 33–43. http://doi.org/10.1149/06632.0033ecst

6. Sharma, N., & **Jha, S.** (2015). *NLR-regulated pathways in cancer: opportunities and obstacles for therapeutic interventions.* Cellular and Molecular Life Sciences, 1–24. ISSN: 1420-9071. http://doi.org/10.1007/s00018-015-2123-8

7. Upadhyay, A., Amanullah, A., Chhangani, D., Joshi, V., Mishra, R., & **Mishra, A.** (2015). *Ibuprofen Induces Mitochondrial-Mediated Apoptosis Through Proteasomal Dysfunction.* Molecular Neurobiology, 1–14. ISSN 1559-1182. http://doi.org/10.1007/s12035-015-9603-6

8. Upadhyay, A., Amanullah, A., Chhangani, D., Mishra, R., & **Mishra, A.** (2015). *Selective multifaceted E3 ubiquitin ligases barricade extreme defense: Potential therapeutic targets for neurodegeneration and ageing.* Ageing Research Reviews, 24, Part B, 138–159. ISSN: 1568-1637. http://doi.org/10.1016/j.arr.2015.07.009

9. Upadhyay, A., Amanullah, A., Chhangani, D., Mishra, R., Prasad, A., & **Mishra, A.** (2015). *Mahogunin Ring Finger-1 (MGRN1), a Multifaceted Ubiquitin Ligase: Recent Unraveling of Neurobiological Mechanisms. Molecular Neurobiology*, 1–13. http://doi.org/10.1007/s12035-015-9379-8

10. Vijay, A., Vaishnava, M., & **Chhabra, M.** (2016). *Microbial fuel cell assisted nitrate nitrogen removal using cow manure and soil.* Environmental Science and Pollution Research, 1–13. eISSN: 1614-7499. http://doi.org/10.1007/s11356-015-5934-0

रसायन शास्त्र विभाग

दायर किये गये पेटेंट

1. *Title*

"Real-time Calibration free water quality sensor (Device and System)"

Inventors

Rakesh K. Sharma (IIT Jodhpur) & Hareesh, P. V. (Panasonic Corporation, Japan)

Patent Reference Number (Provisional)

1468/CHE/2015

Date

23 March 2015

2. *Title*

"Metal Nanoparticles Intercalated Clay for Solvent Free Hydrogenation of Squalene into Squalane"

Inventors

Rakesh K. Sharma & Vineet K. Soni

Patent Application Number

201611009866

Date

21 March 2016

शोध पत्र

3. Adhikari, S., & **Kumar, A.** (2016). *Upper bound on singlet fraction of two-qubit mixed entangled states.* Quantum Information Processing, 1–7. eISSN: 1573-1332.

   http://doi.org/10.1007/s11128-016-1295-y

4. Bondarenko, G. N., Ganina, O. G., **Sharma, R. K.**, & Beletskaya, I. P. (2015). *Catalytic activity of Pd catalysts on different supports in hydrogenation of 1-phenylethenylphosphonic acid. Russian Chemical Bulletin*, *63*(8), 1856–1859.

   http://doi.org/10.1007/s11172-014-0676-6

5. Choudhary, G., **Sharma, R. K.**, & **Plappally, A. K.** (2015). *Local material composite sintered systems for fluoride removal.* Desalination and Water Treatment, 55(10), 2626–2637. http://doi.org/10.1080/19443994.2014.957936

6. **Debnath, A.**, & Schäfer, L. V. (2015). *Structure and Dynamics of Phospholipid Nanodiscs from All-Atom and Coarse-Grained Simulations.* The Journal of Physical Chemistry B. 119(13), 6991-7002. ISSN: 1520-6106.

   http://doi.org/10.1021/acs.jpcb.5b02101

7. **Debnath, A.,** Wiegand, S., Paulsen, H., Kremer, K., & Peter, C. (2015). *Derivation of coarse-grained simulation models of chlorophyll molecules in lipid bilayers for applications in light harvesting systems.* Physical Chemistry Chemical Physics.

   http://doi.org/10.1039/C5CP01140J

8. Goudar, R., **Gupta, R.,** Kulkarni, G. U., & Inamdar, S. R. (2015). *Rotational Diffusion of a New Large Non Polar Dye Molecule in Alkanes. Journal of Fluorescence*, 1–9.

   http://doi.org/10.1007/s10895-015-1654-6

9. **Gupta, R.**, Siddhanta, S., Mettela, G., Chakraborty, S., Narayana, C., & Kulkarni, G. U. (2015). *Solution processed nanomanufacturing of SERS substrates with random Ag nanoholes exhibiting uniformly high enhancement factors.* RSC Advances, 5(103), 85019–85027. http://doi.org/10.1039/C5RA17119A

10. Kiruthika, S., Gupta, R., Anand, A., Kumar, A., & Kulkarni, G. U. (2015). *Fabrication of Oxidation Resistant Metal Wire Network Based Transparent Electrodes by a Spray-Roll Coating Process.* ACS Applied Materials & Interfaces, 7(49), 27215-27222. eISSN: 1944-8252. http://doi.org/10.1021/acsami.5b08171

11. Sharma, P., & **Sharma, R. K.** (2015). *Platinum functionalized multiwall carbon nanotube composites as recyclable catalyst for highly efficient asymmetric hydrogenation of methyl pyruvate.* RSC Advances, 5(124), 102481–102487. http://doi.org/10.1039/C5RA21790C

12. Sharma, P., Choudhary, G., Satankar, R., **Plappally, A. K.,** & **Sharma, R. K.** (2015). *Development of Low Cost Polycalixarene-Clay Based Water Guards. Indian Water Week, 3*(91).

13. Shejale, K. P., Laishram, D., & **Sharma, R. K.** (2016). *High-performance dye-sensitized solar cell using dimensionally controlled titania synthesized at sub-zero temperatures.* RSC Advances, 6(28), 23459–23466. ISSN: 2046-2069.

    http://doi.org/10.1039/C6RA00227G

14. Shejale, K. P., Laishram, D., Roy, M. S., **Kumar, M.,** & **Sharma, R. K.** (2016). *On the study of phase and dimensionally controlled titania nanostructures synthesis at sub-zero temperatures.* Materials & Design, 92, 535–540. ISSN 0264-1275.

    http://doi.org/10.1016/j.matdes.2015.12.047

15. Timsina, Y. N., **Sharma, R. K.**, & RajanBabu, T. V. (2015). *Cobalt-catalysed Asymmetric Hydrovinylation of 1, 3-Dienes.* Chem. Sci., 6(7), 3994–4008.

    http://doi.org/10.1039/C5SC00929D

सम्मेलन लेख

1. Chaudhary, G., Sharma, P. R., Soni, V. K., Pandey, S. & **Sharma, R.K.** (2015). *New Ceramic Nanocomposite Filters for Fluoride Removal using Acacia Waste.* In 2nd National Conference On Emerging Trends Of Research in Applied Sciences, Experimental & Computational Techniques: Vol. 4 (12). Jodhpur Institute of Engineering and Technology, Jodhpur (pp. 11-16). ISSN: 2278-0181.

2. Sharma, P. & **Sharma R.K.** (2016). *Asymmetric Hydrogenation of Ethyl 2-Oxo-2-Phenylacetate with Chiral Platinum Loaded on Carbon Fiber.* In 2nd National Conference On Emerging Trends Of Research in Applied Sciences, Experimental & Computational Techniques: Vol. 4 (12). Jodhpur Institute of Engineering and Technology, Jodhpur (pp. 6-10). ISSN: 2278-0181.

3. Sharma, P.R., Soni V.K., Chaudhary G., **Plappally A.K.**, Pandey S., & **Sharma R.K.** (2016). *Calix[4] amid crown Molecular Sensors for Fluoride and Arsenate Detection*. In 2nd National Conference On Emerging Trends Of Research in Applied Sciences, Experimental & Computational Techniques: Vol. 4 (12). Jodhpur Institute of Engineering and Technology, Jodhpur (pp. 1-5). ISSN: 2278-0181.

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

शोध पत्र

1. Ansari, Z. A., & **Harit, G.** (2016). *Nearest neighbour classification of Indian sign language gestures using kinect camera.* Sadhana, 1–22. ISSN: 0973-7677. http://doi.org/10.1007/s12046-015-0405-3

2. Rathore, H., **Badarla, V. R.,** & **George, K. J.** (2015). *Sociopsychological trust model for Wireless Sensor Networks.* Journal of Network and Computer Applications. ISSN: 1084-8045. http://doi.org/10.1016/j.jnca.2015.09.009

3. Bajaj, M., Nayak, K., **Gundapaneni, S.,** & Rao, V. R. (2016). *Effect of Metal Gate Granularity Induced Random Fluctuations on Si Gate-All-Around Nanowire MOSFET 6-T SRAM Cell Stability.* IEEE Transactions on Nanotechnology, PP (99), 1–1. ISSN: 1536-125X. http://doi.org/10.1109/TNANO.2016.2515638

सम्मेलन लेख

1. Sharma, K., & **Badarla, V. R.** (2015). *Topology aware flow scheduling for data center network.* In 2015 IEEE International Conference on Advanced Networks and Telecommunications Systems (ANTS) (pp. 1–6). ISBN: 978-1-5090-0293-1.

   http://doi.org/10.1109/ANTS.2015.7413632

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

शोध पत्र

1. Barala, S. S., Singh, J., Ranwa, S., & **Kumar, M.** (2015). *Radiation Induced Response of $Ba_{0.5}Sr_{0.5}TiO_3$ Based Tunable Capacitors Under Gamma Irradiation.* IEEE Transactions on Nuclear Science, PP(99), 1–1. doi:10.1109/TNS.2015.2449991
2. Bharti, D., & **Tiwari, S. P.** (2016). *Crystallinity and performance improvement in solution processed organic field-effect transistors due to structural dissimilarity of the additive solvent.* Synthetic Metals, 215, 1–6. ISSN: 0379-6779. http://doi.org/10.1016/j.synthmet.2016.01.013
3. Bisoyi, S., Rödel, R., Zschieschang, U., Kang, M. J., Takimiya, K., Klauk, H., & **Tiwari, S. P.** (2016). *A comprehensive study of charge trapping in organic field-effect devices with promising semiconductors and different contact metals by displacement current measurements.* Semiconductor Science and Technology, 31(2), 025011. ISSN: 0268-1242. http://doi.org/10.1088/0268-1242/31/2/025011
4. Chopra, P., & **Yadav, S. K.** (2016). *Fault detection and classification by unsupervised feature extraction and dimensionality reduction.* Complex & Intelligent Systems, 1–9. ISSN: 2198-6053. http://doi.org/10.1007/s40747-015-0004-2
5. Jain, A., & **Yadav, S. K.** (2016). *Design and Analysis of Compact 108 Element Multimode Antenna Array for Massive Mimo Base Station.* Progress in Electromagnetics Research C, 61, 179–184. ISSN: 1937-8718. http://doi.org/10.2528/PIERC15110502
6. Jain, P. K., **Tiwari, A. K.,** & Chourasia, V. S. (2016). *Performance analysis of seismocardiography for heart sound signal recording in noisy scenarios.* Journal of Medical Engineering & Technology, 0(0), 1–13. ISSN: 0309-1902. http://doi.org/10.3109/03091902.2016.1139203
7. Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2015). *A review of distribution static compensator.* Renewable and Sustainable Energy Reviews, 50, 531–546. http://doi.org/10.1016/j.rser.2015.05.018
8. Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2016). *Comprehensive overview of grid interfaced wind energy generation systems.* Renewable and Sustainable Energy Reviews, 57, 260–281. ISSN: 1364-0321. http://doi.org/10.1016/j.rser.2015.12.048
9. Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2016). *Topological aspects of power quality improvement techniques: A comprehensive overview.* Renewable and Sustainable Energy Reviews, 58, 1129–1142. ISSN: 1364-0321. http://doi.org/10.1016/j.rser.2015.12.251
10. Raghuwanshi, V., Bharti, D., & **Tiwari, S. P.** (2016). *Flexible organic field-effect transistors with TIPS-Pentacene crystals exhibiting high electrical stability upon bending.* Organic Electronics, 31, 177–182. ISSN: 1566-1199. http://doi.org/10.1016/j.orgel.2016.01.030

11. Ranwa, S., Kumar, M., Singh, J., Fanetti, M., & **Kumar, M.** (2015). *Schottky-contacted vertically self-aligned ZnO nanorods for hydrogen gas nanosensor applications.* Journal of Applied Physics, 118(3), 034509. http://doi.org/10.1063/1.4926953

12. Roul, B., **Kumar, M.,** Rajpalke, M. K., Bhat, T. N., & Krupanidhi, S. B. (2015). *Binary group III-nitride based heterostructures: band offsets and transport properties. Journal of Physics D: Applied Physics*, *48*(42), 423001. http://doi.org/10.1088/0022-3727/48/42/423001

13. Singh, M., Mahia, R. N., & **Fulwani, D. M.** (2016). *Towards characterization of driver nodes in complex network with actuator saturation.* Neurocomputing. ISSN: 0925-2312. http://doi.org/10.1016/j.neucom.2016.03.011

14. Singh, J., Ranwa, S., Akhtar, J., & **Kumar, M.** (2015). *Growth of residual stress-free ZnO films on SiO2/Si substrate at room temperature for MEMS devices.* AIP Advances, 5(6), 067140. http://doi.org/10.1063/1.4922911

15. Singh, S., **Fulwani, D. M.,** & Kumar, V. (2015). *Robust sliding-mode control of dc/dc boost converter feeding a constant power load.* IET Power Electronics, 8(7), 1230–1237. ISSN: 1755-4535. http://doi.org/10.1049/iet-pel.2014.0534

16. Singh, S., Rathore, N., & **Fulwani, D. M.** (2016). *Mitigation of Negative Impedance Instabilities in a DC/DC Buck-Boost Converter with Composite Load.* Journal of Power Electronics. ISSN: 2093 – 4718.

    http://www.jpe.or.kr/archives/view_published.asp?beseq=237

17. Tripathi, S., Mohan, A., & **Yadav, S. K.** (2016). *A compact fractal UWB antenna with reconfigurable band notch functions.* Microwave and Optical Technology Letters, 58(3), 509–514. ISSN: 1098-2760. http://doi.org/10.1002/mop.29609

18. Tripathi, S., Mohan, A., & **Yadav, S. K.** (2015). *A compact octagonal fractal UWB MIMO antenna with WLAN band-rejection.* Microwave and Optical Technology Letters, 57(8), 1919–1925. http://doi.org/10.1002/mop.29220

सम्मेलन लेख

1. Agarwal, A., Deekshitha, K., Singh, S., & **Fulwani, D. M.** (2015). *Sliding mode control of a bidirectional DC/DC converter with constant power load.* In 2015 IEEE First International Conference on DC Microgrids (ICDCM) (pp. 287–292). doi:10.1109/ICDCM.2015.7152056

2. Gautam, A. R., Singh, S., & **Fulwani, D. M.** (2015). *DC bus voltage regulation in the presence of constant power load using sliding mode controlled dc-dc Bi-directional converter interfaced storage unit.* In 2015 IEEE First International Conference on DC Microgrids (ICDCM) (pp. 257–262). doi:10.1109/ICDCM.2015.7152050

3. Jakhetiya, V., Lin, W., Jaiswal, S. P., **Tiwari, A. K.,** & Guntuku, S. C. (2015). *Observation model based perceptually motivated bilateral filter for image reconstruction.* In *2015 IEEE International Conference on Digital Signal Processing (DSP)* (pp. 201–205). http://doi.org/10.1109/ICDSP.2015.7251859

4. Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2015). *Detection of power quality events associated with grid integration of 100kW solar PV plant.* In *2015 International Conference on Energy Economics and Environment (ICEEE)* (pp. 1–6). ISBN: 9781467374927. http://doi.org/10.1109/EnergyEconomics.2015.7235070

5. Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2015). *Power Quality Detection in Distribution System with Wind Energy Penetration Using Discrete Wavelet Transform.* In 2015 Second International Conference on Advances in Computing and Communication Engineering (ICACCE) (pp. 328–333). ISBN: 9781479917341. http://doi.org/10.1109/ICACCE.2015.52

6. Mahia, R. N., Singh, M., & **Fulwani, D. M.** (2015). *Algorithms to select right driver nodes for multi-agent systems.* In Control Conference (ASCC), 2015 10th Asian (pp. 1–6). Kota Kinabalu: IEEE. ISBN: 978-1-4799-7862-5. http://doi.org/10.1109/ASCC.2015.7244880

7. Mahia, R. N., Singh, M., & **Fulwani, D. M.** (2015). *Characterization of driver nodes: Network of discrete-time agents.* In Control Conference (ECC), 2015 European (pp. 622–627). http://doi.org/10.1109/ECC.2015.7330611

8. Maheshwari, S., & **Tiwari, A. K.** (2015). *Walking parameters estimation through channel state information preliminary results.* In 2015 9th International Conference on Signal Processing and Communication Systems (ICSPCS) (pp. 1–8). Cairns, Australia: IEEE. ISBN: 978-1-4673-8118-5. http://doi.org/10.1109/ICSPCS.2015.7391801

9. Rathore, N., Bhartiya, P., & **Fulwani, D. M.** (2015). *Development of a Programmable Emulator for a Photovoltaic Source* (SAE Technical Paper No. 2015-28-0081). Warrendale, PA: SAE International. Retrieved from http://papers.sae.org/2015-28-0081/

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

शोध पत्र

1. Mamudu, H. M., Veeranki, S. P., **John, R. M.,** Kioko, D. M., & Ogwell Ouma, A. E. (2015). *Secondhand Smoke Exposure Among Nonsmoking Adolescents in West Africa.* American Journal of Public Health, e1–e8.

   http://doi.org/10.2105/AJPH.2015.302661

2. **Narayanan, V. H.** (2016). *Revisiting the self: a sine qua non for understanding embodiment.* AI & SOCIETY, 31(1), 79–84. ISSN: 1435-5655.

   http://doi.org/10.1007/s00146-014-0574-3

3. **Sarveswaran, V.** (2015). *An Elephant in the Desert. Trumpeter, 31*(1), 76–80. http://trumpeter.athabascau.ca/index.php/trumpet/article/view/1401

4. Veeranki, S. P., Mamudu, H. M., **John, R. M.,** & Ouma, A. E. O. (2015). *Prevalence and correlates of tobacco use among school-going adolescents in Madagascar.* Journal of Epidemiology and Global Health. 5(3).Pp 239-247. eISSN: 2210-6014. http://doi.org/10.1016/j.jegh.2014.12.005

सम्मेलन लेख

1. Owusu, D. & **John, R. M.** (2015). *Regional differences and determinants of secondhand smoke exposure among never-smoking youth.* Presented at the 143rd APHA Annual Meeting and Exposition (October 31 - November 4, 2015), APHA. Retrieved from https://apha.confex.com/apha/143am/webprogram/Paper329755.html

गणित विभाग

शोध पत्र

1. **Bhatnagar, G.,** & Liu, Z. (2015). *A novel image fusion framework for night-vision navigation and surveillance.* Signal, Image and Video Processing, 9(1), 165–175. http://doi.org/10.1007/s11760-014-0740-6

2. Dani, S. G., Shah, R., & **Sharma, P**. (2015). *Affine almost automorphic actions on compact nilmanifolds.* Ergodic Theory and Dynamical Systems, 35(06), 1783–1794. ISSN: 1469-4417. http://doi.org/10.1017/etds.2014.19

3. **Sharma, P.** (2015). *Uniform Convergence and Dynamical Behavior of a Discrete Dynamical System.* Journal of Applied Mathematics and Physics, 3(7), 766–770.

http://doi.org/10.4236/jamp.2015.37093

सम्मेलन लेख

1. Bhati, A., **Hiremath, K. R.,** & Dixit, V. (2015). *Design and fabrication of wire based bandwidth enhanced metamaterial absorber.* In *2015 International Conference on Microwave and Photonics (ICMAP)* (pp. 1–2). ISBN: 978-1-4673-6897-1. http://doi.org/10.1109/ICMAP.2015.7408766

2. Bhati, A., **Hiremath, K. R.**, & Dixit, V. (2015). *Design of wire based single/dual/triple band polarization insensitive metamaterial absorber.* In 2015 International Conference on Microwave and Photonics (ICMAP) (pp. 1–2). ISBN: 978-1-4673-6897-1.

   http://doi.org/10.1109/ICMAP.2015.7408767

प्रीप्रिंट

1. **Sharma, P.** (2015). *Induced Dynamics on the Hyperspaces.* arXiv:1512.06940 [math.DS]. Retrieved from http://arxiv.org/abs/1512.06940

2. **Sharma, P.**, & Kumar, D. (2016). *Matrix Characterization of Multidimensional Subshifts of Finite Type.* arXiv:1603.00754 [math.DS]. Retrieved from https://arxiv.org/abs/1603.00754

3. **Sharma, P.,** & Raghav, M. (2015). *Dynamics of Nonautonomous Discrete Dynamical Systems.* arXiv:1512.08868 [math.DS]. Retrieved from http://arxiv.org/abs/1512.08868

पुस्तक अध्याय

1. **Bhatnagar, G.** (2015). *Multimodal medical image fusion based on SUSAN feature in framelet domain.* In C. T. Davis (Ed.), Image Fusion: Principles, Technology and Applications (pp. 121–152). NewYork: Nova Science Publishers. ISBN: 978-1-63482-115-5.

2. Saha, A., **Bhatnagar, G.**, & Wu, Q. M. J. (2015). *Saliency based Framework for Thermal and Visual Image Fusion* (pp. 17-44). In C. T. Davis (Ed.), Image Fusion: Principles, Technology and Applications (pp. 17–44). NewYork: Nova Science Publishers. ISBN: 978-1-63482-115-5.

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

शोध पत्र

1. **Desai, K. A.**, & Rao, P. V. M. (2015). *Machining of curved geometries with constant engagement tool paths.* Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part B: Journal of Engineering Manufacture. http://doi.org/10.1177/0954405415616787

2. Patidar, D., Tiwari, S., Sharma, P., Pardeshi, R., **Chandra, L.**, & Shekhar, R. (2015). *Solar Convective Furnace for Metals Processing.* JOM, 1–9. http://doi.org/10.1007/s11837-015-1633-z

3. Patidar, D., Tiwari, S., Sharma, P. K., **Chandra, L.,** & Shekhar, R. (2015). *Open Volumetric Air Receiver Based Solar Convective Aluminum Heat Treatment Furnace System.* Energy Procedia, 69, 506–517. http://doi.org/10.1016/j.egypro.2015.03.059

4. Singla, Y. K., **Chhibber, R**., Avdesh, Goyal, S., & Sharma, V. (2016). *Influence of single and dual particle reinforcements on the corrosion behavior of aluminum alloy based composites.* Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part L: Journal of Materials Design and Applications. ISSN: 1464-4207. http://doi.org/10.1177/1464420716638111

5. Singla, Y. K., **Chhibber, R.,** Bansal, H., & Kalra, A. (2015). *Wear Behavior of Aluminum Alloy 6061-Based Composites Reinforced with SiC, Al2O3, and Red Mud: A Comparative Study. JOM*, *67*(9), 2160–2169. http://doi.org/10.1007/s11837-015-1365-0

6. Singla, Y. K., **Chhibber, R.**, & Dutta, B. K. (2016). *Influence of Friction Welding Parameters on the Tensile Strength of Bimetallic Weld Joints.* MMU Journal of Management & Technology, 1(1), 41–49. ISSN: 2455-4456.

   http://journal.mmambala.org/wp-content/uploads/2016/02/Vol-1-Issue-1-PP-41-49.pdf

7. Singh, G., Saini, D., & **Chandra, L.** (2015). *On the evaluation of a cyclone separator for cleaning of open volumetric air receiver.* Applied Thermal Engineering.

   http://doi.org/10.1016/j.applthermaleng.2015.10.087

8. Singh, G., Saini, D., Yadav, N., Sarma, R., **Chandra, L.**, & Shekhar, R. (2015). *Dust Deposition Mechanism and Cleaning Strategy for Open Volumetric Air Receiver Based Solar Tower Sub-systems.* Energy Procedia, 69, 2081–2089. http://doi.org/10.1016/j.egypro.2015.03.222

9. Sharma, B., **Chhibber, R.**, & Mehta, R. (2016). *Effect of surface treatment of nanoclay on the mechanical properties of epoxy/glass fiber/clay nanocomposites.* Composite Interfaces, 0(0), 1–18. ISSN: 0927-6440. http://doi.org/10.1080/09276440.2016.1165522

सम्मेलन लेख

1. Choudhary, B., & **Pratiher, B.** (2015). *Numerical Studies of a Nonlinear Flexible Rotating System Under Harmonic Ground Motion.* In P. Pennacchi (Ed.), Proceedings of the 9th IFToMM International Conference on Rotor Dynamics (pp. 1677–1687). Springer International Publishing. http://link.springer.com/chapter/10.1007/978-3-319-06590-8_138

2. Kumar, R., Dixit, A., **Chandra, L.**, Vyas, S., & Kumar, R. (2016). *An experimental set-up for measuring thermodynamic response of low temperature phase change materials.* In 2016 IEEE First International Conference on Control, Measurement and Instrumentation (CMI) (pp. 107–109). ISBN: 9781479917693. http://doi.org/10.1109/CMI.2016.7413720

पुस्तक अध्याय

1. Patidar, D., Pardeshi, R., **Chandra, L.,** & Shekhar, R. (2016). *Solar Convective Furnace for Heat Treatment of Aluminium.* In A. K. Saha, D. Das, R. Srivastava, P. K. Panigrahi, & K. Muralidhar (Eds.), Fluid Mechanics and Fluid Power – Contemporary Research: Proceedings of the 5th International and 41st National Conference on FMFP *2014*. New Delhi: Springer India Pvt. Ltd. ISBN: 9788132227410.

2. Singh, G., Saini, D., **Chandra, L.,** & Shekhar, R. (2016). *Design of a Cyclone Separator for Collection of Dust from Volumetric Air Receiver.* In A. K. Saha, D. Das, R. Srivastava, P. K. Panigrahi, & K. Muralidhar (Eds.), Fluid Mechanics and Fluid Power – Contemporary Research: Proceedings of the 5th International and 41st National Conference on FMFP 2014. New Delhi: Springer India Pvt. Ltd. ISBN: 9788132227410.

भौतिकी विभाग

शोध पत्र

1. **Alok, A. K., Banerjee, S.,** & Uma Sankar, S. (2015). *Re-examining sin 2β and Δm_d from evolution of View the MathML B^0_d mesons with decoherence.* Physics Letters B. 749, 94-97.

   http://doi.org/10.1016/j.physletb.2015.07.061

2. **Alok, A. K., Banerjee, S**., Kumar, D., & Uma Sankar, S. (2016). *Flavor signatures of isosinglet vector-like down quark model.* Nuclear Physics B, 906, 321–341.

http://doi.org/10.1016/j.nuclphysb.2016.03.012

3. **Alok, A. K., Banerjee, S.,** Kumar, D., Sankar, S. U., & London, D. (2015). *New-physics signals of a model with a vector-singlet up-type quark.* Physical Review D, 92(1), 013002.

http://doi.org/10.1103/PhysRevD.92.013002

4. **Banerjee, S., Alok, A. K.**, Srikanth, R., & Hiesmayr, B. C. (2015). *A quantum-information theoretic analysis of three-flavor neutrino oscillations.* The European Physical Journal C, Particles and Fields, 75(10). http://doi.org/10.1140/epjc/s10052-015-3717-x

5. **Banerjee, S., Alok, A. K.,** & MacKenzie, R. (2016). *Quantum correlations in B and K meson systems.* The European Physical Journal Plus, 131(5), 1–8.

http://doi.org/10.1140/epjp/i2016-16129-0

6. **Dixit, A.**, Ramchandran, B., kuo, Y., & Lawes, G. (2015). *Magnetic Structure and Thermal Conductivity of FeVO4 Multiferroic.* IEEE Transactions on Magnetics, 51(11), Article #: 2504304. http://doi.org/10.1109/TMAG.2015.2447155

7. Dutta, S., Adhikari, B., & **Banerjee, S.** (2016). *A graph theoretical approach to states and unitary operations.* Quantum Information Processing, 1–20. ISSN: 1573-1332.

http://doi.org/10.1007/s11128-016-1250-y

8. Omkar, S., Srikanth, R., & **Banerjee, S.** (2015). *Quantum code for quantum error characterization.* Physical Review A, 91(5), 052309. http://doi.org/10.1103/PhysRevA.91.052309

9. Sharma, V., Shukla, C., **Banerjee, S.**, & Pathak, A. (2015). *Controlled bidirectional remote state preparation in noisy environment: a generalized view. Quantum Information Processing*, 1–24. http://doi.org/10.1007/s11128-015-1038-5

10. **Sinha, M.**, & Sedrakian, A. (2015). *Upper critical field and (non)-superconductivity of magnetars.* Physics of Particles and Nuclei, 46(5), 826–829. http://doi.org/10.1134/S1063779615050275

11. Thapliyal, K., **Banerjee, S.**, & Pathak, A. (2016). *Tomograms for open quantum systems: In (finite) dimensional optical and spin systems.* Annals of Physics, 366, 148–167.ISSN: 0003-4916. http://doi.org/10.1016/j.aop.2016.01.010

12. Thapliyal, K., **Banerjee, S.**, Pathak, A., Omkar, S., & Ravishankar, V. (2015). *Quasiprobability distributions in open quantum systems: Spin-qubit systems.* Annals of Physics, 362, 261–286. http://doi.org/10.1016/j.aop.2015.07.029

13. Tiwari, B., **Dixit, A.**, Naik, R., Lawes, G., & Rao, M. S. R. (2015). *Magnetostructural and magnetocaloric properties of bulk LaCrO3 system.* Materials Research Express, *2*(2), 026103. http://doi.org/10.1088/2053-1591/2/2/026103

14. Tiwari, B., Goyal, R., Jha, R., **Dixit, A.**, & Awana, V. P. S. (2015). *PdTe: a 4.5 K type-II BCS superconductor.* Superconductor Science and Technology, *28*(5), 055008. http://doi.org/10.1088/0953-2048/28/5/055008

15. Tripathi, B., Tripathi, G., **Dixit, A.**, & Vijay, Y. K. (2015). *Luminescence tuning in a ZnS:Mn system by C6+ (80 MeV) ion beam irradiation.* Radiation Effects and Defects in Solids, 0(0), 1–8. http://doi.org/10.1080/10420150.2014.983106

प्रीप्रिंट

1. **Banerjee, S., Alok, A. K.**, & Omkar, S. (2015). *Quantum Fisher and Skew information for Unruh accelerated Dirac qubit.* arXiv:1511.03029 [hep-Th, Physics:quant-Ph]. Retrieved from http://arxiv.org/abs/1511.03029

2. **Banerjee, S., Alok, A. K.,** Omkar, S., & Srikanth, R. (2016). *Characterization of Unruh Channel in the context of Open Quantum Systems.* arXiv:1603.05450 [hep-Th, Physics:quant-Ph]. http://arxiv.org/abs/1603.05450

3. Bhattacharya, S., **Banerjee, S.**, & Pati, A. K. (2016). *Effect of non-Markovianity on the dynamics of coherence, concurrence and Fisher information.* arXiv:1601.04742 [quant-Ph]. http://arxiv.org/abs/1601.04742

4. Dutta, S., Adhikari, B., **Banerjee, S.**, & Srikanth, R. (2016). *Bipartite separability and non-local quantum operations on graphs.* arXiv:1601.07704 [math-Ph, Physics:quant-Ph]. http://arxiv.org/abs/1601.07704

5. Kumari, V., Tripathi, B., & **Dixit, A.** (2015). *beta phase manganese dioxide nanorods Synthesis and characterization for supercapacitor applications.* arXiv:1510.00802 [cond-Mat]. http://arxiv.org/abs/1510.00802

6. Omkar, S., Srikanth, R., **Banerjee, S.**, & Shaji, A. (2015). *The two-qubit amplitude damping channel: characterization using quantum stabilizer codes.* arXiv:1511.03368 [quant-Ph]. http://arxiv.org/abs/1511.03368

7. Omkar, S., **Banerjee, S.,** Srikanth, R., & **Alok, A. K.** (2016, In Press). *The Unruh effect interpreted as a quantum noise channel.* Quantum Information and Computation. http://arxiv.org/abs/1408.1477

सम्मेलन लेख

1. **Alok, A. K., Banerjee, S.**, & Sankar, S. U. (2015). *Effect of decoherence on clean determination of sin 2β and Δm_d.* In Proceedings of Science. Vienna, Austria: SISSA.

   http://pos.sissa.it/archive/conferences/234/578/EPS-HEP2015_578.pdf

2. **Alok, A. K., Banerjee, S.**, Sankar, S. U., Kumar, D., & London, D. (2015). *New-physics signals of a model with an isosinglet vector-like t′ quark.* In Proceedings of Science. Vienna, Austria: SISSA. http://pos.sissa.it/archive/conferences/234/579/EPS-HEP2015_579.pdf

पुरस्कार एवं सम्मान

जीवविज्ञान विभाग

1. अमित कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, भाप्रौसं जोधपुर, को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) परिषद द्वारा भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (INYAS) के संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में चुना गया है। उनका कार्यकाल पांच वर्ष की अवधि के लिए 31 दिसंबर 2019 तक होगा।
2. अमित कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, भाप्रौसं जोधपुर, को वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन फैकल्टी अवार्ड्स (VIFFA) के (सेलुलर और आण्विक तंत्रिका विज्ञान) की श्रेणी में "युवा शोधकर्ता पुरस्कार" के लिए चयनित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार VIFFA 2015 आयोजन में प्रदान किया जायेगा।
3. अमित कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, भाप्रौसं जोधपुर, को बायोटेक रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया (BRSI) द्वारा 2014 युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान CSIR– राष्ट्रीय अंतर्विषयी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम में 22–25 नवंबर 2015 के दौरान आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन न्यू होरिजोंस इन बायोटेक्नोलॉजी के दौरान प्रदान किया गया।
4. अमित मिश्रा के अनुसंधान योगदान के लिये न्यूयॉर्क अकादमी ऑफ साइंस ने अपनी वेबसाइट पर उनकी प्रोफाइल को लांच किया।

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

1. महेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भाप्रौसं जोधपुर, को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) परिषद द्वारा भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान युवा अकादमी (INYAS) के संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में चुना गया है। उनका कार्यकाल पांच वर्ष की अवधि के लिए 31 दिसंबर 2019 तक होगा।
2. महेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भाप्रौसं जोधपुर को मटेरियल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमआरएसआई) द्वारा एमआरएसआई पदक 2016 ग्रहण करने के लिए चयनित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार 18–20 फरवरी के दौरान जोरहाट, असम में होने वाली एमआरएसआई की वार्षिक आम बैठक में प्रदान किया जायेगा। एमआरएसआई भारत रत्न प्रोफेसर सीएनआर राव, जो भारत में सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में समर्पित है, द्वारा 1989 में स्थापित एक अंतःविषय संस्था है। संस्था देश में तीव्र औद्योगिक प्रगति के लिए सामग्री के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित और एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है।
3. श्री प्रकाश तिवारी, सहायक प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को सेवा में योगदान के लिए सम्मान स्वरुप इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (SMIEEE) के वरिष्ठ सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया है।

भौतिकी विभाग

1. सत्यजीत साहू, (सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग) के सूचना प्रोसेसिंग नेटवर्क में छिपे हस्ताक्षर खोजने के शोध कार्य को मान्यता प्राप्त हुयी और नेचर पब्लिशिंग ग्रुप द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिक रिपोर्ट में स्थान मिला।

2. आशुतोष कुमार आलोक, सहायक प्रोफेसर, और सुभाशीष बनर्जी, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष को क्वांटम गुरुत्वाकर्षण के हस्ताक्षर की जांच पर अपने काम के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुयी। वे एस उमा शंकर (भाप्रौसं बॉम्बे) के साथ "प्रोबिंग सिग्नेचर्स ऑफ क्वांटम ग्रेविटी लाइक बैकग्राउंड एट एल.एच.सी.बी. (LHCb) एंड बी–फेक्ट्रीज" पर काम कर रहे हैं। यह कार्य प्रकृति के कुछ बहुत ही बुनियादी पहलुओं की जांच जैसे फ्लेवर भौतिकी में प्रत्यक्ष मापन द्वारा क्वांटम गुरुत्वाकर्षण पृष्ठभूमि जो कि मुख्य रूप से स्टैंडर्ड मॉडल परे नए भौतिकी मॉडल की जांच के लिए उपयोग किया जाता है के लिए दरवाजे खोलेगा। उनका कार्य "री–एक्जामिनिंग सिन 2β एंड Δm_d फ्रॉम एवोल्युशन ऑफ B^0_d मीसोन्स विथ डीकोहेरेंस", फिजिक्स लेटर्स–बी जो कि कण भौतिकी के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध पत्रिका है, में प्रकाशित किया गया है। इसके अलावा यह कार्य जुलाई 2015 को वियना विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया में आयोजित प्रतिष्ठित यूरोपियन फिजिकल सोसाइटी की कोन्फेरेंस ओन हाई एनर्जी फिजिक्स में प्रस्तुत किया गया।

बाह्य गतिविधियां

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान भा.प्रौ.सं. जोधपुर में संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित बाह्य गतिविधियां शुरू की गयी हैं।

अवर स्नातक शोध पहल

छात्रों के बीच अनुसंधान और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने 2011 में अवर स्नातक शोध पहल (UGRI) कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम को हर ग्रीष्मकाल में आयोजित किया जाता है। यह प्रतिभागी छात्रों को अपने व्यावसायिक ज्ञान और कौशल के सुधार में मदद करता है। देश भर के छात्रों को अवर स्नातक शोध पहल कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 18 छात्रों ने अवर स्नातक शोध पहल कार्यक्रम 2015 में भाग लिया। छात्रों को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों और उनके द्वारा प्रस्तुत शोध प्रस्ताव की गुणता जैसे विश्लेषणात्मकता या प्रयोगात्मकता के आधार पर चयन किया गया। यह 11 मई 2015 को शुरू हुआ और 10 जुलाई 2015 को समाप्त हुआ। चयनित छात्रों को भा.प्रौ.सं. जोधपुर में छात्रों के छात्रावास में आवास प्रदान किया गया। इस अवधि के दौरान भाग लेने वाले छात्रों को उनके बुनियादी खर्चे पूरा करने के लिए अंशीय वित्तीय सहायता प्रदान की थी। इस 10 सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय सदस्यों की प्रतिपलाकता में अपनी परियोजनाओं पर काम किया।

ईशान विकास कार्यक्रम

ईशान विकास नाम का विशेष कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक व्यापक योजना के अंतर्गत एक पहल है। इसमें पूर्वोतर राज्यों के चयनित स्कूली छात्र–छात्राओं को उनके अवकाश की अवधि में उनके युवा मन के विस्तार और भविष्य के जिन मार्गों को वे पार करना चाहते हैं उसको एक व्यापक दृष्टिकोण देना है। इनको भारतीय प्रधौगिकी संस्थानों और भारतीय विज्ञानं शिक्षा एंव अनुसंधान संस्थानों के साथ निकट संपर्क में लाया जाता है। जिससे उन्हें एक व्यापक परिप्रेक्ष्य मिले और वे समझें कि वे स्वयं अपने भविष्य को आकार देने में कैसे और अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। इसके साथ ही शैक्षणिक गतिविधि के अंतर्गत पूर्वोतर राज्यों के इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न संस्थानों में इंटर्नशिप के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

इस वर्ष से भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने सरकार के इस मिशन में भाग लिया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरे मन से समर्थन दिया। संस्थान में इस साल दो बार गर्मियों और सर्दियों के दौरान यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस ग्रीष्मकाल में 40 विद्यालय छात्र के साथ 7 शिक्षक और 5 बी.टेक. छात्र के साथ 1 संकाय सदस्यों ने क्रमशः – दो सप्ताह (30 जून – 9 जुलाई, 2015) के लिए भा.प्रौ.सं. जोधपुर का दौरा किया। इन स्कूली विधार्थियों के लिए एक सम्भावित कार्यक्रम तैयार किया गया और प्रत्येक बी. टेक. छात्र को एक स्पष्ट परिभाषित अनुसंधान समस्या विभाग के संकाय सदस्यों की देखरेख और मार्गदर्शन में सौंपी गयी।

12–24 दिसंबर 2015 के दौरान संस्थान ने पूर्वोतर के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 47 विद्यालय छात्र और 6 शिक्षकों की मेज़बानी की है। आवश्यकताओं की एक स्पष्ट परिभाषित अनुसूची बनायी गयी। कार्यक्रमों में न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के ज्ञान क्षेत्र को शामिल किया गया बल्कि मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला गया। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक व क्रियाशील अनुभव के पश्चात् एक व्याख्यान हुआ। इसके अलावा, रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर और केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) का दौरा भी इस कार्यक्रम का एक हिस्सा था । कार्यक्रम जोधपुर के विभिन्न भ्रमणस्थलों की यात्रा के साथ समाप्त हो गया।

ईशान विकास कार्यक्रम के प्रतिभागी

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, विद्यालय आधारित ज्ञान को विद्यालय के बाहर जीवन से जोड़ने, विज्ञान एवं गणित की शिक्षा को एक खुशहाल और सार्थक गतिविधि बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने और नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केन्द्रित करने के अनुसरण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक कार्यक्रम है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान एक सम्मिलित रूपरेखा है जिसका उद्धेश्य बच्चों के बीच समीक्षा की भावना और रचनात्मकता, विज्ञान और गणित के प्रति आकर्षण और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का पोषण करना एवं जो इन विषयों के प्रति रूझान और प्रतिभा दर्शाये उनको अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान की बुलंदियों तक पहुंचाने में प्रोत्साहित और समर्थन करना है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान पहल के तहत भा.प्रौ.सं. जोधपुर में 21 नवंबर 2015 को एक "स्कूल के छात्रों के लिए ओपन हाउस" को आयोजित किया गया था जिसमे सार्वजनिक व्याख्यान और प्रयोगशाला का दौरा शामिल था। इस कार्यक्रम के उद्देश्य छात्रों को विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में प्रेरित और व्यस्त रखनाय और राष्ट्रीय जरूरतों और वर्तमान विज्ञान की आवश्यकताओं को छात्रों तक पहुँचाना हैं। जोधपुर के 7 स्कूलों से 2 शिक्षकों द्वारा अनुरक्षित कुल 79 छात्रों ने भाग लिया।

अनन्या देबनाथ, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग और संकाय प्रभारी राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम की प्रस्तावना करते हुए

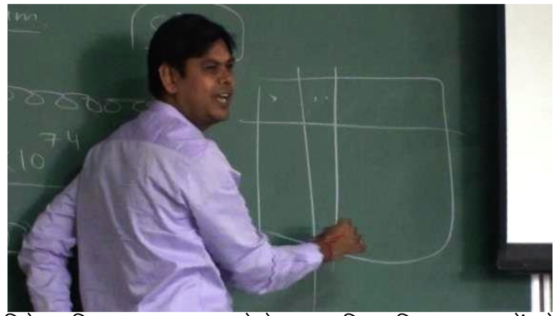

विवेक विजय, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग स्कूलों के उत्साहियों को संबोधित करते हुए

चिरंजोय चट्टोपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग फिल्मों में इस्तेमाल होने वाली कंप्यूटर प्रौद्योगिकी समझाते हुए

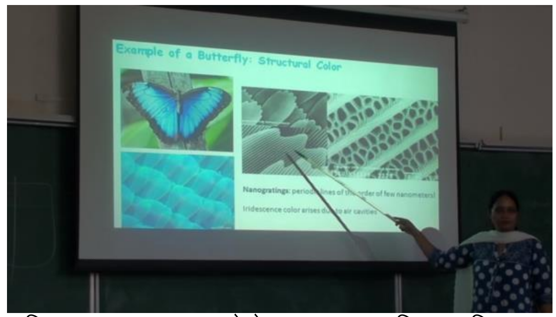

रितु गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, स्कूल के छात्रों को तितली के संरचनात्मक रंग दिखाते हुए

व्याख्यान श्रृंखला

संस्थान अपने संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और छात्रों के दृष्टिकोण का विस्तार करने और सघन बनाने के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध व्यक्तियों को अपना अनुभव भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय के साथ बांटने के लिये आमंत्रित करता है। इन्हें निम्नलिखित पांच श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, नामतः

(1) प्रख्यात व्याख्यान,

(2) विदेश मंत्रालय–आई.आई.टी.जे. प्रख्यात व्याख्यान, एवं

(4) अतिरिक्त भित्ति व्याख्यान, और

प्रख्यात व्याख्यान

प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला से संस्थान के बाहर के ख्याति प्राप्त विद्वानों के साथ मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विचारों का अर्थपूर्ण आदान–प्रदान होता है।

संस्थान में 29 जनवरी 2016 को देश के प्रसिद्ध पुरातत्वविद् व इतिहासकार सुश्री डॉ. चित्रा माधवन का "भारत में देवालय वास्तुकला का विकास" पर व्याख्यान हुआ।

विदेश मंत्रालय–आई.आई.टी.जे. प्रख्यात व्याख्यान

विदेश मंत्रालय (भारत सरकार) के सहयोग से संस्थान ने "विदेश मंत्रालय–आई.

आई.टी.जे. जोधपुर प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला'' आरम्भ की है जिसमें भारत के वर्तमान एवं पूर्व राजदूत अपने अनुभव को साझा करने तथा भारत के बाहर से भारत को समझने के लिए संस्थान में समय व्यतीत करते हैं।

संस्थान इस परंपरा को जारी रखते हुये 11 सितंबर 2015 को रूस में पूर्व राजदूत श्री अजय मल्होत्रा को आमंत्रित किया। राजदूत श्री मल्होत्रा ने संस्थान का दौरा किया और ''जलवायु परिवर्तन और भारत'' पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के समुदाय को संबोधित किया।

अतिरिक्त भित्ति व्याख्यान

प्रतिष्ठा और प्रचारक उत्साहित के साथ ऐसे पेशेवर जिन्होंने जीवन पर्यन्त विशिष्ट क्षेत्रों में समर्पित किया हो, को उनके आजीविका के मार्ग–परीक्षाओं को आपयिों तथा वर्तमान पीढ़ी इन चुनौतियों का सामना कैसे करती है, ऐसे अनुभवों को साझा करने के लिए संस्थान में आमंत्रित किया गया है।

इस वर्ष, 1 फरवरी 2016 को प्रोफेसर अभिताभ घोष ने संस्थान का दौरा किया। वे प्लेटिनम जुबली वरिष्ठ वैज्ञानिक, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, हैं तथा भा.प्रौ.सं. खड़गगपुर के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। उन्होंने ''गुरूत्वाकर्षण जड़ता और ब्रह्माण्ड – न्यूटन के नियमों के पुनः सोच के अद्भुत परिणाम'' के ऊपर व्याख्यान किया।

विशिष्ट व्याख्यान

भा.प्रौ.सं. जोधपुर और मैनेजमेंट स्टडीज विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने साथ मिलकर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जिसमे भा.प्रौ.सं. जोधपुर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य और आई.आई.एम. बेंगलूरु के पूर्व निदेशक प्रोफेसर पंकज चंद्रा द्वारा 23 अक्टूबर को व्याख्यान हुआ। प्रोफेसर चंद्रा ने "भारतीय विनिर्माण नीतियों को अलग ढंग से आधारित करना" पर विचार प्रकट किये।

जैरी एम. हल्टिन, अध्यक्ष, निदेशक मंडल एवं सह संस्थापक, ग्लोबल फ्यूचर्स समूह, अमेरिका द्वारा 9 फरवरी 2016 को "शहर पुनर्निर्माण – एक समग्र दृष्टिकोण" पर एक विशेष लोक व्याख्यान दिया। जैरी हल्टिन ने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के पॉलिटेक्निक संस्थान के 15वें अध्यक्ष के रूप में भी सेवा की है।

GIAN कार्यक्रम

शैक्षिणक समाज के लिए वैश्विक पहल (Global Initiative for Academic Networks - GIAN) भारत के प्रमुख संस्थानों में लघु पाठ्यक्रम देने हेतु विदेशों में रहने वाले कुशल निपुण वैज्ञानिकों और उद्यमियों को आमंत्रित करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) का एक कार्यक्रम है। यह योजना शिक्षकों की

कमी का सामना कर रहे नए भा.प्रौ.सं. के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के संकाय सदस्यों के द्वारा निम्नलिखित अल्पकालीन पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया:

1. Synthesis and Characterization of Materials for Energy Storage Devices
   तिथियाँ : 12–16 दिसंबर 2015
   मेज़बान संकाय : रितु गुप्ता
   विदेशी संकाय : टिमोथी एस. फिशर, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
2. Robot Modeling and Control, and Applications to Aerial Robots
   तिथियाँ : 22–28 दिसंबर 2015
   मेज़बान संकाय : सुरील विजयकुमार शाह और सुदीप्तो मुखर्जी (आई.आई.टी. दिल्ली)
   विदेशी संकाय : विजय कुमार, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका
3. Fundamentals of Applied Vehicle Dynamics and Chassis Systems
   तिथियाँ : 12–23 जनवरी 2016
   मेज़बान संकाय : बी. रवींद्र
   विदेशी संकाय : रघु एनचेम्पाटि, केटरिंग विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
4. Advanced Digital VLSI Circuit Design
   तिथियाँ : 7–18 मार्च 2016
   मेज़बान संकाय : सुरेश गुंडपनेनि
   विदेशी संकाय : मनोज सचदेव, वाटरलू विश्वविद्यालय, कनाड़ा

इस साल संस्थान में निम्नलिखित कार्यशालाऐ और सम्मेलन आयोजित की गयी।

कार्यशालाएं एवं सम्मेलन

1. भा.प्रौ.सं. जोधपुर में "एक प्रायोगिक सीएसपी संयंत्र के लिए डीपीआर को अंतिम रूप देने के लिए के लिए चर्चा" पर एक कार्यशाला भा.प्रौ.सं. जोधपुर, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से भा.प्रौ.सं. जोधपुर में 8–9 जुलाई 2015 को आयोजित की गयी थी।
2. नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनएई) के वार्षिक कार्यक्रमों का 9 वें संस्करण नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ इंजीनियरिंग सिम्पोजियम (9NatFoE) का आयोजन 5–7 जून 2015 के दौरान भा.प्रौ.सं. जोधपुर में किया गया।
3. सौर तापीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भा.प्रौ.सं. जोधपुर में 26–28 फरवरी 2016 को किया गया। इसके तकनीकी सह प्रायोजक नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार थी।
4. सेमीकंडक्टर सामग्री और उपकरणों पर राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन भा.प्रौ.सं. जोधपुर, रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर और भारत के सेमीकंडक्टर सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से भा.प्रौ.सं. जोधपुर में 4–6 मार्च 2016 को किया गया।

राष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन तथा राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का पालन

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2015 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर के आवासीय परिसर जीपीआरए में मनाया गया। संकाय सदस्यों, स्टाफ और छात्रों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

योग सत्र में प्रतिभागी

योग प्रशिक्षकों के साथ आयोजक

69वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

69 वां स्वतंत्रता दिवस, भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने करवड़ गांव में स्थित अपने स्थायी परिसर में 15 अगस्त 2015 को मनाया। निदेशक महोदय ने ध्वज आरोहण किया, एवं सभी उपस्थित व्यक्तियों द्वारा मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्नेह के साथ राष्ट्रगान गाया गया। निदेशक महोदय ने सभा से आग्रह किया कि अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी से प्रतिबद्धता ही, राष्ट्र की सेवा को सुनिश्चित करती है। इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर में पहले भवन का उद्घाटन किया गया। सम्मान का अवसर भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिवार के तीन सबसे कनिष्ठ सदस्यों क्रमशः – सबसे कम उम्र की संकाय सदस्य (रितु गुप्ता), सबसे कम उम्र के स्टाफ सदस्य (एम. एम. मालवीय), और सबसे कम उम्र के छात्र (आकाश यादव) को प्रदान किया गया। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के कर्मचारियों के बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित किये गए।

छात्रों ने संगीत, नृत्य प्रदर्शन और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने स्वतंत्रता के पश्चात् हुए प्रौद्योगिकी की उन्नति पर अपने विचार प्रस्तुत किये। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के छात्र जिमखाना के महासचिव ने आभार प्रकट किया। इसके पश्चात वृक्षारोपण और दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया। प्रातः काल में तीन अन्य अस्थाई परिसरों; शैक्षणिक परिसर, जीपीआरए और बीएसएनएल आवासीय परिसरों में भी ध्वजारोहण हुआ।

भा.प्रौ.सं. के स्थायी परिसर में पहले भवन का उद्घाटन

सांस्कृतिक कार्यक्रम

शिक्षक दिवस

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने शिक्षक दिवस पर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में शिक्षक के महत्व को स्वीकार करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

समन्वयक (शैक्षिणक) ने कार्यक्रम का आरम्भ निदेशक महोदय, संकाय सदस्यों और छात्रों के अभिनन्दन के साथ किया। इस अवसर पर समन्वयक (छात्र) ने सभी को शिक्षक दिवस के महत्व पर भाषण दिया। शैक्षिक वर्ष 2015–16 में पंजीकृत मेधावी छात्रों को शैक्षिक विशिष्टता का प्रमाण पत्र विभागों के प्रमुखों द्वारा प्रदान किया गया।

समन्वयक (संकाय) द्वारा आभार प्रकट करने के पश्चात् जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, भा.प्रौ.सं. जोधपुर में 26–31 अक्टूबर 2015 के दौरान मनाया गया। यह कार्यक्रम "निवारक सतर्कता सुशासन का एक उपकरण" विषय पर आयोजन के साथ संपन्न हुआ, जहां भा.प्रौ.सं. जोधपुर के सभी कार्यालयों द्वारा विभिन्न कार्यों में अनुसरण की जाने वाली क्रियाविधि प्रस्तुत की गई। उनकी प्रस्तुतियों के एक भाग के रूप में, मुद्दों, चुनौतियों और विभिन्न चरणों में उनके द्वारा पेश आ रही बाधाओं पर चर्चा की गई, और दूसरे में प्रतिभागियों से इस पर नियंत्रण पाने हेतु विभिन्न कार्यकलापो में भ्रम और देरी को कम करने के लिए सुझाव प्राप्त किये।

इस अवसर पर संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की पीएच.डी. छात्र ऋद्धि अग्रवाल को कार्यक्रम के विषय पर प्रस्तुति के लिए सराहना की निशानी प्रदान की गई । कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। उपस्थित सदस्यों द्वारा एक प्रतिज्ञा लेने के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

रिद्धि अग्रवाल पुरस्कार प्राप्त करते हुए

सतर्कता प्रतिज्ञा लेते हुए संकाय व स्टाफ के सदस्य

पहला संविधान दिवस

संविधान दिवस, भा.प्रौ.सं. जोधपुर में 26 नवंबर 2015 को मनाया गया। इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय सदस्य और स्टाफ के सदस्य उपस्थित हुए। श्री एस बालचंद्र अय्यर, कुलसचिव द्वारा कार्यक्रम आरम्भ किया गया। भारत के संविधान की प्रस्तावना अंग्रेजी और हिंदी में क्रमशः सहायक प्रोफेसर दीपक फुलवानी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग और क्षेमा प्रकाश, उप पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा पढ़ी गयी।

कार्यक्रम की भूमिका

संविधान की प्रस्तावना का पठन

67 वां गणतंत्र दिवस समारोह

67 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर के सदस्यों द्वारा करवड़ गांव में स्थित स्थायी परिसर के परियोजना कार्यालय भवन में मनाया गया। निदेशक महोदय ने ध्वज आरोहण किया और सभी उपस्थित जनो द्वारा पूर्ण देश प्रेम सहित राष्ट्रगान प्रस्तुत हुआ। छात्रों ने गणतंत्र दिवस के महत्व, सामाजिक बुराइयों पर तत्काल अंकुश लगाने हेतु और भारत में प्रौद्योगिकी संचालित सामाजिक उन्नति की दिशा में कार्य करने पर अपने विचार प्रस्तुत किए। फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के संगीत बैंड, "संगम" द्वारा एक संगीत प्रदर्शन और छात्रों के नाटक समूह, "नुक्कड़" द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया। फिर भा.प्रौ.सं. जोधपुर छात्र जिमखाना के महासचिव ने आभार प्रकट किया।

तत्पश्चात् भा.प्रौ.सं. जोधपुर के कर्मचारियों के बच्चों के लिए संगीत, चित्रकला और संगीतमय कुरसी खेल की प्रतियोगिताऐ आयोजित की गयीं और विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर में विभिन्न भवनों में चल रहे निर्माण स्थलों के लिए एक यात्रा की व्यवस्था भी की गई । इस अवसर पर उपस्थित छात्रों, स्टाफ और संकाय सदस्यों ने स्थल का दौरा किया। इस कार्यक्रम के पश्चात् दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया।

26 जनवरी 2016 गणतंत्र दिवस के अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

इससे पहले प्रातः काल में तीन अन्य अस्थाई परिसरोंय शैक्षणिक परिसर, जीपीआरए और बीएसएनएल आवासीय परिसरों में ध्वज आरोहण किया गया।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर में वृक्षारोपण

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर में 21 फरवरी 2016 को वृक्षारोपण गतिविधि आरम्भ हुई। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में वर्तमान न्यायाधीश माननीय न्यायाधीश संदीप मेहता की उपस्थिति में भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय के सदस्यों और राजस्थान उच्च

न्यायालय, जोधपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता एमएस सिंघवी के नेतृत्व में जोधपुर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, द्वारा संयुक्त रूप से लगभग 900 नीम के पौधे लगाए गए।

श्रीमती और श्री सिंघवी द्वारा वृक्षारोपण

प्रोफेसर एवं श्रीमती प्रवाल सिन्हा द्वारा वृक्षारोपण

प्रोफेसर एन एम भंडारी द्वारा वृक्षारोपण

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्टाफ के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण

कार्यक्रम में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और छात्रों और राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के 20 अधिवक्ताओं ने भाग लिया।

सुविधाएं
हमारे परिसर

वर्तमान परिसर

वर्तमान में आई.आई.टी. जोधपुर दो अस्थायी परिसरों से कार्य कर रहा है, नामतः–

अस्थायी शैक्षिक परिसर– यह जोधपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 4 किलोमीटर और जोधपुर हवाई अड्डे से 3 किलोमीटर की दूरी पर ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रतानाड़ा स्थित एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसरों से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है।

अस्थायी आवासीय परिसर– आई.आई.टी. जोधपुर में (1) जी.पी.आर.ए. आवासीय परिसर, न्यू पाली रोड, जोधपुर और (2) बी.एस.एन.एल. आवासीय परिसर, सुभाष नगर, जोधपुर में स्थित दो आवासीय परिसर हैं। जी.पी.आर.ए. परिसर शैक्षिक परिसर से लगभग 17 किलोमीटर की दूरी पर न्यू पाली रोड पर स्थित है और यह लगभग 600 बी.टेक. लड़कों और सभी छात्राओं को आवास प्रदान करता है। साथ ही, यह संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों सहित आई.आई.टी. समुदाय के लगभग 150 अन्य सदस्यों को भी आवास प्रदान करता है। दूसरी ओर बी.एस.एन.एल. परिसर शहर के मध्य में स्थित है और यह लगभग 150 पुरुष एम.टेक. और पीएच.डी. छात्रों को आवास प्रदान करता है। इस परिसर में विवाहित छात्रों के लिए सीमित आवास उपलब्ध हैं।

अस्थायी शैक्षिक परिसर

वर्तमान में आई.आई.टी. जोधपुर के शैक्षिक परिसर में तीन ब्लॉक शामिल हैं, नामतः

(i) शैक्षिक ब्लॉक 1: इसमें विभिन्न प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, एक कंप्यूटर केंद्र और कुछ संकाय सदस्यों के कार्यालय है।

(ii) शैक्षिक ब्लॉक 2: इसमें लेक्चर हॉल, शिक्षण, भाषा प्रयोगशाला और मल्टीमीडिया प्रयोगशाला है।

(iii) प्रशासनिक ब्लॉक: इसमें निदेशालय, प्रशासनिक कार्यालय, तकनीकी प्रयोगशालाएं और कुछ संकाय सदस्यों के कार्यालय है।

इसके अतिरिक्त शैक्षिक परिसर में प्रयोगशालाओं और अन्य कार्यालय स्थान जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए कुछ अस्थायी अवसंरचना मौजूद है। आई.आई.टी. जोधपुर ने शिक्षण तथा शोध के लिए अच्छी शैक्षिक सुविधाएं स्थापित की है। संस्थान में सुसज्जित प्रयोगशालाएं और एक पुस्तकालय है।

प्रयोगशालाएं और शोध सुविधाएं

आई.आई.टी. जोधपुर ने आधुनिक शिक्षण एवं शोध प्रयोगशालाओं की स्थापना की है। इन प्रोन्नत प्रयोगशालाओं में अंतर्राष्ट्रीय मानकों की मशीनें और उपकरण है जिनका शोध में सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है। प्रमुख प्रयोगशालाओं में हीट ट्रांसफर, फ्लूइड मैकेनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट प्रयोगशाला, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रोमैकेनिकल एनर्जी कन्वर्जन प्रयोगशाला और सोलर रेडिएशन शामिल है।

पुस्तकालय

पुस्तकालय में पाठ्य–पुस्तकों, शोध एवं संदर्भ पुस्तकों, मोनोग्राफ इत्यादि को शामिल करते हुए लगभग 12000 पुस्तकों का संग्रह है। इसके अतिरिक्त, यह पुस्तकालय व्यावसायिक एवं विद्वत सोसायटियों तथा प्रकाशकों जैसे कि अमेरिकन सोसायटी फॉर मैकेनिकल इंजीनियर्स, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स संस्थान तथा कंप्यूटिंग मशीनरी संघ इत्यादि से इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की श्रेणी तक पहुंच प्रदान करता है। साथ ही, यह साइफाइंडर, मैथसाइनेट, जेएसटीओआर, प्रोवस और ईबीएससीओ शैक्षिक अनुसंधान जैसे लोकप्रिय वैज्ञानिक, शोध तथा अभिलेखीय आंकड़े भी मंगवाता है।

यह पुस्तकालय स्वाचालित सदस्य एवं परिचालन सेवाओं और डिजीटल पुस्तकालय सेवाओं के साथ एक कंप्यूटीकृत वातावरण में काम करता है। सदस्यता, परिचालन, संदर्भ एवं सूचना सेवा, आंतरिक पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज देने संबंधी सेवाएं, वर्तमान जागरूकता सेवा, डिजीटल पुस्तकालय सेवा वर्तमान में प्रदान की जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण सेवाओं में से है।

अस्थायी आवासीय परिसर

जी.पी.आर.ए. आवासीय परिसर –मुख्य आवासीय क्षेत्र न्यू पाली रोड, विवेक विहार, जोधपुर में रेलवे स्टेशन से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर सुंदर परिसर में स्थित है। यह परिसर पूरी तरह से सुरक्षित है और वाई–फाई, मनोरंजन कक्ष और एक कंप्यूटर केंद्र सहित मूल सुविधाओं से सुसज्जित है। साथ ही, आवासीय परिसर संस्थान के संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों के लिए आवास प्रदान करता है। संस्थान और आवासीय परिसर के बीच परिवहन सुविधा उपलब्ध है।

बी.एस.एन.एल. आवासीय परिसर – दूसरा आवासीय परिसर सुभाष नगर में पाल लिंक रोड पर बी.एस.एन.एल. कॉलोनी में स्थित है। बी.एस.एन.एल. कॉलोनी में आम मौलिक सुविधाएं उपलब्ध है। संस्थान और बी.एस.एन.एल. परिसर के बीच परिवहन सुविधा उपलब्ध है। सभी पुरुष एम.टेक. और पीएच.डी. के छात्र तथा कुछ विवाहित छात्रों को इस आवासीय परिसर में स्थान दिया गया है।

उपलब्ध सुविधाएं

इन आवासीय परिसर में उपलब्ध कुछ मूल सुविधाएं निम्नलिखित हैं :–

(क) ***एटीएम और बैंकः*** आवासीय क्षेत्र में एसबीआई (भारतीय स्टेट बैंक) की एक शाखा और एसबीआई का एक एटीएम है जो छात्रों के लिए सरल लेन–देन सुकर बनाता है। शैक्षिक क्षेत्र के नजदीक कई अन्य बैंक भी हैं, नामतः, यूको, एचडीएफसी और एसबीबीजे।

(ख) ***कैंटीनः*** दो कैंटीन हैं जिनमें से एक आवासीय परिसर में है और दूसरी शैक्षिक परिसर में है। ये छात्रों को स्वच्छ भोजन, ताजे जूस और विभिन्न अन्य स्नेक्स प्रदान करती है।

(ग) ***जिम्नेज़ियमः*** आवासीय परिसर में एक सुसज्जित जिम्नेजियम है जो प्रातः 5 बजे से सांय 10 बजे तक खुला होता है। छात्र स्वस्थ रहने और अपने शरीर को बनाए रखने के लिए इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते है।

(घ) ***भोजन सुविधाः*** दो भोजनशाला सुविधाएं हैं, एक आवासीय परिसर में और दूसरी शैक्षिक परिसर में। भोजनशाला अच्छी गुणवत्ता वाला भोजन प्रदान करती है जिनकी स्वच्छता और पोषक मूल्य के लिए वार्डन द्वारा नियमित निगरानी की जाती है और इन्हें वहनीय लागत पर प्रदान किया जाता है।

(ङ) ***दुकानें:*** छात्रों की विभिन्न प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शैक्षिक परिसर के नजदीक दुकानें मौजूद हैं। आकस्मिक खरीद के लिए जीपीआरए परिसर के भीतर एक लघु आउटलेट कार्य कर रहा है।

(च) ***परिवहन सुविधाः*** संस्थान में आवासीय और शैक्षिक परिसर के बीच संस्थान के छात्रों के लिए नियमित अंतराल पर चलने वाली बस सेवा उपलब्ध है।

(छ) ***मनोरंजन कक्षः*** प्रत्येक छात्रावास में आंतरिक खेलों (जैसे कि टेबल टेनिस और कैरम) के साथ मनोरंजन सुविधाएं (जैसे कि टीवी कक्ष जहां छात्र मैच का आनंद उठा सकते है और फिल्में देख सकते है) उपलब्ध हैं।

चिकित्सा सेवाएं

दोनों आवासीय परिसरों में सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध हैं। इनके अतिरिक्त शैक्षिक परिसर में भी सत्र के दौरान सांय 3 बजे से सांय 4.30 बजे तक चिकित्सा सहायता उपलब्ध है। संस्थान में 24 घंटे एम्बूलेंस सेवा भी उपलब्ध है। स्वास्थ्य केंद्रों के अतिरिक्त संस्थान ने जोधपुर शहर के 5 अस्पतालों और जयपुर में 2 अस्पतालों को पैनलबद्ध किया है। साथ ही, शहर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ए.आई.आई.एम.एस, जोधपुर) की सेवायें भी उपलब्ध हैं। संस्थान ने चिकित्सा कॉलेजों तथा एम्स के वरिष्ठ डॉक्टरों को शामिल करते हुए एक चिकित्सा बोर्ड का गठन किया है जिनसे स्वास्थ्य केंद्र तथा आकस्मिक चिकित्सा मामलों में चिकित्सा सेवाओं की वृद्धि के लिए सलाह ली जाती है।

स्थायी परिसर

आने वाले वर्षों में आई.आई.टी. जोधपुर, जोधपुर केंद्र से उत्तर–उत्तर–पूर्व नागौर की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर जोधपुर शहर के केंद्र से 24 किलोमीटर दूर स्थित भूमि के 852 एकड़ स्थान पर अत्याधुनिक आवासीय स्थायी परिसर में स्थानांतरित हो जाएगा। स्थायी परिसर में भूमि के तीन टुकड़ें हैं। संस्थान एक सिंचाई प्रौद्योगिकी अपनाने की योजना आरंभ कर रहा है। इस स्थायी परिसर की आयोजना सावधानीपूर्वक तैयार की गई है। शिक्षा इसके परिकल्पना का प्रतीक है, जो – साधारण परंतु गहरा है।

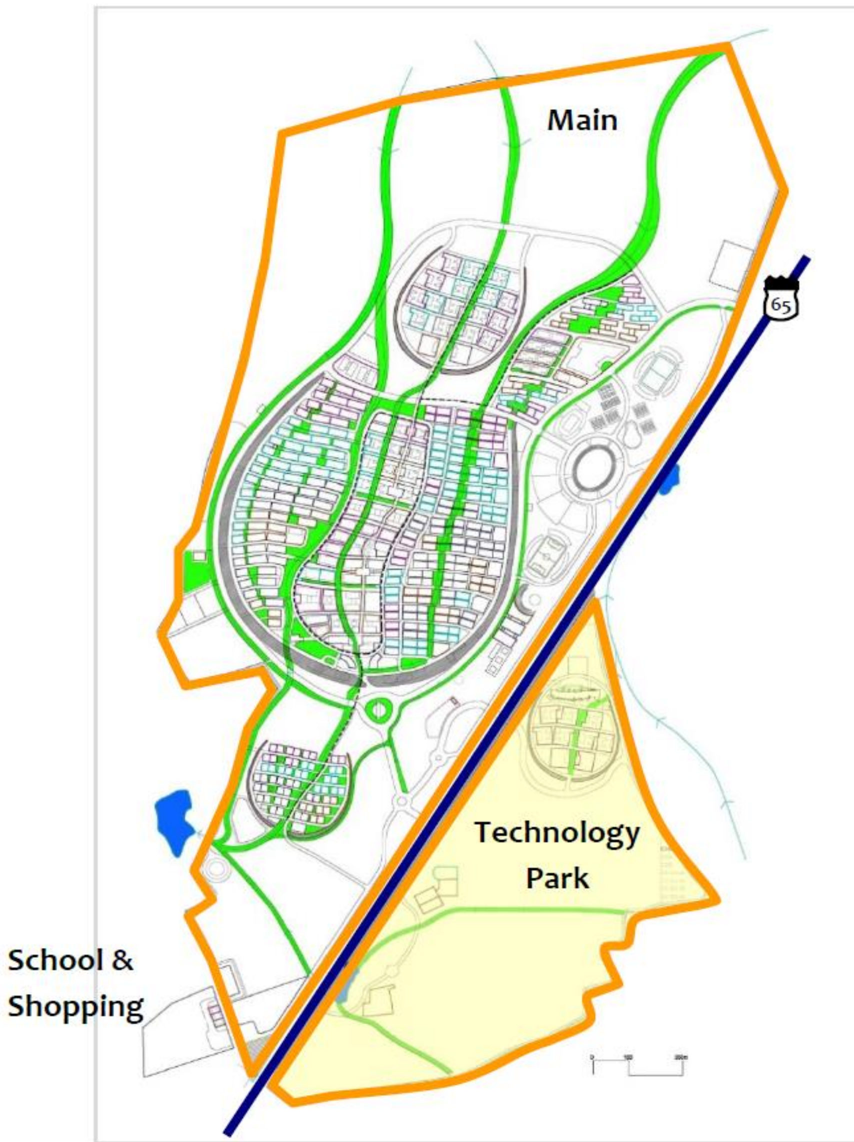

Master Plan of IIT Jodhpur's Permanent Campus at Karwad Village on NH65

एनएच65 पर करवड़ गांव में आई.आई.टी. जोधपुर के स्थायी परिसर का मास्टर प्लान

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री महोदय डॉ. एम. एम. पल्लम राजू द्वारा दिनांक 16 अप्रैल 2013 को स्थायी परिसर की नींव रखी गई। संस्थान के स्थायी परिसर निर्माण किया जा रहा है। परिसर के चरण–1 का निर्माण कार्य मार्च, 2015 को आरंभ हुआ। पूरा होने पर यह भारत में प्रथम पूर्णतः नियोजित तकनीकी संस्थान परिसर होगा। अधिक महत्वपूर्ण रूप से यह निवल शून्य ऊर्जा, जल एवं अपशिष्ट सुनिश्चित करते हुए नीतियों के साथ निरंतरता का एक अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण होगा। स्थायी परिसर की अन्य प्रमुख विशिष्टताएं निम्न है।

(1) वाकिंग कैम्पस जो कि पैदल पथ उन्मुखी और साइकिल अभिमुखी है;
(2) वायरलेस आईसीटी पृष्ठभूमि (लोचशील, सार्पध्स्थान के साथ मल्टीमीडिया समर्थित अधिगम स्थान) के साथ कहीं भी, किसी भी समय शिक्षण सुविधा उपलब्ध;
(3) जीआरआईएचए 4/5 स्टार अनुकूल भवनों के साथ थर्मल रूप से आरामदायक स्मार्ट भवन और जीआरआईएचए एलडी बैंचमार्क कैम्पस (सघन बालू सेटलमेंट मोर्फोलॉजी, अल्प ऊंचाई भवन (अधिकतम 3 मंजिला तक) लो एम्बोडिड ऊर्जा सामग्रियों तथा वृद्धित स्थानीय और पारंपरिक पद्धतियों के साथ निर्मित);
(4) मूल प्रजातियों के साथ रोपड़, मृदा स्थिरीकरण, समय के साथ इरोजन, रेतीलापन और मृदा अद्रता रोकने हेतु धूल भरी आंधी से सुरक्षा;
(5) वर्षा जल सिंचाई और जल कमी तथा सीवेज रिसाइकलिंग के साथ समय के साथ स्थल को हरित बनाना; और
(6) अपशिष्ट को पृथक करना तथा कस्टोमाइज्ड रिसाइकलिंग।

आईआईटी जोधपुर के स्थायी परिसर का प्रवेश ढांचा

परिसर में एक स्कूल (कक्षा–XII तक), बैंक, डाक घर और बाजार के साथ संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों के लिए आवास होंगे। साथ ही इसमें शहर के सर्वोच्च अस्पतालों जैसे कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर तक पहुंच के लिए हॉटलाइन कनेक्शन के साथ एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक पूर्णतः सुसज्जित एम्बूलेंस सेवा होगी। स्थायी परिसर का एक बड़ा भाग (लगभग 182 एकड़) संस्थान–उद्योग संपर्कों को मजबूत बनाने के लिए एक टेक्नोलॉजी पार्क के विकास हेतु रखा गया है।

संकाय सदस्य आवास

स्थाई परिसर में प्रथम प्रस्थान अक्टूबर 2016 के आरंभ में होने की संभावना है।

कंप्यूटर केंद्र

संस्थान में एक आधुनिक कंप्यूटर केंद्र है जो वर्तमान में 1जीबीपीएस इंटरनेट बैंडविथ के साथ गीगाबिट लैन पर काम कर रहा है। यह छात्रों, स्टाफ सदस्यों और संकाय सदस्यों के लिए सभी कंप्यूटिंग गतिविधियों का केंद्र है। परिसर में विंडोज और जीएनयू/लाइनेक्स ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले कई टर्मिनल मेटलेब, मैथेमेटिका, केडेन्स, मेंटर, ग्राफिक, एनसिस, पीएससीएडी और सॉलिड वर्क्स जैसे कई लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर तक पहुंच प्रदान करता है। शैक्षिक और आवासीय क्षेत्रों में एक 80211/बी/जी/एन वाई–फाई सेवा उपलब्ध है। साथ ही, कंप्यूटर केंद्र में वैज्ञानिक शोध के लिए एक उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग कलस्टर भी मौजूद है।

संसाधन

संस्थान में कंप्यूटर केंद्र में पांच प्रमुख संसाधन है नामतः लाइनेक्स ऑपरेटिंग सिस्टम, सीवीएन सर्वर, जीआईटी सर्वर, ऑनक्लाउड तथा अन्य लाइसेंस प्राप्त एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है जिनका शैक्षिक तथा शोध उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जाता है, इन्होंने विभिन्न संसाधन और सुविधाएं प्रदान करना संभव बनाया है।

सुविधाएं

संस्थान कंप्यूटर केंद्र के माध्यम से तीन सुविधायें, नामतः – नेटवर्किंग, कंप्यूटिंग और इंटरनेट पहुंच सुविधा का विस्तार करता है।

सेवाएं

संस्थान इस कंप्यूटर केंद्र के जरिए एफटीपी, एलडीएपी, एचटीसी, वेब हाउसिंग, नेटवर्क कनेक्टिविटी, वीपीएन एडूरोम और न्यूज ग्रुप जैसी सेवाएं प्रदान करता है।

पुस्तकालय

पुस्तकालय ज्ञान संसाधनों के समुपार्जन, संगठन एवं प्रसार को सुगम बनाकर तथा आई.आई.टी. जोधपुर के समुदाय को पुस्तकालय तथा सूचना सेवाएं प्रदान करने के माध्यम से संस्थान के सभी शिक्षण और शोध गतिविधियों का समर्थन करता है। यह आई.आई.टी. जोधपुर के शैक्षिक परिसर के कमरा सं. 1001 और 1011, शैक्षिक ब्लॉक 1 के भूतल में स्थित है। पुस्तकालय संस्थान के पुस्तकालय समिति के निर्देशों के अंतर्गत काम करता है जिसमें सभी विभागों के प्रतिनिधि और छात्र प्रतिनिधि सदस्य हैं।

कमरा संख्या 1001, एबी1 – स्टॉक एवं परिचालन खंड

पुस्तकालय संग्रह

पुस्तकालय में पुस्तकों का 12000 वॉल्यूम का अमूल्य एवं वर्धमान पुस्तक संग्रह है, जिनमें पाठ्य–पुस्तकें, सामान्य और संदर्भ सामग्री तथा एक बुक बैंक कोष शामलि हैं। पुस्तकालय संस्थान के शैक्षिक तथा शोध प्रयोजन हेतु विभिन्न स्रोतों से प्रचुर मात्रा में विद्वत पत्रिकायें तथा डाटाबेसेज़ का भी समर्षन करता है।

पुस्तकालय अपने पंजीकृत उपभेक्ताओं को निम्नलिखित सेवायें तथा सुविधयें प्रदान करता है।

1. सदस्य एवं परिचालन सेवाएं
2. उन्मुखीकरण और उपभोक्ता शिक्षा
3. पुस्तक उधार सुविधा
4. संदर्भ एवं सूचना सेवा
5. आरक्षित पाठ्यक्रम सुविधा
6. वर्तमान जागरूकता सेवा
7. अंतर पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज आपूति, और
8. डिजीटल पुस्तकालय सुविधा और सेवाएं

पुस्तकालय के संबंध में सभी अद्यतन सूचना, इसके संग्रह, सेवाओं और सुविधाओं की सूचना समय–समय पर पुस्तकालय की वेबसाइट पर डाली जाती हैं। डिजीटल संसाधनों का अभिगम पुस्तकालय की वेबसाइट के ज़रिए प्राप्त की जा सकती है जो पुस्तकालय द्वारा अनुरक्षित तथा व्यापक साइट है। इसमें पुस्तकालय द्वारा समर्षित संसाधन, ऑनलाइन

कैटालॉग, एवं मुक्तक्षेत्र में अभिगम्य उपयोगी, योग्य संसाधनों की सूची तथा पता, जैसे मुक्त अभिगम विद्वत एवं शोध पत्रिकायें, पुस्तकें, रिपोज़िटरी, वीडियो व्याख्यान, मुक्त पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन संसाधनों का निरंतर अद्यतन किया जाता है।

संकाय सदस्यों के प्रकाशनों को सूचित करने के लिए पुस्तकालय स्टाफ़ सदस्य ने एक पोर्टल को विकसित किया है। पुस्तकालय स्टाफ़ सदस्य ने इसके अतिरिक्त एक पाठ्यक्रम दिशा–निर्देश पोर्टल भी तैयार किया गया है, जिसमें संसाधन अर्थात् पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकें, समर्षित पत्रिकायें एवं डेटाबेसेस, मुक्त अभिगम संसाधन, इत्यादि सूचीबद्ध किए गए हैं और पाठ्यक्रम से जोड़े गए हैं। यह मंच छात्रों के लिए विषय क्षेत्र संबंधी और पाठ्यक्रम संबंधी संसाधन ढूंढ़ने में उपयोगी है। यहाँ पुस्तकालय समर्षित विद्वत संसाधनों का परोक्ष अभिगम सेवा और साहित्यिक–चौर्य (प्लेगरिज़्म)–रोधी साफ़्टवेयर सेवा भी प्रदान किये जाते हैं।

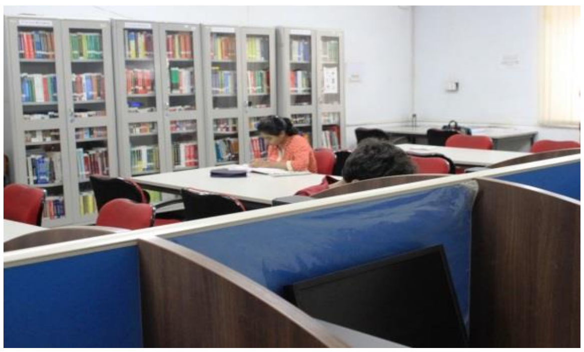
कमरा संख्या 1011, एबी1-पाठ्यक्रम आरक्षित और डिजीटल पुस्तकालय खंड

कमरा संख्या 1001 विस्तार, एबी1-पठन कक्ष

नीचे वित्तीय वर्ष 2015–16 के लिये पुस्तकालय के कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े दिये गये हैं।

क्र.सं.	विवरण	आंकड़े	
1.	**शामिल की गई पुस्तकें**	कुल 511	
	क. शामिल किए गए शीर्षकों की संख्या		207
	ख. शामिल किए गए वॉल्यूम की संख्या		511
2.	सब्सक्राइब किए गए विद्वत संसाधनों की संख्या	कुल 39	
	क. संपूर्ण पाठ संसाधन		31
	ख. शोध डाटाबेस		8
3.	अनुरोध की गई दस्तावेज आपूर्ति और अंतर–पुस्तकालय ऋण सेवा जिसे पूरा किया गया	कुल 149	
	क. लेखों और शोध दस्तावेजों की आपूर्ति		146
	ख. आंतरिक पुस्तकालय ऋण पर प्रबंधित की गई पुस्तकें		3
4.	परिचालन लेनदेन	कुल 24,962	
	क. चेकआउट की गई पुस्तकों की संख्या		12022
	ख. चेक–इन की गई पुस्तकों की संख्या		12320
	ग. पुस्तक नवीकरणों की संख्या		578
	घ. वापस ली गई पुस्तकों की संख्या		42

ई–संसाधनों का विवरण

पुस्तकालय में शैक्षिक समुदाय के लिए शिक्षण, शोध और निजी अध्ययन के लिए कई इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के लाइसेंस प्राप्त हैं। ये हैं–

क. संपूर्ण पाठ संसाधन

1. कंप्यूटिंग मशीनरी संघ डिजीटल पुस्तकालय
2. अमेरिकन कैमिकल सोसायटी जर्नल
3. अमेरिकन भौतिकी संस्थान जर्नल
4. अमेरिकी भौतिकी सोसायटी जर्नल
5. अमेरिकी यांत्रिक सोसायटी इंजीनियर्स डिजीटल पुस्तकालय
6. बॉयो इन्फॉर्मेटिक्स जर्नल
7. ई.बी.एस.सी.ओ. अकादमिक खोज पूर्ण
8. ह्यूमन मॉलीक्यूलर जनेटिक्स जर्नल
9. आइईएल (आई.ई.ई.ई.) ऑनलाइन डिजीटल पुस्तकालय
10. साहित्य और पर्यावरण में अंतर विषयक अध्ययन जर्नल
11. जीव–विज्ञान रसायन जर्नल
12. सचेतना अध्ययन जर्नल
13. जर्नल ऑफ़ इम्यूनोलॉजी
14. जेएसटीओआर अरकाइव्स
15. एमआईटी कोगनेट जर्नल
16. नेचर जर्नल
17. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्रवाई
18. मात्रात्मक सूचना तथा कंप्यूटेशन जर्नल
19. रसायन रॉयल सोसायटी जर्नल
20. साइंस ऑनलाइन
21. एलसीवियर साइंस जर्नल
22. उद्योग एवं अनुप्रयुक्त गणित सोसायटी जर्नल
23. स्प्रिंगर जर्नल

ख. शोध डाटाबेस

1. सीएमआईई प्रोवेस
2. ई.पी.डब्ल्यू. इंडिया टाइम्स सीरीज
3. इंडियास्टेट
4. मैथसाइनेट
5. साइफ़ाइंडर

भा.प्रौ.सं. का पुस्तकालय सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र द्वारा संचालित ईशोधसिन्धु–उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के समूह का एक प्रमुख सदस्य भी है, जिसके द्वारा प्रमुख संसाधनों के लिए सदस्यता पूरी हो जाती है । इसके अलावा यह पुस्तकालय विकासोन्मुख तंत्र, डेलनेट, नई दिल्ली का भी एक सदस्य है जिसके माध्यम से यह अपनी मांग को अन्य पुस्तकालयों से पूरा करता है।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के लिए साहित्यि चोरी विरोधी उपकरण और दूरस्थ पहुँच उपकरण सबस्क्राइब करता है । पुस्तकालय स्टाफ द्वारा नियमित समय पर उन्मुखीकरण सत्र और छात्रों के लिए पुस्तकालय निर्देश सत्र का आयोजन भी करता हैं ।

पुस्तकालय की नियमित सुविधाएँ और सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ, पुस्तकालय के सदस्य संस्थान के प्रकाशन जैसे वार्षिक रिपोर्ट, संस्थान समाचार पत्र तैयार करने में भी लगे हुए हैंय तथा संस्थान की वेबसाइट और सूचना सम्पति को बनाए रखने में भी पूर्ण रूप से योगदान करते हैं।

प्रयोगशालाएं

संस्थान ने अनेक प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र स्थापित किए हैं जो छात्रों को सीमित शैक्षिक सरोकारों से ऊपर उठा कर वैज्ञानिक परिदृश्य की कौतूहलपूर्ण दुनिया में ले जाएंगे। ये प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र संकाय और छात्रों को मौजूदा प्रौद्योगिकियों को उनकी दक्षता, सृजनशीलता तथा कल्पना से संपूरित करके बेहतर भविष्य के लिए प्रयोग में लाते हैं। आई.आई.टी. जोधपुर में स्थापित प्रयोगशालाओं की सूची नीचे दी गई हैं और इनका विवरण आगे दिया जाएगा।

क्र.सं.	प्रयोगशाला का नाम
जीव विज्ञान विभाग	
1.	प्रौन्नत बॉयोविज्ञान एवं न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला
2.	रासायनिक जीव–विज्ञान प्रयोगशाला
3.	पर्यावरण बॉयोटेक्नोलॉजी प्रयोगशाला
4.	प्रोटीन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला
रसायन विज्ञान विभाग	
1.	रासायनिक प्रयोगशाला
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	
1.	मल्टीमीडिया प्रयोगशाला
2.	नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला
इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग	
1.	नियंत्रण/डीएसपी/माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला
2.	इलैक्ट्रानिक सर्किट प्रयोगशाला
3.	यंत्रीकरण और संचार प्रयोगशाला
4.	पावर इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला
5.	रोबोटिक्स प्रयोगशाला
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग	
1.	डिजिटल भाषा प्रयोगशाला
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	
1.	प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला
2.	केंद्रीय कार्यशाला
3.	डायनामिक्स एवं वाइब्रेशन प्रयोगशाला
4.	इलेक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रयोगशाला
5.	फ़्लूइड मैकेनिक्स एंड हीट ट्रांसफर लेबोरेटरी
6.	उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला
7.	सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला

8. नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला
9. सोलर रेडिएशन प्रयोगशाला

भौतिक विज्ञान विभाग

1. बॉयोमॉलीक्यूलर सूचना प्रसंस्करण प्रयोगशाला
2. मैगनेटिक संपदा माप प्रणाली (एम.पी.एम.एस./एस.क्यू.यू.आई.डी.)
3. सामग्री विश्लेषण प्रयोगशाला
4. भौतिकी प्रयोगशाला

जीव विज्ञान विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए जीव विज्ञान विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1. प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला

प्रौन्नत बायोविज्ञान एवं न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बीआईएसएस) उत्कृष्टता केन्द्र का एक भाग है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य न्यूरोविज्ञान में अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध के लिए सेलूलर और मॉलीक्यूलर निरीक्षण उपकरण प्रदान करना है। हम ज्वलन तथा मरम्मत के लिए मॉलीक्यूलर एवं सेलूलर संबंधों में मॉलीक्यूलर तंत्र को हटाने हेतु जीवविज्ञान, जीव रसायन तथा माइक्रोस्कोपी दृष्टिकोण के साथ प्रकोष्ठ के संस्कृति अध्ययन का प्रयोग करते हैं। ज्वलन अभिज्ञातज, मस्तिष्क चोट, कैंसर, बहु उत्तक–दृढ़न, स्ट्रोक, अस्थमा, पार्किन्सन रोग और अल्जेमर रोग सहित कई रोगों का प्रमुख घटक है। ज्वलन को इनेट इम्यून सेल के संचय और प्रचुरोद्भवन द्वारा वर्गीकृत किया जाता है। इसके पश्चात मॉलीक्यूलर माध्यम का विस्तार जिसे साइटोकिन्स और कीमोकिन्स कहा जाता है, जिससे इम्यून सेल का स्थानांतरण एवं प्रचुरोद्भव हो जाता है तथा सेल मृत भी हो सकती है, के साथ मृत सेल और सेलूलर कचरा साफ होता है। संभावित रोगोपचार लक्ष्य की पहचान के लिए उस तंत्र को समझना आवश्यक है जिससे ज्वलन होता है तथा इस प्रक्रिया मे मॉलीक्यूलर माध्यम शामिल होते हैं।

2. रासायनिक जीव–विज्ञान प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला कैंसर एवं अन्य स्नायु–घातक बीमारियों के पैथोजीनेसिस का पता लगाने के लिए सेलुलर और मॉलीक्यूलर जैव–रासायनिक उपागम का प्रयोग करता है। न्यूरोनल डैथ में रूचि के चलते, इस बात में कोई आश्चर्य नहीं कि यह प्रयोगशाला दल ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीस में दिलचस्पी रखता है जो न्यूरोनल सर्वाइवल में गुणवत्ता नियंत्रण घटनाओं के लिए विशेष रूप से आवश्यक है। प्रोटीन यूबीक्यूटिलेशन अत्यधिक वर्सेटाइल और क्रमबद्ध होता है और कोशिका शरीर विज्ञान के अगणित पहलुओं को विनियमित करने वाली मल्टी स्टैप पोस्ट ट्रांसलेशनल मोडिफिकेशन एंजाइमेटिक प्रक्रिया है। इस प्रयोगशाला की तीन प्रोटियोस्टेटिस के अनुरक्षण में ई3 युबीक्यूटिन लिगेज के गुणवत्ता नियंत्रण की भूमिका का पता लगाने के लिए ऐसे ई3 लिगेज की भूमिका का अध्ययन कर रही है और इस प्रकार सेलुलर जीवन और मृत्यु के क्षेत्र में भूमिका निभा रही

है। ऐसे महत्वपूर्ण बॉयोकैमिकल निष्कर्ष मिसफोल्डिड प्रोटीन से जुड़े रोगों के लिए नवाचारी थीरेप्टिक पहलुओं में योगदान दे सकती हैं।

सेलुलर स्तर प्रक्रिया में ऑरगेनिजम में एक सुस्थापित प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली होती है जो लैब की टीम वर्तमान में समझने का प्रयास कर रही है। ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीज की भूमिका अब तक ऐसी प्रणाली में देखी गयी थी। हमारी प्रयोगशाला प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली के क्षेत्र में गुणात्मक शोध के प्रति समर्पित है। हाल ही में हमने पाया है कि ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिज ई6–एपी वाला एचईसीटी डोमेन एसओडी आई म्यूटेंट द्वारा तैयार मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेटस के साथ इसके जुड़ने के जरिए अमीट्रोफिक लेटरल सलेरोसिस रोगों में मदद करता है। ऐसे निष्कर्ष इस बात का समर्थन करते हैं कि ई3 लिगेज में मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेशन को हटाने की क्षमता हो सकती है। तथापि, सेलुलर प्रणाली की अप्रत्याशित सक्षमता की प्रशंसा करते हुए हमें चेपरोन्स की महत्वपूर्ण भूमिका को याद रखना चाहिए जिसे मिसफोल्डिड प्रोटीन को वापस लेने और इस प्रकार उन प्रोटीन के परिवर्तन के दौरान प्रयुक्त ऊर्जा के संरक्षण के उद्देश्य से ई3 यूबीक्यूटीन लिगेसिस के तुलना में वरीयता से कार्य करते हुए पाया गया है। कई उदाहरणों ने हमें यह सोचने पर मजबूर किया कि हम मिसफोल्डिड प्रोटीन को सही करने में चेपरोनस और ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिस दोनों की भूमिका का पता लगा सकते हैं। अतः, अब हम न केवल ई3 यूबीक्यूटिन का कार्य कर रहे हैं अपितु चेपरोन्स पर भी काम कर रहे हैं और सेल के लिए एक सक्षम गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली देने से उनके संचालनात्मक जुड़ाव में भी काम कर रहे हैं।

3. पर्यावरण बॉयोटेक्नोलॉजी प्रयोगशाला

आई.आई.टी. जोधपुर में पर्यावरण बॉयोटेक्नोलॉजी प्रयोगशाला विभिन्न अवर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सेवा प्रदान करने के अतिरिक्त बॉयोएनर्जी तथा बॉयोमिडिएशन के क्षेत्रों में शोध कार्य करती है। प्रयोगशाला में शोधकर्ता जल प्रदूषण और ऊर्जा का सतत जैविक हल खोजने के उद्देश्य से ऊर्जा संरक्षण प्रक्रिया तक अवशिष्ट से प्रयोगशाला परीक्षण करते है। वर्तमान में नाइट्रेट और क्रोमियम (VI) संदूषित अवशिष्ट हेतु सफलतापूर्वक बॉयोरिमिडिएशन प्रक्रिया तैयार की गई है। साथ ही, पॉवर जनरेशन तथा एलेग खेती के लिए अल्प लागत माइक्रोबियल कार्बन कैप्चर सेल तैयार की जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला में शोधकर्ता संभावित बॉयोडीजल प्रदान करने वाले नोवेल यीस्ट को पृथक करने में सफल रहे।

4. प्रोटीन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

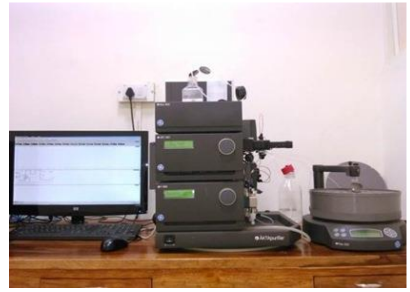

आई.आई.टी. जोधपुर में प्रोटीन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला कोलाजन जैसे उपयोगी प्रोटीन की संरचना और कार्यात्मक लक्षणों को समझने के संबंध में बॉयो सामग्री तैयार करने में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी शोध कर रही है। इस शोध के निहितार्थ प्रभावी जैव चिकित्सीय उपकरणों इम्प्लांट के विकास के प्रति भी विस्तारित किए जा सकते है।

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए रसायन विज्ञान विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1. रसायन प्रयोगशाला

आई.आई.टी. जोधपुर की रसायन प्रयोगशाला का मुख्य लक्ष्य मामले की अपनी समझ के मोर्चे पर वास्तविक समस्याओं के समाधान में वैज्ञानिक पद्धति से छात्रों को प्रशिक्षित करना है। यह एक बहु–आयामी प्रयोगशाला है जो अवर स्नातक, स्नातक और पीएच.डी. छात्रों को उनके भविष्य के व्यवसाय की योजना बनाने में सहायता करने के लिए बड़ी संख्या में संसाधन उपलब्ध कराती है।

इस प्रयोगशााला में अधुनातन प्रलेखन का एक व्यापक स्पैक्ट्रम है जिसमें बुनियादी प्रयोगशाला स्थापना (ऑर्गेनिक, इनऑर्गेनिक, आर्गनोमैटालिक एवं सामग्री संश्लेषण), नाइट्रोजन, ऑक्सीजन एवं एलपीजी गैस लाइन, इनर्ट एटमसफीयर बॉक्सेज, वैक्यूम लाइन वर्क, फ्यूम हुड पीएच, कंडक्टिविटी, बीओडी एवं सीओडी मीटर, रोटरी इवेपोरेटर, वैक्यूम पंप, सैंट्रीफ्यूजेज, हाई प्रेशन रिएक्टर सिस्टम, चिलर, हीटर्स, माइक्रोबलेंसेज, ऑर्बिटल शेकर, जीसी, एचपीएलसी और रैडलीज रैडी रिएक्टर शामिल हैं। शैक्षिक वर्ष 2012–13 में प्रयोगशाला ने पोलारीमीटर, मेल्टिंग प्वाइंट इंस्ट्रूमेंट, सोलर साइमुलेटर, डिजिटल टाइट्रेटर, कुगनरोहर, इलैक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन, और बेट्री विश्लेषण जैसे उपकरणों का प्रापण किया।

सॉलिड स्टेट प्रोब के साथ एक 500 एमएचजेड एनएमआर स्पैक्ट्रोमीटर एक आवश्यक संसाधन है जिसका मिशन शोधकर्ताओं को उनकी परियोजनाओं के संचालन हेतु एक मंच प्रदान करते हुए अत्याधुनिक उच्च फील्ड एनएमआर तथा पद्धति उपलब्ध करवाना तथा एनएमआर पद्धतियों में नई पद्धतियां विकसित करना है।

निम्नोल्लेखित चित्र रसायन विभाग में स्थापित प्रयोगशालाओं को दर्शाते हैं।

Nuclear Magnetic Resonance Spectrometer (500 MHz)

Chemistry Laboratory

Powder X-ray Diffractometer

Scanning Electron Microscope and Electron Dispersion Spectrometer

Solar Simulator

Surface Area Analyzer

Gas Chromatograph

Reactor Ready

Atomic Force Microscope

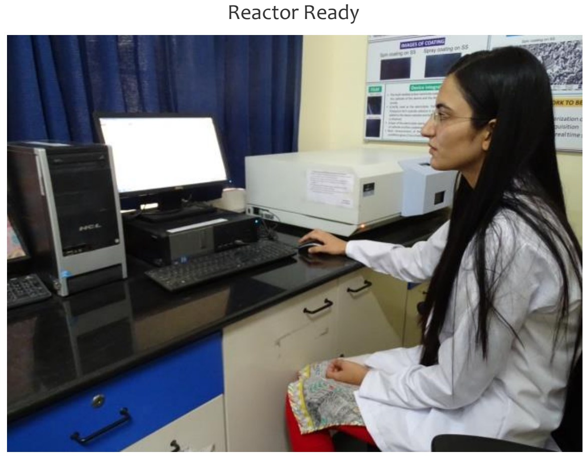
Fluorescence Spectrometer

Glow Box

High Pressure Reactor

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1. मल्टीमीडिया प्रयोगशाला

मल्टीमीडिया प्रयोगशाला ई–लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग और कम्प्यूटर विजन में कार्यक्रमों को सुसाध्य बनाती है। इस प्रयोगशाला में वीडियो/इमेज विषय वस्तु के सीमेंटिक विश्लेषण, वीडियो सर्विलांस, मानव गतिशीलता विश्लेषण, दस्तावेज छाया विश्लेषण और विषय–वस्तु पर आधारिक छाया पुनप्रापण में शोध करने पर विशेष बल दिया जाता है। ई–लर्निंग से संबंधित क्रियाकलापों में वीडियो रिकॉर्डिंग, ऑडियो–वीडियो, डिजिटाइजेशन, वीडियो संपादन इत्यादि शामिल हैं। शैक्षिक वर्ष 2011–12 में काइनेक्ट का प्रयोग करते हुए भारतीय सांकेतिक भाषा की पहचान संबंधी एक शोध आरंभ किया गया है।

उपलब्ध उपकरण –

1. स्केनर्सः बुक ड्राइव मिनि, यूएमएएक्स पावरलुक।
2. कैमरेः सोनी 177 पीडी, सोनी केमकोर्डर, केनन 500डी वीसीआर; सोनी डीएसआर 45एपी
3. ट्राइपोडसः मेनफ्रोटो, आईमेक।

2. नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने शैक्षिक वर्ष 2011–12 से कार्य करना आरंभ किया है। इसका उद्देश्य अवर–स्नातक तथा स्नातक छात्रों, जो कम्प्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में अपनी रूची का अध्ययन करते हैं; को कम्प्यूटर नेटवर्क के पहलुओं को समझने तथा एक वास्तविक सेटिंग में नेटवर्किंग उपकरणों के साथ कार्य करने के योग्य बनाना है। इसके अतिरिक्त, इस प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रौन्नत विषयों, जैसे कि वायरलैस मेस नेटवर्क, सेन्सर नेटवर्क, कम्प्यूटर नेटवर्क से पावर लाइनों पर संचार के लिए आवश्यक अवसंरचना प्रदान करना है। इस प्रयोगशाला में हुई गतिविधियां निम्नानुसार हैं।

1. नेट एफपीजीए का प्रयोग करते हुए नेटवर्किंग हार्डवेयर की प्रोटोटाइपिंग (उदाहरण, इथरनेट स्विच, आईपीवी 4 रूटर इत्यादि)।
2. क्लिक रूटर मॉड्यूलर सॉफ्टवेयर फ्रेसवर्क का प्रयोग करते हुए पैकेट प्रोसेसर का विकास।
3. मिनी–इंटरनेट, सिंग्ल–हूप वायरलैस नेटवर्क, बहु–हूप वायरलैस मेस तथा सेंसर नेटवर्क, पावर लाइन संचार नेटवर्क, गृह दूरभाषा लाइन नेटवर्क के लिए अवसंरचना की स्थापना।
4. भिन्न नेटवर्कों के संबंध में विभिन्न प्रोटोकोल के निष्पादन विश्लेषण से संबंधित अध्ययन।
5. नोवल रूटिंग एलोगरिथम, परिवहन लेयर तंत्र और अगली पीढ़ी के नेटवर्क के लिए सेवाओं का विकास।
6. प्लनेट प्रयोगशाला अवसंरचना की स्थापना (जो 500 से अधिक साइटों को जोड़ते हुए अनिवार्य रूप से इंटरनेट पर सृजित वैश्विक आबंटित कम्प्यूटिंग मंच का भाग बनेगी)। यह छात्रों और शोधकर्ताओं को न केवल इंटरनेट की ट्रैफिक पद्धति को समझने की अनुमति देती है बल्कि आबंटित स्टोरेज, नेटवर्किंग मेपिंग, पीयर–टू–पीयर प्रणाली, घटक वितरण सेवा और कलाउड कम्प्यूटिंग के लिए इंटरनेट पर नई प्रौद्योगिकी प्रयोगों को भी विकसित करेगी।

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1. नियंत्रण/डीएसपी/माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला नियंत्रण प्रणालियों, माइक्रोप्रोसेसर और डीएसपी में प्रयोग करने के लिए साफ्टवेयर और हार्डवेयर अवसंरचना उपलब्ध कराती है। मौटे तौर पर इसमें निम्नलिखित प्रायोगिक संस्थापनाएं शामिल हैं।

क. नियंत्रक प्रणालियां

1. क्वान्सर से बॉल तथा बीम प्रणाली
2. क्वान्सर मेगनेटिक लेविटेशन प्रणाली
3. क्वानसर इनवर्टिड पेंडुलम प्रणाली
4. स्किलेब/मेटलेब सहित सॉफ्टवेयर

ख. डीएसपी प्रयोगषाला उपकरण

ग. माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला

2. इलैक्ट्रानिक सर्किट प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में एनालॉग तथा डिजिटल सर्किट का डायोड, ट्रांजिस्टर, ओपाम्पस तथा क्लॉक जैसे सभी प्रकार के सर्किट उपकरणों का प्रयोग करते हुए निरीक्षण किया जा सकता है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण हैं :

1. एजिलेंट से आर्बिट्रेरी फंक्शन जेनरेटर
2. एजिलेंट से डिजिटल आक्सीलोस्कोप
3. प्रोग्रामेबल पावर आपूर्ति
4. एजिलेंट से 6 1/2 बीआईटी डीएमए

३. यंत्रीकरण और संचार प्रयोगशाला

यंत्रीकरण और संचार प्रयोगषाला का मिशन अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान और मापन तथा स्वचालन प्रौद्योगिकी में पठन और शोध का संश्लेषण करना है। इस प्रयोगशाला में स्थित अत्याधुनिक सुविधाएं संचार के खगोलीय पर्यावरण और वास्तविक समय मापन तथा वास्तविक समय मापन प्रौद्योगिकी में नवीन शोध के अवसर प्रदान करती हैं। अनुभवी प्रयोगशाला दल छात्रों की शोध में प्रतिभा का पोषण करती है और जटिल मापन विकसित करने, परीक्षण करने, नियंत्रण प्रणाली, डाटा विश्लेषण प्रणाली और अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकी विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

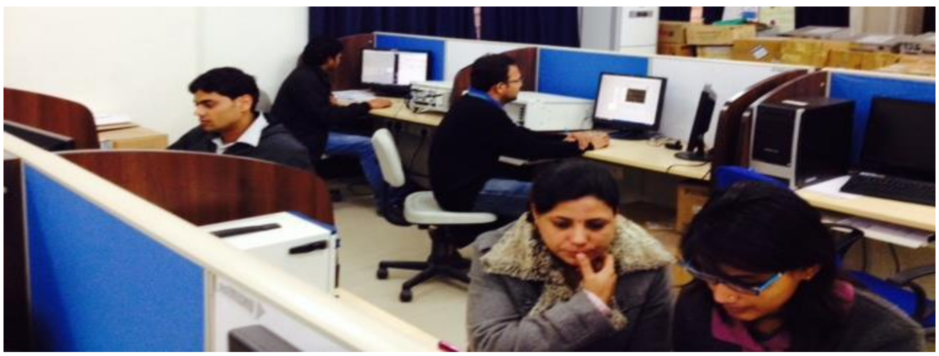

छात्र (1) बेसबेंड संचार सर्किट बनाने (2) एन.आई. लैबव्यू ग्राफिक प्रोग्रामिंग साफ्टवेयर के प्रयोग (3) पी.एक्स.आई. आधारित एन.आई. आर.एफ./वायरलैस मापन स्टैंड (4) एन.आई. डब्ल्यू.एस.एन. और लैबव्यू साफ्टवेयर का मूल्यांकन, साफ्टवेयर परिभाषित रेडियो प्रणाली समायोजित करने, अध्ययन किए गए एंटिनाओं के प्राचलों की मात्रा निर्धारित करने (5) एनालॉग मॉड्यूलेशन योजनाओं का संचार करने से संबंधित सिद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों ही ज्ञान विकसित करते हैं। एनआई–लैब में ऐसी साफ्टवेयर और हार्डवेयर उप–प्रणाली हैं जो रेपिड प्रोटोटाइपिंग तथा विभिन्न उपयोगों के लिए एम्बेडिड प्रणाली के विकास को सक्षम बनाती है। वर्तमान में प्रयोगशाला में निम्नलिखित सेट अप हैं:

1. एन.आई. एल्विस आधारित संचार प्रणाली और थ्योरी शिक्षण स्टैंड
2. स्पेकट्रल, चेनल सक्षमता अध्ययन के लिए बड़ा एमआईएमओ स्टैंड तथा नए मानक विकास
3. डब्ल्यू लेन, डब्ल्यू.आई.मैक्स, जी.पी.एस., आर.एफ.आई.डी., जिगबी, जी.एस.एम., सी.डी.एम.ए., डब्ल्यू.सी.डी.एम.ए., ब्लूटूथ हेतु प्रोटोकोल स्टैंड
4. कस्टम संचार योजना के विकास और शोध के लिए एफपीजीए–एनेबल्ड सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड रेडियो स्टैंड
5. बेसिक एनालॉग और डिजिटल संचार तकनीक शिक्षण स्टैंड
6. वायरलैस सेंसर नेटवर्क स्टैंड
7. सिग्नल सतर्कता और वायरलैस स्प्रैक्ट्ररल मॉनिटरिंग स्टैंड
8. वायरलैस प्रोटोटाइप वर्गीकरण तथा टेस्टिंग स्टैंड
9. बेस–बैंड अध्ययन और सिग्नल प्रसंस्करण के लिए एफपीजीए आधारित प्रोटोकोल विकास
10. वीएनए आधारित एंटीना वर्गीकरण स्टैंड
11. फाइबर आप्टिक संचार स्टैंड

12. नेटवर्क आधारित निर्माण
13. वास्तविक सतह डिजाइन, रिकार्ड तथा प्लेबैक, सिग्नल सतर्कता, एलगोरिथम वैद्यीकरण तथा अधिक के लिए यूएसआरपी (यूनिवर्सल साफ्टवेयर रेडियो उपस्कर) आधारित वायरलैस संचार प्रणाली
14. नेटवर्क संचार और निर्माण नियंत्रण स्टैंड

अपनी स्थापना के तीन वर्ष के पश्चात, इस प्रयोगशाला ने आई.आई.टी., जोधपुर के अधिगम और शोध गतिविधियों में अत्यधिक योगदान दिया है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से अवर स्नातक तथा स्नातक दोनों के लिए संचार एवं नेटवर्किंग लैब, सतर्क इंस्ट्रूमेंटेशन, सिस्टम विश्लेशण, तकनीक और बॉयो–सेन्सर पाठ्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। प्रोगशाला ने डिजिटल रेडियो मानकों के लिए डीआरएम/डीआरएम+आईपी के विकास, लिंक बजट डिजाइन समुंद्री वातावरण, डीआरएफएम आधारित रेडार इको साईमुलेटर सहित कई औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं के लिए सही हार्डवेयर और साफ्टवेयर उपकरण प्रदान किए हैं। प्रयोगशाला में की जा रही अन्य परियोजनाएं हैं वहनीय वायरलैस विडियो ट्रांसमिशन प्रणाली का विकास, कोइग्निटिव रेडिया और जिगबी प्रोटोकोल विकास।

4. पावर इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला

पावर इलैक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला का प्रयोग पावर इलैक्ट्रॉनिक्स आधारित पावर कन्वर्सन प्रणाली, नियंत्रण प्रणाली और ड्राइव्स के क्षेत्र में अवर–स्नातक और शोध के लिए किया जाता है। यह प्रयोगशाला संकाय और छात्रों के लिए पावर कनवर्टर और एसी/डीसी माइक्रो ग्रिड के क्षेत्रों में शोध को सुकर बनाती है। यह प्रयोगशाला आधुनिक परीक्षण और माप इंस्ट्रूमेंटस, कन्वर्टस, पावर स्पालाई और प्रोग्रामिंग बोर्डों से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला में उपलब्ध मुख्य उपकरण हैं:

1. हाई प्रीसिसन पावर एनालाइजर–योकोगवा डब्ल्यूटी 3000
2. डीएसओ–टेकट्रोनिक्स 200 एमएचजेड (डीपीओ 2024) तथा आईजीएचजेड (डीपीओ 4104बी)
3. फंक्शन जेनरेटर–टेकट्रोनिक्स एएफजी 3021बी
4. पावर स्पलाई : 0–30 वोल्ट, 1ए; 0–32 वोल्ट, 3ए; 0–32, 10ए
5. तीन फेज इनवर्टर ड्राइव
6. तीन फेज इनवर्टर स्टेकस
7. डीसी–डीसी कन्वर्टस
8. विभेदी करंट प्रोब्स
9. करंट क्लेम्प
10. आइसोलेशन ट्रांसफोर्मर्स
11. एफपीजीए प्रशिक्षण किट और प्रोग्रामिंग बोर्ड

5. रोबोटिक्स प्रयोगशाला

आई.आई.टी., जोधपुर की स्नातकोत्तर/अवर स्नातक शिक्षा और शोध हेतु एक अत्याधुनिक रोबोटिक प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित अवसंरचना हैं।

1. विकोन मोशन ट्रैकिंग प्रणाली
2. एक पावर बोट मोबाइल रोबट प्लेटफार्म पर बैरेट डब्ल्यूएएम आर्म का चल मेनिपुलेटर
3. पायोनियर पी3–डीएक्स चल रोबोट्स – 10 इकाईयां

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

शिक्षण और भाषा के अभ्यास के लिए मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग भाषा के द्वारा लैब का उपयोग किया जाता है।

डिजिटल भाषा प्रयोगशाला

डिजिटल भाषा प्रयोगशाला आई.आई.टी. जोधपुर के संपूर्ण छात्र समुदाय हेतु विदेशी भाषाओं में पढ़ाने और पढ़ने के लिए संसाधन सुविधाएं और सहायता उपलब्ध कराती है। यह प्रयोगशाला संस्थान की बहुभाषायी कंप्यूटिंग तथा मूल्यांकन केन्द्र है। प्रयोगशाला दल द्वारा ऐसी नई पद्धतियां खोजी जा रही हैं और उन्नत मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी की सहायता से क्रियान्वित की जा रही हैं जो किसी विदेशी भाषा को सीखने में अपेक्षाकृत अधिक अनुभव प्रामाणिक अनुभव हो सकती है। यह इंटरनेट तथा इंटरएक्टिव वीडियो, श्रव्य–दृश्य तकनीक, मल्टी–मॉडल आईकॉनिक एप्रोच और स्पीच की पहचान करने जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करने में सहायता करती है। पठन अभ्यास में श्रवण और निबंध, व्यापकरण पर आधारित अभ्यास, स्थानन समाधान और शिक्षण परीक्षण शामिल है। प्रयोगशाला रोबोटेल में स्मार्ट क्लस सिम्पोजियम और डाइनेट इंटरनेशनल से नए डायनेमिक इंगलिश लर्निंग कार्यक्रम आयोजित करती है। डिजिटल भाषा प्रयोगशाला में सभी सुविधाएं सक्षमता उन्मुखी और मानक–आधारित।

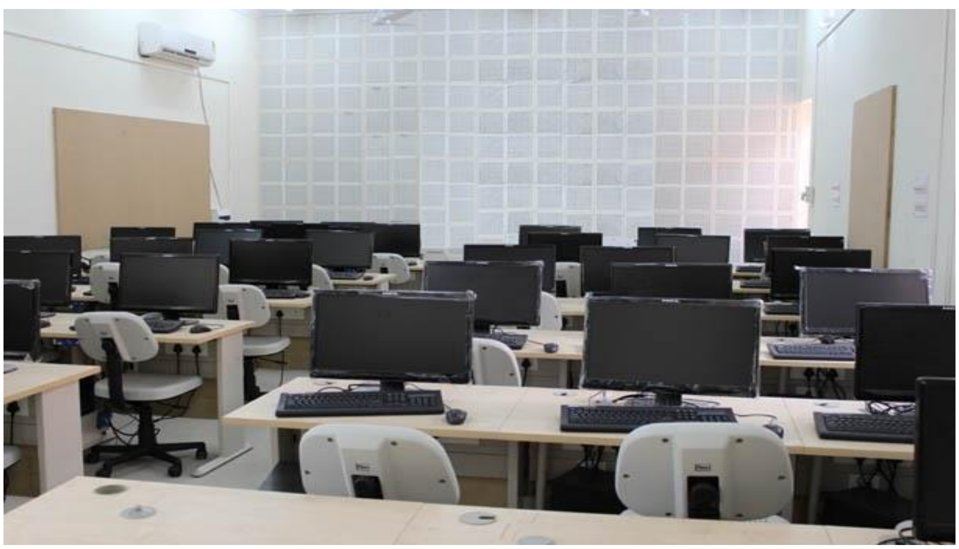

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1. प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला

प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला में प्रोई, सॉलिडवर्क, केटिया जैसे 3डी मॉडलिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए वस्तुओं का सीएडी मॉडल तैयार किया जाता है। एनसिस, नास्ट्रॉन/पैटर्न जैसे विश्लेषण सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए एफई विश्लेषण किया जाता है तथा सीएनसी प्रोग्रामिक/सीएनसी मशीनों तथा रैपिड प्रोटोटाइपिंग मशीन/3डी प्रिंटर का प्रयोग करते हुए सटीक निर्माण किया जाता है। यूटीएम, हार्डनेस टेस्टर, इम्पैक्ट टेस्टर इत्यादि का प्रयोग करते हुए मैकेनिकल बिहेवियर के लिए विनिर्माम घटकों को वर्गीकृत किया जाता है। निर्मित किए जाने वाले उत्पाद की लोचशीलता तथा सटीकता में वृद्धि, उत्पादकता में वृद्धि के लिए सीएनसी मशीनों की भूमिका दर्शाई जाती है। संस्थान की प्रोन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला निम्नलिखित सुविधाओं से सुसज्जित हैः

1. सीएडी खंड
2. सटीकता मशीनिंग खंड
3. रेपिड प्रोटोटाइपिंग खंड
4. मैकेनिकल बिहेवियर खंड

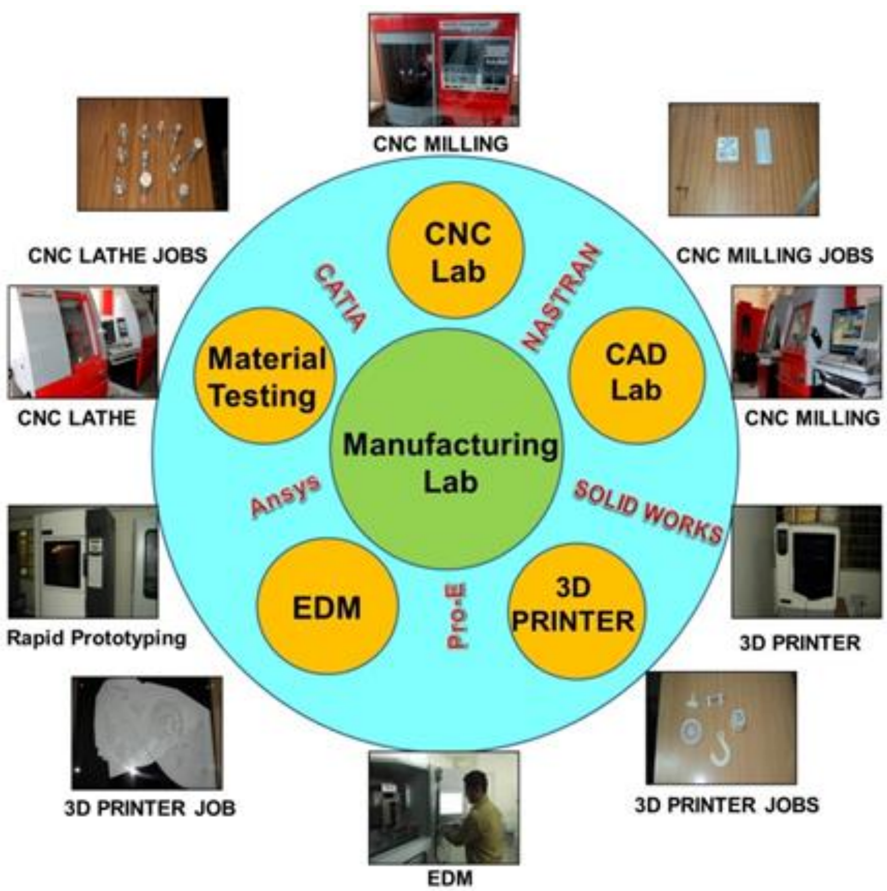

2. केंद्रीय कार्यशाला

केंद्रीय कार्यशाला संस्थान की केंद्रीय सुविधा है जिसमें वेल्डिंग शॉप, कारपेंटरी शॉप, फिटिंग शॉप, सीट मैटल शॉप, फाउंड्री तथा हीट ट्रीटमेंट शॉप और मशीन शॉप जैसी विभिन्न कार्यशालाएं शामिल हैं। अवर स्नातक छात्र अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में कार्य करके तथा परियोजनाओं में कार्य करके उपर्युक्त खंडों में अनुभव प्राप्त करते हैं और छात्र अपनी शैक्षिक परियोजनाओं के फेब्रीकेशन उद्देश्य के लिए भी इन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। यह संकाय सदस्यों तथा पीएच.डी. और एम.टेक. शोध विद्वानों के थीसिस कार्य में उनके शोध फेब्रीकेशन में सहायता प्रदान करके संस्थान की शोध एवं विकास परियोजनाओं में भी सहायता प्रदान करती हैं।

केंद्रीय कार्यशाला में निम्नलिखित मशीनें और उपकरण उपलब्ध हैः

1. वैल्डिंग ध्फ्यूम एक्सट्रेकशन डॉउन ड्राफ्ट टेबल
2. बहु–प्रकिया वैल्डिंग उपकरण
3. पोर्टेबल सिंगल फेज एमआईजी/एमएजी
4. एसी/डीसी वेल्डिंग उपकरण
5. एमआईजी/एमएजी वेल्डिंग उपकरण
6. ट्रीडल संचालित शयरिंग मशीन
7. हस्त संचालित फोल्डिंग मशीन
8. कैजन मफल फर्नेस
9. हस्तचालित जीनी अथवा बेरिंग मशीन
10. मोटरचालित सर्कल कटिंग मशीन
11. हस्तचालित सर्कल कटिंग मशीन

12. हाइड्रोलिक शेयरिंग मशीन
13. पोर्टेबल हीटिंग प्लांट
14. पोर्टेबल हार्डनिंग प्लांट
15. फोर्जिंग हीटिंग प्लांट
16. एल्यूमीनियम मेल्टिंग प्लांट
17. फिटिंग टेबल
18. मोल्ड बनाने की सुविधा
19. पोर्टेबल उपकरण ग्राइंडर

3. डायनामिक्स एवं वाइब्रेशन प्रयोगशाला

डायनामिक एवं वाइब्रेशन प्रयोगशाला विभिन्न प्रणालियों जैसे कि मोटराइज्ड गैरोस्कोप एपरेट्स स्टेटिक और डायनामिक बैलेंसिंग एपरेट्स, यूनीवर्सल गवर्नर एपरेट्स, कोरियोइल्स कम्पोनेंट ऑफ एक्सीलेरेशन एपरेट्स, एपीसाइक्लिक गियर ट्रेन एपरेट्स, कैम एनालीसिस मशीन एपरेट्स, यूनीवर्सल वाइब्रेशन एपरेट्स, स्ट्रोबोस्कोप और टेकमीटर 10 से सुसज्जित है जो छात्रों की विभिन्न प्रणालियों के व्यवहार को समझने में सहायता करते है और उन पर कार्य करते है।

इसके अतिरिक्त, यह प्रयोगशाला विभिन्न पर्यावरण परिस्थितियों में इसके रेजोनेन्श विशेषता का पता लगाने के लिए मशीन अथवा स्ट्रक्चर की गति हेतु मशीन अथवा स्ट्रक्चर और उपकरण के वाइब्रेशन लक्षणों की गणना के लिए विभिन्न वाइब्रेशन माप उपकरणों के साथ भी सुसज्जित हैं। घटक से लेकर स्ट्रक्चर तक के माप और/अथवा वाइब्रेशन लक्षण परीक्षण के लिए निम्न उपकरण उपलब्ध हैं।

4. इलेक्ट्रो मैकेनिकल (ईएम) ऊर्जा संरक्षण प्रयोगशाला

छात्रों को इलेक्ट्रिकल मशीन विशेषताओं और लक्षणों के प्रति परिचित कराने के लिए आई.आई.टी. जोधपुर ने 'इलेक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रयोगशाला' की स्थापना की है और यह अपनी प्रयोगशाला सुविधाओं की क्षमता का सतत् रूप से विकास करता रहा है। इस प्रयोगशाला में अत्याधुनिक "इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग" सुविधाएं छात्रों को वास्तविक प्रयोग वातावरण में मशीनों के कई प्रयोगात्मक और औद्योगिकी प्रयोगों सहित इलेक्ट्रो–मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रक्रिया के मूल के साथ स्वयं को परिचित कराते हुए उनकी क्षमताओं को सशक्त बनाती है। यह प्रयोगशाला सतत् विकास प्रयासों के साथ मूल तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पारंपरिक और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है।

5. फ्लूइड़ मैकेनिक्स एंड हीट ट्रांसफर लेबोरेटरी

फ्लूइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला में छात्र निम्नलिखित के बारे में सीखते है:

1. प्रयोगात्मक आंकड़ों का विश्लेषण और मूल्यांकन
2. थ्योरीटिक्ल मॉडल और प्रयोगात्मक आंकड़ों के बीच तुलना
3. एक फ्लूइड मैकेनिकल तथा हीट ट्रांसफर प्रणाली कैसे तैयार करें उदाहरण के लिए एक पाइप प्रणाली जिसमें विभिन्न तकनीकी पहलुओं, हीट एक्सचेंजर, थर्मल ऊर्जा भंडार, रिसीवर, विंड कैचर, वॉल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर पर विचार किया गया हो।

उपर्युक्त के अलावा इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों में प्रयोगों तथा लघु स्तर की परियोजनाओं के डिजाइन का संवर्धन करके नवाचारी विचारों का सृजन करना है। वर्तमान में फ्लूइड मैकेनिक प्रयोगशाला में पाइप (साफ/खुरदरे) और फिटिंग (उदाहरण वाल्व, बेंड) में हानि संबंधी प्रयोग, विभिन्न फ्लो–मीटर, पार्टिकल इमेज वेलोसीमीट्री तकनीक, हॉट–वॉयर एनीमोमीटर, लैब स्केल सब सोनिक विंड टनल एक सैलेंडर/एयर–फायल के दाब वितरण, लिफ्ट तथा ड्रेग संतुलन, बाउंड्री लेयर विकास, मौसम निगरानी के बीच तुलना संचालित किए जाते हैं। इसके अलावा, यह प्रयोगशाला अग्नि सिमुलेशन के लिए सीएफएएसटी जैसे मानक सॉफ्टवेयर के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करती है।

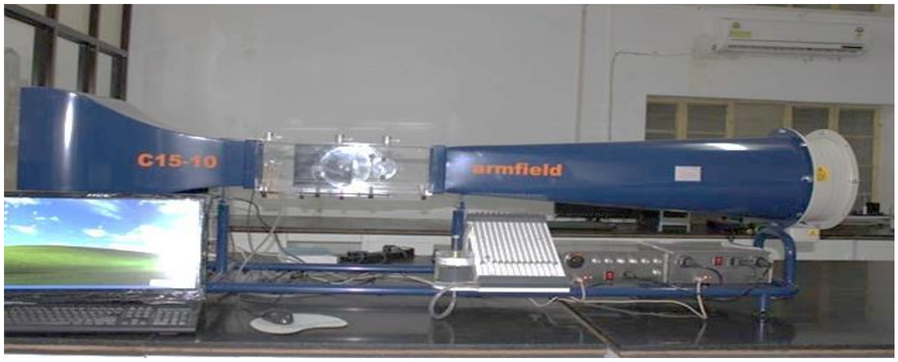

वर्तमान में हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला विभिन्न थर्मोमीटरी तकनीक, हीट एक्सचेंज प्रणाली, वेंटीलेशन प्रणाली, प्राकृतिक एवं फोर्स्ड कन्वेंशन प्रणाली, विभिन्न सामग्रियों के लिए हीट कंडक्शन ईकाई, लैब तथा औद्योगिक–स्तर सौर जल हीटर प्रणाली और थर्मल रेडीएशन ईकाई से सुसज्जित है। ये सभी उपकरण संबंधित सॉफ्टवेयर के साथ स्थापित किए गए हैं।

इन प्रयोगशालाओं में परीक्षण, केलीब्रेशन और शोध उद्देश्य के लिए पार्टीकल एनालाइजर के साथ लेजर डॉप्लर वेलोसीमीटर, दाव तथा ताप केलीब्रेशन, बेरीएबल फ्लो के साथ ब्लोअर, प्रेसर ट्रांसडूसर, डिफरेंशियल प्रेसर ट्रांसडूसर, टर्बाइन टेस्ट रिग, टर्बो–मशीन टेस्टरिग, आईसी इंजन, टेस्टरिग इत्यादि जैसे विभिन्न उपकरणों का प्रापण किया गया है।

इसके अतिरिक्त, बहु–उद्देश्य टेस्ट सेटअप को स्वदेशी रूप से तैयार किया जा रहा है और उनमें शामिल वस्तुओं/उप–प्रणालियों को स्थानीय रूप से तैयार किया जा रहा है। इस प्रणाली का उद्देश्य वॉल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल एनर्जी स्टोरेज, एयर–वाटर हीट एक्सचेंज सिस्टम जैसी सौर थर्मल उप–प्रणालियों तथा उनके सतत् संचालन का निरीक्षण और मूल्यांकन करना है। अर्थ एयर हीट एक्सचेंज सिस्टम, विंड कैचर और एयर–कूल्ड एक्सचेंज प्रणाली जैसे उपकरणों को कुछ प्रयोगों के लिए तैयार और परीक्षित किया जा रहा है।

6. उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला

''आई.आई.टी. जोधपुर में सौर थर्मल शोध एवं शिक्षा में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना'' नामक एम.एन.आर.ई. वित्तपोषित परियोजना के तहत छः प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं। उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला इन विशिष्ट प्रयोगशालाओं में से एक है। इस प्रयोगशाला के उद्‌देश्य हैं :–

1. फ़्लूइड फ्लो और ताप हस्तांतरण संबंधी समस्याओं के मूल पहलू जैसे कि धूल संचयन
2. सघन सौर थर्मल प्रणालियों के लिए उप–प्रणाली का डिजाइन और विश्लेषण

इस प्रयोगशाला में तैयार तथा विश्लेषित कुछ उप–प्रणालियां हैं :–

क. प्रक्रिया ताप प्रयोग हेतु खुला वोल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर
ख. कम्पेक्ट हीट एक्सचेंजर
ग. सोलर कन्वेक्टिव फर्नेस

इस प्रयोगशाला में सौर वायु टावर साइमुलेटर (एस. एटी.एस.), लेजर डोपलर वीलोसिमीट्री जैसे प्रौनन्त शोध ग्रेड उपकरण जैसी परीक्षण सुविधा शामिल है। एसएटीएस सुविधा में खुला वोल्युमीट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल उर्जा स्टोरेज, वायु–जल ताप आदान–प्रदान शामिल है और इसका सौर कनवेक्टिव फर्नेस के साथ विस्तार किया जा रहा है।

7. सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला

संस्थान की सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के परीक्षण नमूनों की सुविधा प्रदान करती है जिससे उनकी यांत्रिकी विशेषताओं जैसे कि इलास्टिसिटी का मॉड्यूल, टेनसाइल और व्यापक क्षमता, तनाव मोड़, बेंडिंग लक्षण, हार्डनेस इत्यादि जैसे यांत्रिकी लक्षणों का पता लगाया जा सके। प्रयोगशाला निम्नलिखित परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित है:

1. सार्वभौमिक परीक्षण मशीन 5–50 केएन
2. रॉकवेल टेस्टर
3. ब्रिनेस टेस्टर
4. विकर्स टेस्टर
5. पोलडी हार्डनेस टेस्टर
6. पोर्टेबल हार्डनेस टेस्टर
7. सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी।

8. नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला

आधुनिक विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं की बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए और हमारे राष्ट्र द्वारा पुराने ईंधन पर अत्यधिक भरोसा करने से आई.आई.टी., जोधपुर को नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला (आरईएल) का संवर्धन करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य से ऊर्जा तथा पर्यावरण से संबंधित मसलों पर शोध करने पर प्रोत्साहन मिला है। आर.ई.एल. नवीकरणीय ऊर्जा को डिजाइन करने, परीक्षण करने और उसका प्रसार करने तथा सक्षम ऊर्जा प्रणाली पर ध्यान देता है। आरईएल का उद्देश्य है उन प्रौद्योगिकियों की सहायता करना जिससे ये उद्योग और विकासशील देशों में सतत पर्यावरणीय विकास में योगदान

करें। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में इस प्रयोगशाला के संकाय और छात्र एक ऐसी नवाचारी प्रणाली का सृजन करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे सूर्य से और वायु से ऊर्जा का सक्षम रूप से उत्पादन हो सके। हाल ही में घरेलू विकास के लिए सौर और वायु ऊर्जा पर शुरू की गई परियोजना में ऊर्जा इंजीनियरी और पर्यावरणीय जोखिम विश्लेषण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शोध की योजना का प्रारूप तैयार किया गया है। आरईएल में कम्प्यूटर इंटरफेस सिस्टम है जिसमें लगभग 30 छात्र एक समय में काम कर सकते हैं। छात्र आरईएल के सर्वोच्च संसाधन हैं और आई.आई.टी., जोधपुर ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में काफी प्रगति हासिल की है और वह आरईएल में एक व्यवहार्य है और वह आरईएल में एक व्यवहार्य योजना बनाने तथा नवाचार शोध करने के लिए सभी अपेक्षित संसाधन प्रदान करता रहा है। आरईएल के विकास का एक पहलू अन्य शैक्षिक और औद्योगिक समूहों की भागीदारी का विकास करना है। भविष्य में यह प्रशिक्षण और सार्वजनिक निजी क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक हब होगा। हाल ही में, प्रयोगशाला ने माइक्रोबिअल फ्यूल सेल के प्रोटोटाइपिंग पर पेनासोनिक आरएंडडी इंडिया प्रा. लि. के साथ एक परामर्शदात्री परियोजना आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, लैब ने राजस्थान और गुजरात में 5 एम.डब्ल्यू. से कम पी.वी. पावर संयत्रों का आंकड़ा संग्रह, व्याख्या और विश्लेषण का आरंभ किया है।

नवीकरणीय उर्जा प्रयोगशाला निम्नलिखित उपकरणों का उपयोग करती है:

1. 2 किलोवाट चार्ज के नियंत्रक~12 वोल्ट विंड पावर के साथ, स्थायी मेगनेंट के साथ सिन्क्रोनाइजर जनरेटर ~12 वोल्ट, लैम्प बोर्ड~12 वोल्ट, ऑफ ग्रिड इनवर्टर इत्यादि।
2. डीसी कनवर्टर, इलैक्ट्रानिक लोड, मेटल हाइडराइड स्टोरेज सेल, इलैक्ट्रोलाइजर, 200 वाट/20 वोल्ट/10 ए के साथ पीईएम फ्यूल सेल।
3. प्रौन्नत फोटोवोल्टिक्स सोलर मॉडयूल साइमुलेशन मॉडल 23 वोल्ट/2 ए, सोलर आल्टीटयूट इमुलेटर के साथ सोलर मॉडयूल, सोलर चार्ज नियंत्रक 12/24 वोल्ट, 6ए सोलर एकुमुलेटर 12 वोल्ट, 7 एएच, ऑफ ग्रिड इनवर्टन 230 वोल्ट, 275 वीए इत्यादि।
4. कोटिंग प्रयोग के लिए समेकित आरएफ/डीसी स्पुटरिंग।

9. सोलर रेडिएशन प्रयोगशाला

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने आई.आई.टी. जोधपुर के परिसर को उनके एक सौलर रेडिएशन केंद्र के रूप में चुना है। सोलर रेडिएशन माप (वैश्विक और प्रत्यक्ष), आद्रता, एमबीएन्ट ताप, रैनगोज और विंड स्पीड माप कार्य इस केंद्र किए जाते है और आंकड़ों को एक सेटेलाइट लिंक के जरिए एमएनआरई के चेन्नई में नोडल केंद्र सी–वेट को प्रेषित किया जाता है। इस प्रयोगशाला में उपकरण कई सौलर पैनलों से युक्त हैं। इस केंद्र में एकत्रित आंकड़ें सोलर थर्मल और सोलर फोटोवोल्टिक संयंत्रों की स्थापना के लिए अपेक्षित सोलर संसाधन मूल्यांकन समर्थ बनाता है जैसा कि जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सोलर मिशन (जेएनएनएसएम) में दर्शाया गया है।

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए भौतिक विज्ञान विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1. बॉयोमॉलीक्यूलर सूचना प्रसंस्करण प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के बायोमॉलीक्यूलस तथा संबद्व सिंथेटिक मॉलीक्यूल्स द्वारा सूचना प्रसंस्करण को समझने में रत है। प्रक्रिया में पहले एकल मॉलीक्यूल का प्रयोग करना और तत्पश्चात् दी गई सतह पर मॉलीक्यूल के समूह का प्रयोग करना शामिल है। किसी बाह्य उत्तक में मॉलीक्यूलस के बीच परस्पर संबंध हमें उनके बीच संचार को समझने में सहायता करेगा।

2. मैगनेटिक संपदा माप प्रणाली (एमपीएमएस/एसक्यूयूआईडी)

आई.आई.टी. जोधपुर ने पदार्थ वर्गीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सुविधा सृजित की है। हाल ही में मैगनेटिक संपदा माप प्रणाली (एमपीएमएस) का प्रापण करके इसमें एक अतिरिक्त आयाम जोड़ा गया है। एमपीएमएस (एसक्यूयूआईडी) की स्थापना आने वाले कुछ माह में की जा रही है। यह क्षेत्र निर्भर मैगनेटिक माप के सहयोजन से डीसी तथा एसी दोनों मैगनेटिक माप हेतु बृहत ताप 2 के–1000के की श्रेणी प्रदान करेगा। ऐसे माप मैगनेटिक विशेताओं को समझने तथा मैगनेटिक सामग्रियों से संबद्ध स्पिन डायनामिक्स में सहायता करेगा।

3. सामग्री विश्लेषण प्रयोगशाला

शोध में उर्जा सृजन तथा भंडारण हेतु सामग्रियों सहित विभिन्न प्रयोगों के लिए अभिनव सामग्रियों के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। वर्तमान कार्य में सौर सेल प्रयोग हेतु सॉल्यूशन योग्य सीआईजीएस कंपाउंड सेमीकंडक्टर का विकास तथा लिथियम आयन बैट्री और सुपरकेपेसीटर प्रयोग के लिए ट्रांजीशन मेटल ऑक्साईड आधारित सामग्री का विकास शामिल है। यह प्रयोगशाला स्पुटरिंग, सोल–जेल प्रक्रिया एसेम्बली इत्यादि जैसी बड़ी तथा पतली फिल्म तकनीकों के सिंथेसिस आसैर एक्स–रे डिफरेक्शन, स्केनिंग इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोप, ऑप्टीकल स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक एलसीआर मीटर, बड़े नमूने हेतु फेरोइक माप प्रणाली इत्यादि जैसी कई वृगीकरण तकनीक से सुसज्जित है।

इसके अतिरिक्त, समूह सौर चुनिंदा कोटिंग, उच्च बारंबारता अवशोषक प्रणाली के लिए फेरोइक सामग्री और विभिन्न प्रयोग के लिए मेनेटिक पार्टिकल जैसे विभिन्न प्रयोगों के लिए बहु संचालन सामग्रियों के विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करता है। यह प्रयोगशाला थर्मल विश्लेषण, इलैक्ट्रोकैमिकल विश्लेषण, सर्फेस मोर्फोलोजी अध्ययन, रसायनों के पृथक्करण तकनीक, विद्युत संचालन माप उपकरणों, ग्लाव बॉक्स इत्यादि के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

4. भौतिकी प्रयोगशाला

आई.आई.टी. जोधपुर की भौतिकी प्रयोगशाला का मिशन विद्यार्थियों को मूलभूत भौतिकी का प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराना है। इस प्रयोगशाला में विशिष्ट उपकरणों सहित अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं जहां मेकैनिक्स, वेब्स, इलेक्ट्रीसिटी, मैग्नेटिज्म और ऑप्टिक्स में विभिन्न प्रयोग किए जाते हैं। अब प्रयोगशाला में प्रकाश की गति, जीमेन प्रभाव और माइकल्सन इंटरफेरोमीटर के साथ प्रयोग के लिए सुविधा मौजूद है।

स्वास्थ्य केन्द्र

आई.आई.टी. जोधपुर अपने आवासीय परिसरों में संस्थान के छात्रों, संकाय और कर्मचारी सदस्यों को चौबीस घंटे स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है। स्वास्थ्य केन्द्र में 5 डॉक्टर और 5 सहायक स्टाफ़ सदस्य हैं। दोनों आवासीय परिसरों में सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र मौजूद हैं। दोनों परिसरों के स्थान और निवासियों के पृथक प्रकार के कारण जी.पी.आर.ए. कैम्पस में स्वास्थ्य केंद्र 24 घंटे सेवाएं प्रदान करता है, जबकि बी.एस.एन.एल. परिसर में शाम को 5 बजे से 10 बजे तक, सीमित अवधि के लिए चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। आवासीय परिसरों में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता के अतिरिक्त शैक्षिक परिसर में भी चिकित्सा सहायता उपलब्ध है। सामान्यतः यह सहायता चालू प्रयागशाला सत्र के दौरान जब चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता की संभावना होती है, उस समय सांय 3 बजे से सांय 4:30 बजे तक प्रदान की जाती है। संस्थान में 24 घंटे एम्बूलेंस सेवा उपलब्ध है।

स्वास्थ्य केंद्रों के अतिरिक्त संस्थान ने जोधपुर शहर के 5 अस्पतालों को पैनलबद्ध किया है। इनमें से दो अस्पतालों में ओपथालमोलॉजी में विशेषज्ञता है और एक की अर्थोपेडिक में विशेषज्ञता है तथा बाकी दो अस्पताल शहर में सुज्ञात सामान्य उद्देश्य अस्पताल है। विशिष्ट चिकित्सा के लिए हमारे स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर रोगियों को इन अस्पतालों में से किसी एक में भेजते हैं। इन पांच अस्पतालों के अतिरिक्त शहर में एक चिकित्सा कॉलेज और राजस्थान सरकार द्वारा संचालित तीन अस्पताल है। साथ ही, शहर का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जीपीआरए कैम्पस से लगभग 12 किलोमीटर और बीएसएनएल कैम्पस से लगभग 5 किलोमीटर दूर है। साथ ही, संस्थान ने चिकित्सा कॉलेजों तथा एम्स के वरिष्ठ डॉक्टरों को शामिल करते हुए एक चिकित्सा बोर्ड का गठन किया है तथा स्वास्थ्य केंद्र तथा आकस्मिक चिकित्सा मामलों में चिकित्सा सेवाओं की वृद्धि के लिए सलाह ली जाती है। आई.आई.टी. जोधपुर ने जयपुर में दो अस्पतालों को पैनलबद्ध किया है। ये दोनों अस्पताल राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रत्यायित हैं तथा रोगियों को उपचार की आवश्यकता के अनुसार इन अस्पतालों में भेजा जा सकता है

यह स्वास्थ्य केन्द्र छात्रों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों को ऐसे अन्य अस्पतालों, जो आंतरिक रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए संस्थान द्वारा प्रत्यायित हैं, में भर्ती के दौरान उनके उपचार का समन्वय और पर्यवेक्षण करता है। स्वास्थ्य केन्द्र में किसी चिकित्सा आकस्मिकता के दौरान बुलाए जाने के लिए अपनी स्वयं की एक एम्बुलेंस है।

स्वास्थ्य केन्द्र संस्थान के विजिटरों को आवासीय क्षेत्र में उनके आवास के दौरान अनुरोध प्राप्त होने पर अपनी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करता है। आपात परिस्थितियों में चिकित्सा सेवाएं परिसर के उन नागरिकों को भी प्रदान की जाती हैं जो आई.आई.टी. समुदाय से संबद्ध नहीं हैं। रोगियों के रिकार्ड, खरीदी गई/वितरित दवाईयों के ब्यौरे, परिसम्पतियां, उपकरण आदि सभी के रिकार्ड कम्प्यूटर द्वारा रखे जाते हैं।

खेल सुविधाएं

खेलों के लिए सुविधाएं चार स्थानों नामतः छात्रावास परिसर, शैक्षिक परिसर, विद्याश्रम अंतर्राष्ट्रीय स्कूल के खेल मैदान तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नये परिसर में प्रदान की जाती हैं। संस्थान में संभार तंत्रीय कार्यालय द्वारा परिवहन की व्यवस्था की जाती है। आवासीय परिसर में छात्रों के प्रयोग के लिए एक जिम्नेजियम भी उपलब्ध है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

आई.आई.टी. जोधपुर ने भारत सरकार द्वारा जारी आरक्षण नीतियों और दिशा–निर्देशों का समुचित उपयोग और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ संस्थान में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों एवं कर्मचारियों से प्राप्त शिकायतों से संबंधित मामलों पर कार्रवाई करता है। यह प्रकोष्ठ संस्थान में एससी/एसटी तथा ओबीसी छात्रों और कर्मचारियों से संबद्ध मामलों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा संस्थान के बीच एक संचारकर्ता के रूप में कार्य करता है। आई.आई.टी. जोधपुर एमसीएम छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का चयन करते हुए आरक्षण नीति का पालन करता है। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति के छात्र जिनकी पारिवारिक आय 6 लाख रूपए प्रति वर्ष तक है, संस्थान द्वारा की गई पहल से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा तैयार सर्वोच्च श्रेणी शिक्षा के केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति का लाभ उठा रहे हैं।

महिला प्रकोष्ठ

भा.प्रौ.सं. जोधपुर का महिला प्रकोष्ठ कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 में निहित प्रावधानों के अनुसार कार्य करता है । वित्तीय वर्ष 2015–16 में महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कुछ गतिविधियां निम्नलिखित हैं

सार्वजनिक भाषण

संस्थान के महिला प्रकोष्ठ द्वारा 18 सितंबर 2015 को एक आयोजन किया जिसमे वकील डॉ नूपुर भाटी द्वारा ष्कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न और कानून के पूर्व उदाहरणष पर एक भाषण दिया। राजस्थान उच्च न्यायालय में कार्यरत वकील डॉ नूपुर भाटी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को स्पष्ट किया और उदाहरण के रूप में कुछ मामलों को भी बताया। भाषण के आयोजन में संकाय सदस्य, स्टाफ, छात्र, और महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा भाग लिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2016 का समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2016 को 8 मार्च 2016 में मनाया गया। यह कार्यक्रम भा.प्रौ.सं. जोधपुर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की वर्तमान न्यायाधीश माननीय जयश्री ठाकुर ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया।

इस से पहले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के महिला प्रकोष्ठ ने छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्रतीक चिन्ह डिजाइन और आदर्श–वाक्य लेखन की प्रतियोगिता का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में विजेताओं और द्वितीय विजेताओं को पुरस्कार और प्रशंसा के प्रमाण पत्र दिए गए । मुख्य अतिथि को एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के महिला प्रकोष्ठ ने इसी दिन आधिकारिक प्रतीक चिन्ह और एक आदर्श–वाक्य भी अपनाया, जो कि मुख्य अतिथि द्वारा जारी किया गया स वे भा.प्रौ.सं. जोधपुर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रतीक चिन्ह डिजाइन और आदर्श–वाक्य लेखन के पुरस्कार जीतने वालों की कृति थी। इसके बाद, "महिलाओं के योगदान" विषय पर एक लघु वीडियो भी दिखाई गई। कार्यक्रम का समापन भा.प्रौ.सं. जोधपुर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रतीक चिन्ह डिजाइन और आदर्श–वाक्य लेखन प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियों की प्रदर्शनी के साथ संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति जयश्री ठाकुर सभा को संबोधित करते हुए

महिला प्रकोष्ठ के लिए प्रतीक चिन्ह और आदर्श–वाक्य प्रकाशित करते हुए

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के महिला प्रकोष्ठ के सदस्य

प्रतीक चिन्ह डिजाइन और आदर्श–वाक्य लेखन प्रतियोगिता की प्रदर्शनी

लैंगिक बुद्धिमत्ता कार्यशाला

संस्थान के महिला प्रकोष्ठ ने 5–7 मई 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. जोधपुर के सभी कर्मचारियों के लिए "लैंगिक बुद्धिमत्ता" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया । कार्यशाला को सुश्री रश्मि दत्त और सुश्री मोना दत्ता द्वारा संचालित किया गया। कार्यशाला के पहले भाग में महिलाओं के लिए मुखर प्रशिक्षण पहलू पर ध्यान केंद्रित किया गया जिसमे संस्थान की सभी महिला कर्मचारियों ने भाग लिया । कार्यशाला का दूसरा भाग सभी पुरुष और महिला कर्मचारियों के लिए था। कार्यशाला में में संकाय सदस्य, स्टाफ, छात्र, और महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों ने भाग लिया।

"लैंगिक बुद्धिमत्ता" पर कार्यशाला भाग 1– महिलाओं के लिए मुखर प्रशिक्षण सत्र

"लैंगिक बुद्धिमत्ता" पर कार्यशाला भाग 2– यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर सत्र

"लैंगिक बुद्धिमत्ता" पर कार्यशाला के विशेषज्ञों के साथ प्रतिभागी

छात्र गतिविधियां

छात्र जिमखाना

"छात्र जिमखाना" छः विंग में बांटा गया है जिन्हें "परिषद" कहा जाता है। प्रत्येक परिषद् विभिन्न प्रकोष्ठों में बांटी गई है। ये परिषद एवं उनके प्रकोष्ठ छात्रों की विभिन्न रुचियों को पूरा करते हैं और उनके समग्र विकास में योगदान देते है। ये छः परिषद निम्न हैं–

(1) शैक्षिक, शोध एवं प्रबंधन (ए.आर.एम.) परिषद,
(2) मीडिया, आर्ट्स और डिज़ाइन (एम.ए.डी.) परिषद,
(3) प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान को पोषण–समझना (एन.यू.टी.एस.) परिषद,
(4) खेल, साहसिक कार्य, क्रीड़ा और अवेषण (एस.ए.जी.ई.) परिषद, और
(5) लेखन, जागरूकता, वोकल, मनोरंजन (डब्ल्यू.ए.वी.ई.एस.) परिषद

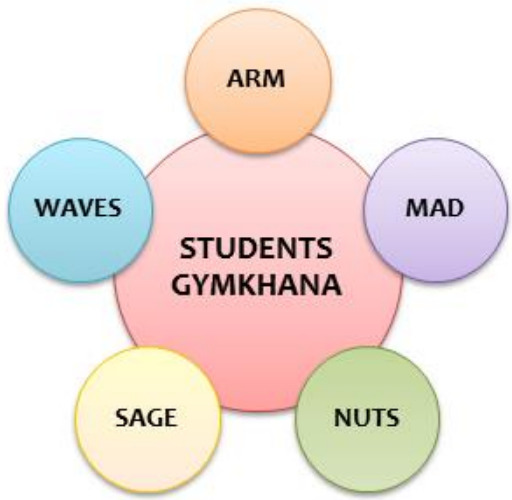

शैक्षिक, शोध एवं प्रबंधन (ए.आर.एम.) परिषद

शैक्षिक, शोध एवं प्रबंधन (ए.आर.एम.) परिषद शैक्षिक एवं शोध से संबंधित सभी गतिविधियों और पहलों के लिए एक मंच है। यह संस्थान में छात्रों में शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करती है। साथ ही, यह सोसाइटी निर्णय निर्धारण में छात्रों की प्रभावी भागीदारी के लिए भी कार्य करती है। एआरएम सोसाइटी का लक्ष्य निम्न है।

(क) छात्र–संकाय मेल–मिलाप को मजबूत बनाना और उन्हें केवल औपचारिक संबद्धन से आगे ले जाना;

(ख) छात्रों के लिए संकाय सदस्यों के तहत शोध परियोजनाएं संचालित करने हेतु एक मंच के रूप में कार्य करना और वास्वतिक समस्याओं के संबंध में छात्र समुदाय ने पहचान का वातावरण तैयार करना; और

(ग) छात्रों को हाल की खोज और प्रौद्योगिकीय उपलब्धियों तथा अनुसरण किए जाने वाले अनेक अवसरों तक प्रदर्शन प्रदान करने के लिए विभिन्न तकनीकी बैठकों और सेमीनारों का आयोजन करना।

ए.आर.एम. परिषद के कार्यकलाप और जिम्मेदारियां निम्न हैं।

(क) वैयक्तिक छात्रों को उनकी विशिष्ट शैक्षिक चिंताएं हल करने में सहायता प्रदान करना;

(ख) केंद्रीकृत शैक्षिक सुविधाओं जैसे कि कंप्यूटर केंद्र, पुस्तकालय और पठन–कक्ष के साथ समन्वय करना;

(ग) संस्थान की सीनेट की शैक्षिक पाठ्यचर्या में संशोधन जैसे मुद्दों पर सहायता करना; और

(घ) शैक्षिक तथा शोध मुद्दों पर छात्रों की चिंताओं को साझा करना।

यह सोसाइटी छात्र जिमखाना की सभी सोसाइटियों की विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन और जनसंपर्क से संबंधित सभी मामलों का कार्य देखती है जो कि संस्थान में घटित होते हैं। यह व्यक्तित्व, प्रबंधन कौशल, सार्वजनिक वक्तव्य, लेखन और छात्र सहपाठियों के साथ समन्वय में वृद्धि करने में छात्रों के समग्र विकास के लिए सहायता करती है। इस सोसाइटी के तहत निम्नलिखित प्रकोष्ठ कार्य करते है।

(क) संवर्धन प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ विभिन्न अंतरा और अंतरकॉलेज उत्सवों, वर्ष भर में आयोजित किए जाने वाले विशेष इवेंटों तथा सेमीनारों के लिए विषय–वस्तु लिखता है और रिपोर्ट करता है। यह स्थानीय मीडिया में प्रकाशित किए जाने वाली विषय–वस्तु का भी समन्वय करता है।

(ख) सार्वजनिक वक्तव्य एवं व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ

सार्वजनिक वक्तव्य एक अति मह्तवपूर्ण पहलू है जो किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है। यह प्रकोष्ठ सार्वजनिक वक्तव्य कौशल में सुधार लाने, आत्म–विश्वास के स्तर को बढ़ाने और सार्वजनिक वक्तव्य में छात्रों को दक्ष बनाने के लिए सत्रों का आयोजन करता है।

(ग) उद्यमशीलता प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ अन्य संस्थानों के ई–प्रकोष्ठों के साथ समन्वय करता है और उद्यमशीलता से संबंधित विभिन्न सेमीनारों और उपयोगी गतिविधियों का संचालन करता है।

(घ) संसाधन प्रबंधन प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य विभिन्न अंतर और अंतरा स्तरीय गतिविधियों के दौरान कुशलता से संसाधनों का प्रबंधन करना है।

(ङ) वित्त एवं मामला अध्ययन प्रकोष्ठ

कई व्यक्ति अपने जीवन में कई बार निवेश और वित्तीय निर्णयों में कठिनाई का सामना करते हैं। वित्तीय सहायता के बारे में स्पष्ट सूचना उन्हें ऐसे निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती हैं। यह प्रकोष्ठ छात्रों को ऐसे मामला अध्ययन लेने में सहायता करता है जो यह देखने में सहायक होते हैं कि जीवन की वास्तविक परिस्थितियों में निर्णय लेने में जटिलताओं का सामना कैसे किया जा सकता है।

(च) नेतृत्व वृद्धि और समग्र विकास (एलईएडी)

यह पी.आर.ओ.एम. का एक कदम है जिसका उद्देश्य छात्रों के समग्र व्यक्तित्व तथा सॉफ्ट स्किल का संवर्धन करना तथा उन्हें व्यावसायिक जगत के लिए तैयार करना है।

व्यावसायिकों द्वारा व्यक्तित्व निखार, जीवन–वृत्ति लेखन, व्यक्तिगत साक्षातकार इत्यादि में कुशलताओं हेतु कार्यशालाओ का आयोजन किया जाता है। छात्रों को साक्षात्कार के लिए प्रशिक्षित करने के लिए तथा उनके व्यक्तित्व का विकास करने में सहायता प्रदान करने के लिए ग्रुप डिस्कशन, कृत्रिम इंटरव्यू तथा पब्लिक स्पीकिंग सत्रों का आयोजन किया जाता है। छात्र न केवल व्यावसायिकों परंतु वरिष्ठ परामर्शदाताओ से ही विशेषज्ञ दिशा–निर्देश प्राप्त करते हुए वास्तविक जगत का परिचय प्राप्त करते है।

मीडिया, आर्ट्स और डिजाइन (एम.ए.डी.) परिषद

सृजनात्मकता पृथक होने से कहीं अधिक है। कोई भी विलक्षण होने की योजना बना सकता है; यह आसान है। साधारण होना ही कठिन है। साधारण होना, अत्यंत साधारण होना ही सृजनात्मकता है। यह परिषद् लोगों को उनकी कल्पना, उनकी प्रतिभा का विकास करने में सहायता प्रदान करती है; उनकी रूचि के क्षेत्र में उनके ज्ञान में वृद्धि करने के लिए प्रौद्योगिकी में उन्नति की शिक्षा प्रदान करती है। इस परिषद् में अभिरूचि के निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी स्वतंत्र गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रतिस्पर्धाएं हैं।

(क) एनीमेट्रंस (एनीमेशन प्रकोष्ठ)

यह प्रकोष्ठ छात्रों को व्यावासियकों तथा अपनी स्वयं की टीम द्वारा कार्यशालाओं के माध्यम से एनीमेशन सीखाता है। स्टॉक मोशन एनीमेशन तथा सॉफ्टवेयर एनीमेशन के प्रति झुकाव के साथ प्रकोष्ठ पेपर एनीमेशन, 2डी तथा 3डी ग्राफिक्स एनीमेशन, पिक्सीलेशन, फ्लेश लाइट एनीमेशन की ओर बढ़ा है।

(ख) चित्रकार (फाइन आर्ट्स प्रकोष्ठ)

रंगों से खेलना इस प्रकोष्ठ का शौक है। छात्रों को फाइन अथवा संरचनात्मक कला में कार्यशालाओं और प्रतिस्पर्धाओं के जरिए प्रशिक्षण दिया जाता है। हम पेंटिंग, स्कैचिंग, ग्लास ईचिंग, फेस और टी–शर्ट पेंटिंग, वैक्स कार्बिंग, ग्रेफिटी कार्यशालाओं इत्यादि जैसे अभिरूचि की कई गतिविधियों का आयोजन करते हैं। यह प्रकोष्ठ आई.आई.टी. जोधपुर के विभिन्न उत्सवों को आकार प्रदान करता है।

(ग) डिजाइनर्ड्स (डिजाइनिंग प्रकोष्ठ)

यह प्रकोष्ठ लोगों, पोस्टर, समाचार–पत्र, टी–शर्ट इत्यादि का डिजाइन तैयार करता है। इस प्रकोष्ठ ने कुछ सर्वोत्तम डिजाइन तैयार किए है जो एडव फोटोशॉप, इनडिजाइन तथा इलेस्ट्रेटर जैसे सॉफ्टवेयर के साथ प्रशिक्षण प्रदान कर सकते है। प्रकोष्ठ के सदस्यों को ग्राफिक डिजाइनिंग में उत्कृष्टता प्राप्त है जो विचारों और कल्पनाओं का संवर्धन करती है। इस प्रकोष्ठ ने मूड इन्डिगो–आई.आई.टी. मुम्बई में प्रतिस्पर्धाएं भी जीती है।

(घ) फ्रेम–एक्स (फिल्म निर्माण तथा वीडियो संपादन प्रकोष्ठ)

यह प्रकोष्ठ वीडियो बनाता है, उन्हें रिकॉर्ड तथा संपादित करता है। यह प्रकोष्ठ सतत् और सक्रिय रूप से लघु और लघु फिल्मों अथवा डाक्युमेंट्रियों जिन्होंने लोकप्रियता हासिल की है, को प्रस्तुत करते हुए विभिन्न अंतर कॉलेज उत्सवों में भाग लेता है। प्रकोष्ठ के सदस्य आधुनिक हेंडीकेम, गो–प्रो कैमरों का प्रयोग करते है जिनमें विंडोज मूवीमेकर, सोनीवेगाज तथा एडोब आफ्टर इफेक्ट पर कार्य किया जाता है।

(ङ) पोर्टा टॉकीज (मूवी स्क्रीनिंग प्रकोष्ठ)

यह प्रकोष्ठ चलचित्रों, मैच और आधारित वार्ताओं के चलचित्रण के लिए उत्तरदायी है।

(च) शटरबग्स (फोटोग्राफी और फोटो–एडिटिंग प्रकोष्ठ)

यह प्रकोष्ठ रूप से अच्छे सेमीप्रो डीएसएलआर कैमरों पर फोटोशॉप कार्यशालाएं आयोजित करता है तथा अनुभव प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ आई.आई.टी.जे. की सभी मीडिया कवरेज के लिए उत्तरदायी है।

प्रौद्योगिकी और विज्ञान की समझ का पोषण (एन.यू.टी.एस.) परिषद

"कल्पना ज्ञान से अधिक आवश्यक है" के विचार के साथ आई.आई.टी. जोधपुर की विज्ञान और प्रौद्यौगिकी परिषद् (एन.यू.टी.एस.) छात्रों को विज्ञान की पारंपरिक सीमाओं से आगे सोचने, उनके सपनों को साकार करने और अगली पीढ़ी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करने का अवसर प्रदान करता है। इस सोसाइटी के तहत निम्नलिखित प्रकोष्ठ कार्य करते हैः

(क) एयरोमॉडलिंग प्रकोष्ठ

एयरोमॉडलिंग संस्थान में विमानन तथा एयरोमॉडलिंग के उत्साही व्यक्तियों के लिए एक समूह है। यह प्रकोष्ठ छात्रों को रॉकेट, ग्लाइडर, प्लेन, हॉवरक्राफ्ट बनाने और उन्हें हवा में उड़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकोष्ठ की गतिविधियों में विभिन्न एयरोमॉडलिंग तथा विमानन विषयों पर लेक्चर और कार्यशालाएं तथा छोटी परियोजनाओं पर कार्य करना शामिल है।

(ख) ऑटोमोबाइल प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ छात्रों का अपनी स्वयं की कार डिजाइन करने और बनाने के लिए संवर्धन करता है। प्रकोष्ठ ने एक पर्यावरण सुकर मैनुअल सह–इलेक्ट्रिक संचालित वाहन तैयार किया है। यह प्रकोष्ठ एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय, ऑटोमोटिब इंजीनियर्स परिषद (एसएई) से जुड़ा है और बाजा तथा ईफी साइकल जैसी उनकी राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेता रहता है।

(ग) एस्ट्रोनॉमी प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ छात्रों को प्रकृति में एस्ट्रोनॉमी को बेहतर तरीके से समझने में नियमित रूप से व्याख्यान और विचार–विमर्श आयोजित करता है। प्रकोष्ठ ने ओवरनाइट ऑबजर्वेट्री प्रतिस्पर्धा "मेसियर मैराथन" में 72 वस्तुओं की खोज करके अंतर–आई.आई.टी टेक मीट 2014 में रिकॉर्ड बनाया।

(घ) इलेक्ट्रॉनिक्स प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किट से परिचित कराता है और उन्हें बीगल बोन, रेस्पबेरी पाई इत्यादि जैसे मिनी कंप्यूटर पर कार्य करके उन्हें कौशल में शिक्षण प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ वर्ष भर में आयोजित विभिन्न लेक्चरों और प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से छात्रों को एनालॉग तथा डिजीटल इलेक्ट्रॉनिक्स से भी परिचित करता है।

(ङ) रोबोटिक्स प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ डीटीएमएफ, इमेज प्रोसेसिंग, मोशन सेंसिंग इत्यादि जैसी प्रौद्योगिकियों पर छात्रों को अनुभव प्रदान करने के लिए नियमित रूप से लेक्चरों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। आज यह प्रकोष्ठ छात्रों के लिए उनके प्रयोगात्मक मशीन निर्माण कौशल तथा ज्ञान को प्रदर्शित तथा विकसित करने के लिए एक सक्रिय मंच है।

(च) प्रोग्रामिंग तथा वेब डिजाइनिंग प्रकोष्ठ

नियमित लेक्चरों, प्रतिस्पर्धाओं और शरद कोडिंग कैम्प के साथ यह प्रकोष्ठ छात्रों को उनके आसपास के लोगों से सीखने और अपनी कोडिंग दक्षता में सुधार करने का अवसर प्रदान करता है। छात्र समान विचारधारा वाले लोगों के समूह के साथ बैठते हैं और विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कोडिंग प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयारी करते हैं।

(छ) विज्ञान प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ छात्रों को रूबिक क्यूब हल करने, अपने स्वयं के एंग्री बर्ड स्टेशन तैयार करने और एयरगन से खेलने, रूब गोल्डबर्ग इत्यादि का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकोष्ठ की गतिविधियां छात्रों की कल्पना दक्षता का परीक्षण करती है और उनमें सुधार हेतु उनकी सहायता करती है।

खेलकूद, साहसिक कार्य, क्रीड़ा तथा अन्वेशण (एस.ए.जी.ई.)

खेलों को अत्यंत प्रभावशाली एथलीटों, रंगीन विशेषताओं, प्रभावशाली नेतृत्व तथा यादगार हीरों तैयार करने के लिए जाना जाता है। आई.आई.टी जोधपुर की खेलकूद परिषद् कैम्पस के समुदाय में खेलकूद गतिविधियों को शामिल करने की इसी भावना को प्रदर्शित करती है। इस परिषद् का उद्देश्य खेलों का संवर्धन करना और खेल की सच्ची भावना को प्रदर्शित करना तथा छात्रों को टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। यह परिषद् प्रत्येक छात्र के जीवन में दैनिक अभ्यास के भाग के रूप में इस आवश्यक गतिविधि को समाहित करने के लिए प्रयासरत है। व्यावसायिक कोचों के दिशा–निर्देश तथा सर्वोत्तम खेल सुविधाओं के हर व्यक्ति में खिलाड़ी को उजागर करने तथा प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाते है।

व्यक्ति स्वयं में मजबूत हो सकते हैं किन्तु वे एक टीम में अधिक मज़बूत होते हैं। केवल विजेता ही अच्छा हो सकता है परंतु इस क्षण को अन्य सदस्यो के साथ बांटने से अच्छा कुछ भी नहीं है। किसी के जीवन में दुर्लभ समय में से एक अपने मित्रों और कुछ शत्रुओं के साथ खेलना और फिर भी खेल के संबंध में एक दूसरे का सम्मान करना है। यह किसी छात्र के जीवन में उत्साह, बलिदान और समग्र खेल भावना की गुणवत्ता को समाहित करने के लिए खेल आरंभ करना आवश्यक है। यह परिषद् संस्थान की उस टीम को तैयार करती है जो किसी भी आई.आई.टी में वार्षिक रूप से आयोजित किए जाने वाले अंतर आई.आई.टी. खेल आयोजनों में भाग लेती है। अंतर–आई.आई.टी. प्रतिस्पर्धा शीर्षक पूरे आई.आई.टी. जोधपुर परिवार में अत्यधिक लोकप्रिय है। यह वह स्थान है जहां प्रत्येक खिलाड़ी को खेल के संबंध में उसकी प्रतिभा प्रदर्शित करने और लिगेजी को जारी रखने की जिम्मेदारी के साथ संबंधित आई.आई.टी. के उत्कृष्ट इतिहास का प्रतिनिधित्व करते हुए जर्सी पहनकर मैदान में भागने का अवसर प्रदान करती है। प्रत्येक अंतर आई.आई.टी. खिलाड़ी की संस्थान के सम्मान के लिए, खेल को जीतने, टीम के लिए रक्त, आंसू और पसीना बहाने तथा खेल जीतने की अन्नय इच्छा होती है। संस्थान ने एक्वेटिक्स, एथलेटिक्स, बैंडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, लॉन टेनिस, स्कवैश, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन जैसे खेलों में जैसे कि अंतर आई.आई.टी. खेल प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया है।

संस्थान में वर्ष भर में कई खेल इवेंट आयोजित किए जाते हैं जो आपकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उत्साह को बनाए रखने का मंच प्रदान करते हैं। प्रत्येक वर्ष यह परिसर अंतरा संस्थान खेल उत्सव "क्रीड़ांश" का आयोजन करती है। यह खेल उत्सव बड़ी भागीदारी को आकर्षित करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें संस्थान में अपने संगत ब्रांचों के सम्मान के लिए एक–दूसरे से लड़ने की खेल प्रतिभाओं को देखा जा सकता है। इसमें टग ऑफ वार, खो–खो तथा अन्य खेलों के साथ कबड्डी जैसे खेल आयोजित किए जाते हैं।

खेलों के अतिरिक्त यह परिषद् विभिन्न साहसी यात्राओं का भी आयोजन करती है और कैरम प्रकोष्ठ, शतरंज प्रकोष्ठ, स्कैचिंग प्रकोष्ठ तथा योग प्रकोष्ठ और जॉगर्स प्रकोष्ठ का समन्वय करती है।

लेखन, जागरूकता, स्वर, मनोरंजन, समाज (डब्ल्यू.ए.वी.ई.एस.)

वेव्स संस्थान में सभी सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। यह छात्रों को उनकी कला का प्रदर्शन करने तथा उनकी कलात्मक योग्यताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। वेव्स के अंतर्गत पांच प्रकोष्ठ है जो वर्ष भर कार्य करते हैं।

(क) नृत्य प्रकोष्ठ

नृत्य प्रकोष्ठ विभिन्न नृत्य रूपों के संबंध में कार्यशालाओं पर विशेष जोर देते हुए अंतरा संस्थान से अंतर कॉलेज इवेंट की श्रेणी में गतिविधियों का आयोजन करता है। **'डिफीटदबीट'** नाम की टीम ने देश भर में केओस (आई.आई.एम. अह्मदाबाद) तथा मूड

इंडिगो (आई.आई.टी. बांबे, मुम्बई) सहित विभिन्न कॉलेज उत्सवों में भाग लिया है और उसे इंडियन हिप हॉप डांस प्रतिस्पर्धा के ऑडिशन के लिए भी चुना गया है।

(ख) संगीत प्रकोष्ठ

संगीत प्रकोष्ठ प्रदर्शित किए जाने वाली आवश्यकता के प्रति लगाव और मंच प्रदान करता है। नए छात्रों के लिए छात्र बैंड प्रदर्शनों से लेकर कॉलेज उत्सवों के स्तर तक संगीत प्रकोष्ठ सभी इच्छुक छात्रों के लिए अवसर प्रदान करता है। मुख्य झलकियों में अनप्लग्ड नाइट्स और म्यूजिकल एक्सट्रावेगेन्जा शामिल हैं। इनके अलावा, आरंभकर्ताओं के लिए संगीत शिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं।

(ग) क्विज प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य एक मनोरंजक गतिविधि के रूप में क्विजिंग के प्रति रूचि तैयार करना है जिसमें हर कोई भाग ले सकता है और उसी दौरान ज्ञान भी प्राप्त करत सकता है। यह प्रकोष्ठ छात्रों को क्विजिंग के कलात्मक जगत के बारे में अवसर प्रदान करके तथा कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कोलीजिएट क्विजों में प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए मंच प्रदान करने हेतु रोचक क्विज प्रतिस्पर्धाओं/सत्रों का आयोजन करता है।

(घ) नाटक प्रकोष्ठ

आई.आई.टी. जोधपुर का नाटक प्रकोष्ठ "ड्रामेबाज" कई नाटकों का आयोजन करता है जो शिक्षाप्रद तथा मनोरंजक दोनों होते हैं। संस्थान में गणतंत्र तथा स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियां नुक्कड़ नाटक होते हैं और श्रोताओं द्वारा इनकी काफी प्रशंसा की जाती है जिससे हर बार दर्शक अवाक् रह जाते हैं। यह स्टेज नाटक भी प्रस्तुत करता है।

(ङ) साहित्य प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ पुस्तकों, बैले, लेटरों तथा शब्दों के जादू के समग्र नए जगत की खोज के दृष्टिकोण पर कार्य करता है। यह प्रकोष्ठ न केवल लेखन के बारे में है परंतु इसमें जाम, शोर मचाना, बाधाएं, वाद–विवाद इत्यादि जैसे मनोरंजक इवेंट भी शामिल है और इसमें भाषा कोई बाधा नहीं होती है, हमारे यहां हिंदी और अंग्रेजी दोनों के साहित्य प्रकोष्ठ है।

(च) स्पिक मेके

युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति संवर्धन सोसायटी (स्पिक मेके) एक ऐसी सोसायटी है जो हमारी गहरी भारतीय विरासत की सुरक्षा और उसे लोकप्रिय बनाने में सहायक है। स्पिक मेके आई.आई.टी. जोधपुर अध्याय को वर्ष 2012 में औपचारिक रूप प्रदान किया गया था।

छात्र उत्सव एवं वृत्तांत

संस्थान का छात्र जिमखाना दोहरे उद्देश्य के साथ इवेंटों का आयोजन करता है। एक ओर ये इवेंट छात्रों को उनके आराम के समय में सृजनात्मक कार्य में शामिल होने में सहायता करते है और इससे उनमें कौशल तथा अभिरूचि का निर्माण करते हैं। दूसरी ओर ये इवेंट छात्रों को स्वयं को स्व–संगठित करने तथा उत्कृष्टता के लिए अन्य को मंच प्रदान करने में सहायता करते हैं।

छात्र जिमखाना द्वारा आयोजित इवेंटों को दो विषयों में देखा जा सकता है, नामतः

1. अंतर–संस्थान उत्सव और टूर्नामेंट्स और
2. अंतरा–संस्थान उत्सव और प्रतिस्पर्धाएं

छात्र ऊर्जा और पहलों से भरे संस्कृति के पोषण में सफल रहे। उन्होंने ऐसे इवेंट आयोजित किए जिन्होंने उनके बीच संचार और संबंधों के माध्यम के रूप में कार्य किया। गणेश चतुर्थी, दीवाली, संक्रांति, ईद और होली जैसे प्रमुख उत्सावों का अत्यधिक उत्साह के साथ आयोजन किया गया। खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से खेल गतिविधियां भी आयोजित की गई जिनका संकाय सदस्यों द्वारा भी समर्थन किया गया। वर्ष 2014–15 में कैम्पस में आयोजित की गई कुछ प्रमुख छात्र गतिविधियां निम्नानुसार हैः

अंतर–संस्थान उत्सव

वर्चस

वर्चस आई.आई.टी. जोधपुर का अंतर–कोलीजिएट खेल उत्सव है। यह उत्सव खेल की भावना का अनुपालन करता है और विभिन्न कालेजो द्वारा अपना उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। वर्चस खेल भावना का आयोजन करता है और खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए कॉलेज की टीमों द्वारा किए गए अथक प्रयासों को प्रदर्शित करने के एक मंच के रूप में कार्य करता है। वर्चस का पहली बार आयोजन भारत, विशेषकर राजस्थान के कॉलेजों में खेलों का संवर्धन करने और भारत में एथलीटों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करने के दृष्टिकोण से वर्ष 2011 में

किया गया था। फुटबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, स्कवैश, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल तथा एथलेटिक्स के क्षेत्रों में जोधपुर के राष्ट्र स्तरीय स्टेडियमों में प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। वर्चस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संवर्धन करता है और यह टीमों के लिए अपने संगत खेलों में अपनी प्रतिभा को सिद्ध करने का शानदार अवसर है।

इसके अतिरिक्त, देश की प्रमुख शैक्षिक संस्था होने के नाते आई.आई.टी. जोधपुर के छात्र "सोच–वर्चस का सामाजिक पहलू" के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करने का प्रयास करते है। सोच एक ऐसा मंच है जहां हम सामाजिक मुद्दों को उठाते है और विचार–विमर्शों तथा वाद–विवादों के माध्यम से संभावित हल निकालने का प्रयास करते हैं; विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों को शामिल करने के लिए जागरूकता का प्रसार करते है और अभियान चलाते है। हम समाज के उत्थान के लिए गहन सामाजिक प्रभाव तैयार करने का प्रयास करते है।

वर्ष 2015 में, इस खेल उत्सव का आयोजन 29 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक किया गया। वर्चस 2015 के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय तीरंदाज एवम् पद्मश्री श्री लिंबा राम शामिल हुए। वहा राजस्थान राज्य से है । वरचस 2015 लगभग 1000 से अधिक प्रतिभागियों का गवाह बना और इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे एथलेटिक्स, वालीबाल, क्रिकेट, फुटबाल, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, तैराकी, शतरंज और बैडमिंटन आदि आयोजित की गई।

वर्चस 2015 का आरंभोत्सव

वर्चस 2015 के प्रतिभागी

वर्चस 2015 के प्रतिभागी

"आवाज़" – सोच का एक कार्यक्रम

वर्ष 2015 में सोच टीम ने सोच के अंतर्गत उच्च स्तर पर निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया–

(क) आवाज – "शिक्षा में खेल का महत्व" विषय पर चर्चा– परिचर्चा करने के लिए एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे समस्त जोधपुर से वक्ताओं एवं विधार्थियों ने भाग लिया।

(ख) अंतरा एव अंतर स्कूल प्रतिस्पर्धा – युवा पीढ़ी, जो कल को जिम्मेदार नागरिक होंगे, के दृदृष्टिकोण को समझने के लिए, जोधपुर के विभिन्न स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों से चर्चा की और उनके लिए एक कलाकृती एवं निबन्ध लेखन की प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमे भाग लेकर विद्यार्थियो ने अपने विचार एवं अवधारणा को प्रतिबिंबित किया ।

दिनांक 1 नवंबर 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर के अस्थाई शिक्षा परिसर में निदेशक महोदय द्वारा आयोजित रात्रिभोज के साथ इस उत्सव का समापन किया गया । मैराथन, जो कि वर्चस का ही एक भाग है, का आयोजन 17 अप्रैल 2016 को 6 बजे जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के साथ मिलकर किया गया। इस साल के मैराथन का संदेश "स्मार्ट और स्वच्छ जोधपुर" था, जिसकी सराहना सम्पूर्ण राजस्थान के लोगों ने और एथलीटों ने की।

17 अप्रैल 2016 को मिनी मैराथन में प्रतिभागी

इग्नस

भा.प्रौ.सं. जोधपुर का तकनीकी–सांस्कृतिक उत्सव इगनस को 25 से 28 फरवरी 2016 तक मनाया गया। इस उत्सव का उद्घाटन 25 फरवरी 2016 को स्पिक मैके के सहयोग से प्रसिद्ध सितार वादक शुजात खान द्वारा किया गया। इगनस उत्सव 2016 के दौरान रोबोसॉकर, नृत्यांश, क्लैश ऑफ बैंड्स, रोबोवार, अन्तरंग, आदि प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यशालाएं जैसे एंड्रॉयड ऐप विकास, ब्रिज डिजाइनिंग, संवर्धित वास्तविकता, वाहन ओवरहालिंग, एथिकल हैकिंग, एंबेडेड सिस्टम, उद्यमिता, डाटा विज्ञान और मशीन लर्निंग, सीरियल और वायरलेस संचार, प्लेसमेंट शिष्टाचार, और क्वैडकॉप्टर का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध गायक कृष्णकुमार कुन्नाथ, जो कि केके नाम से लोकप्रिय हैं, ने प्रोनाईट के दौरान अपनी प्रस्तुति दी।

27 फ़रवरी 2016 को एक पूर्वछात्र मिलन का आयोजन किया गया। प्रोफ़ेसर प्रभारी (संकाय) प्रोफ़ेसर प्रवाल सिन्हा, भा.प्रौ.सं. जोधपुर की पूर्वछात्र संबंध समिति के संकाय प्रभारी आनंद कृष्णन प्लाप्पल्ली और भा.प्रौ.सं. बॉम्बे पूर्वछात्र संघ की सी.ई.ओ. सुश्री दमयंती भट्टाचार्य ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर के पूर्वछात्रों को संबोधित किया।

इग्नस 2016 के दौरान तकनीकी कार्यक्रम

इग्नस 2016 के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम

अंतरा–संस्थान उत्सव

आई.आई.टी. जोधपुर छात्र जिमखाना अपने स्वयं के छात्र समुदाय के लिए अंतरा–संस्थान उत्सव का आयोजन करता है। ये है।

(क) स्पंदन

स्पंदन आई.आई.टी. जोधपुर का अंतरा–संस्थान सांस्कृतिक उत्सव है। सामान्यतः यह सत्र का पहला उत्सव है, इसमें उत्साही लोगों जो सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के अत्यधिक इच्छुक होते है, द्वारा भागीदारी की जाती है। विभिन्न श्रेणियों में नाटक, नृत्य, गायन, साहियत्य, फोटोग्राफी इवेंट, अनौपचारिक और अन्यों में फैशन–शो जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा के साथ विभिन्न श्रेणियों में विविधता गहन होती है। स्पंदन के तीन दिनों ने पूरे कैम्पस को रातभर तैयारी करने के लिए जगाये रखा। स्पंदन वर्ष में होने वाला पहला सार्वजनिक आयोजन है और इसलिए यह छात्रों को पूरे वर्ष एक–दूसरे के साथ मेल–मिलाप करने का अवसर प्रदान करता है। किसी व्यक्ति के भीतर छुपी हुई सृजनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए तथा उत्साह के साथ भागीदारी इस उत्सव का लक्ष्य है।

(ख) निम्बल

निम्बल, अंतरा–कॉलेज तकनीकी उत्सव, कॉलेज के तकनीकी छात्रों को उनकी छुपी हुई प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। निम्बल में (रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रोग्रामिंग जैसे गहन दिमागी तकनीकी और वैज्ञानिक इवेंटों से लेकर (एंग्री बर्ड, क्विज, क्रिप्टो इत्यादि)) जैसे इवेंटों तक की श्रेणी से ओत–प्रोत चार कार्य परिपूर्ण दिन शामिल होते है। इन इवेंटों के अतिरिक्त छात्रों को अत्यधिक श्रम करने के लिए प्रेरित करने हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रबुद्ध व्यक्तियों द्वारा वार्ताओं का आयोजन किया जाता है चूंकि खोज और अविष्कार का कोई अंत नहीं है।

(ग) कलाकृति

'कलाकृति' मनोरंजक प्रतिस्पर्धाओं, रोचक कार्यशालाओं और बैक–टू–बैक फिल्म प्रदर्शनियों का समूह है। "चूंकि आप जो भी कल्पना कर सकते है वह वास्तविक होता है" – ये पंक्तियां छात्रों के बीच प्रतिभा को जगाये रखती है और इसका परिणाम काफी रंगारंग होता है। फाइन आर्ट्स तथा क्ले मॉडलिंग से लेकर फोटोग्राफी और वीडियो एडीटिंग तक की श्रेणी में कई इवेंटों के साथ 'कलाकृति' में डिजाइनरों और गैर–डिजाइनरों की एक साथ भागीदारी देखी गई। 'स्क्रिबल दिवस' जैसे इवेंट जो पूरे अंतिम वर्ष के बैच को इकट्ठा करते है जिसमें सभी अन्य छात्र विदाई और विदाई संदेश देते है अथवा उन्हें दिए गए वस्त्र सम्मान भाग पर छाप छोड़ते है। प्रत्येक के मुख पर मुस्कान लाने का एक मार्ग 'कलाकृति' हमारे घनिष्ठ समुदाय में हर्ष, एकता और एकत्रत्व को फैलाने में सफल रहा हैं।

(घ) क्रीडांश

क्रीडांश का आयोजन खेल परिषद् द्वारा खेल उत्साहियों को खेलों के लिए उनकी इच्छा को पूरा करने का अवसर प्रदान करने के लिए किया जाता है। गली क्रिकेट, स्ट्रीट फुलबॉल तथा सिंगल कोर्ट, बास्केटबॉल, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कई अन्य आउटोडर तथा इनडोर मैचों का आयोजन किया जाता है। भागीदारों तथा आयोजकों

का पूर्ण समर्पण क्रीडांश को वर्ष का एक प्रफुल्लित इवेंट बनाए रखता है।

अन्य गतिविधियाँ

"फ्रेम्ड 2016" कला प्रदर्शनी

"फ्रेम्ड" भा.प्रौ.सं. जोधपुर की वार्षिक कला प्रदर्शनी है जिसे छात्र जिमखाना की मीडिया, कला और डिजाइन सोसायटी द्वारा आयोजित किया जाता है। "फ्रेम्ड" का मुख्य मकसद साल भर में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के छात्रों द्वारा की गयी कलाकृति को बढ़ावा देना और प्रदर्शित करना है । संस्थान में यह इस साल 13 मार्च 2016 को आयोजित किया गया। इसमें फोटोग्राफी, फोटो संपादन, छात्रों द्वारा डिजाइन पोस्टर, और छात्रों द्वारा बनाई गई रेखाचित्र और पेंटिंग भी शामिल है। पहली बार इस आयोजन में संस्थान के बाहर के लोगों को प्रवेश दिया गया । इसमें देश भर से प्रविष्टियां आयी थीं। प्रदर्शनी में अन्य कॉलेजों के छात्रों और जोधपुर की स्थानीय जनता ने काफी संख्या में भाग लिया। श्री रवि ढींगरा (कैनन फोटो मेंटर) जो कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में न्यायाधीश रह चुके है, इस गतिविधि के लिए मुख्य अतिथि थे।

कलाकृति को निहारते हुए दर्शक

श्री रवि धींगड़ा (कैनन फोटो मेंटर) का अभिनन्दन

छात्रों हेतु छात्रवृत्तियां

बी.टेक. तृतीय वर्ष के निम्नलिखित छात्रों को ग्रीष्म 2016 के लिए शैक्षणिक छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है।

1. छात्रवृत्ति का नाम — Deutscher Akademischer Austauschdienst (German Academic Exchange Service) popularly known as "DAAD"

   निधीयन संस्था — DAAD WISE (Working Internships in Science and Engineering)

   छात्रवृत्ति की अवधि — 3 महीने (मई से जुलाई 2016 तक)

   छात्रों का नाम

   1. अभिषेक जाजू (विद्युतीय अभियांत्रिकी),
   2. अर्नव जिंदल (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी),
   3. आशुतोष गुप्ता (विद्युतीय अभियांत्रिकी),
   4. नितिन वेंकटेश (कंप्यूटर विज्ञान),
   5. हार्दिक जैन (यांत्रिक अभियांत्रिकी),
   6. प्रखर श्रीवास्तव (विद्युतीय अभियांत्रिकी), और
   7. संग्राम गायकवाड (प्रणाली विज्ञान)।

2. छात्रवृत्ति का नाम — एस एन बोस स्कॉलर्स प्रोग्राम

   निधीयन संस्था — विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) और भारत–अमेरिका विज्ञान एवं प्रोद्योगीकी मंच (IUSSTF)

   छात्रवृत्ति की अवधि — 3 महीने (मई से जुलाई 2016 तक)

   छात्रों का नाम — वी. आश्विन (विद्युतीय अभियांत्रिकी)

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के छात्रों को GRIDTECH 2015 पुरस्कार

बी.टेक. (विद्युतीय अभियांत्रिकी) अंतिम वर्ष के छात्रों अनिरुद्ध रामरखयानी, सुर्यातेजा वोरुगंति, और एल्विन रॉय आलिआथ को उनकी परियोजना "शोर्ट–टाइम ट्रांसफार्मर–लेस डायनामिक वोल्टेज रीस्टोरर" के लिए 5वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन GRIDTECH 2015 के स्टूडेंट इनोवेशन पैवेलियन में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर धवल सी. पटेल के मार्गदर्शन में इस परियोजना को पूरा किया । पुरस्कार विद्युत मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा समर्पित केन्द्रीय विद्युत् विनियामक आयोग के अध्यक्ष श्री गिरीश प्रधान द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पॉवर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा 8–10 अप्रैल, 2015 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के छात्रों ने SAE BAJA 2016 के लिए अर्हता प्राप्त की

भा.प्रौ.सं. जोधपुर की ऑटोमोबाइल क्लब की टीम वायु 2.0 सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, इंडिया द्वारा आयोजित सर्व भूभाग अनुकूल वाहन (आल–टेर्रेयन वाहन) प्रतियोगिता बाजा 2016 में भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आभासी दौर 10 और 11 जुलाई 2015 को चितकारा यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब में आयोजित किया गया था। वायु 2.0 ने प्रस्तुति घटक में 92-64/100 अंको के साथ अंतिम दौर के लिए अर्हता प्राप्त की जो कि 152 अर्हता प्राप्त टीमों और प्रतियोगिता में भाग ले रही लगभग 400 टीमों में 13वे स्थान पर है। अंतिम दौर की प्रतियोगिता जो कि फरवरी 2016 में NATRIX, पीथमपुर, मध्य प्रदेश में आयोजित की जाएगी जिसके लिए टीम कमर कस के "सर्व भूभाग अनुकूल वाहन" विकसित करेगी ।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के छात्रों की फोटोग्राफी प्रतिभा डेनमार्क में एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी में प्रदर्शित हुई

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के तीन छात्रों की फोटोग्राफी प्रतिभा डेनमार्क में एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी "भारत का गर्व : फोटो के माध्यम से अतुल्य भारत की एक यात्रा" में प्रदर्शित की गयी । ये छात्र हैं –

1. हिमांशु साहू, बी टेक 2015 (यांत्रिक अभियांत्रिकी),
2. मोहित गुप्ता, बी टेक तृतीय वर्ष (विद्युतीय अभियांत्रिकी), और
3. कीर्ति वर्धन राठौर, बी टेक चतुर्थ वर्ष (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)।

उनका काम (17 अक्टूबर से 14 नवंबर, 2015) गेलेरिया लौरेन, डेनमार्क में दुनिया भर के अन्य पेशेवर कलाकारों के काम के साथ प्रदर्शित हुआ।

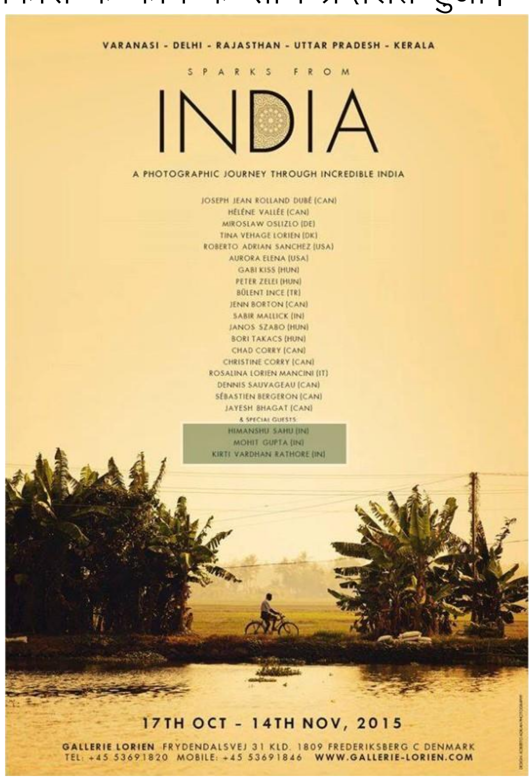

भा.प्रौ.सं. बॉम्बे टेकफेस्ट में दूसरा स्थान

बी.टेक. द्वितीय वर्ष (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) के दो छात्रों, अभिनव राय और अर्चिल कुमार श्रीवास्तव ने 26–28 दिसंबर, 2015 को भा.प्रौ.सं. बंबई में आयोजित ”बैटल कोड” कार्यक्रम में सम्पूर्ण रूप से दूसरा स्थान सुरक्षित किया।

परामर्श सेवाएं

इस टीम का मुख्य उद्देश्य अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित करना है। यह नए आने वाले छात्रों को घरेलू एहसास बनाए रखते हुए तथा धीरे–धीरे उन्हें संस्थान में परिवर्तित करते हुए संस्थान में जीवन के साथ गति में समाहित करने के लिए बनाया गया है। परामर्शी सेवा संस्थान की शुरूआत से ही इसका समेकित भाग है। प्रत्येक वर्ष यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ा प्रयत्न करती है कि प्रत्येक छात्र आई.आई.टी. जोधपुर के अधिकांश स्तरों के बारे में जाने और उन सब बातों को समाहित करें जिन्हें संस्थान प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, परामर्श सेवा टीम इस दौरान कुछ छात्रों के समक्ष आने वाली विशिष्ट भाषा संबंधी आवश्यकताओं की देखभाल करती है। यह इस दिशा में हर संभव कदम उठाती है और उनके जीवन प्रयन्त यादगार इस परिवर्तन के लिए कार्य करती है।

परामर्श सेवा टीम में 30 छात्रों के साथ एक संकाय सलाहकार (जिसे छात्र गाइड कहा जाता है) होता है जो छात्रों के कल्याण के लिए कार्य करता है। एक छात्र मार्गदर्शक इस टीम का आधार होता है, जिसमें प्रत्येक मार्गदर्शक अपने दिशा–निर्देश में 8–10 फ्रेशर की समस्याओं को हल करता है। छात्र गाइड छात्रों को छात्रावास में तथा उनके शैक्षिक जीवन में समायोजित करने में सहायता करता है। छात्र गाइड छात्रों के साथ और उनके परिवार के साथ निरंतर संपर्क में रहता है। टीम इस बात को सुनिश्चित करती है कि न केवल छात्र बल्कि उनके अभिभावक भी एक स्वस्थ संबंध बनाए रखने के लिए छात्र गाइड के साथ संपर्क करने का अवसर प्राप्त करें। इस परामर्शी सेवा के भाग के रूप में कॉलेज के कार्यकाल के दौरान निम्नलिखित सभी तीन पहलुओं में छात्रों के विकास का संवर्धन करना इस टीम का कर्तव्य है :–

1. शैक्षिक
2. बाह्य गतिविधियां
3. व्यक्तिगत

इस उद्देश्य के लिए मुद्दों की बड़ी श्रेणी के लिए स्वैच्छिक, गोपनीय और निःशुल्क परामर्शी सेवाएं प्रदान की जाती है, जिनमें शामिल हैं:

1. *शैक्षिक सहायताः* संस्थान के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में सूचना, सक्षम समय प्रबंधन कौशल, अध्ययन कौशल से संबंधित सूचना प्रदान करना;
2. *व्यक्तिगतः* होम–सिकनेस को दूर करना, नए वातावरण और संबंधित कठिनाइयों में समायोजित होना इत्यादि;
3. *परामर्शी सलाहः* मानसिक–शिक्षा और छात्रों को संदर्भीय सेवाएं;
4. संस्थान तथा छात्रों की मौजूदा बॉडी के साथ मेलजोल।
5. छात्रों को बाहय अभिरूचि/आदतों की खोज के प्रति प्रोत्साहित करना।

परामर्शी सेवाओं द्वारा छात्रों के समक्ष संस्थान में उनके कॉलेज जीवन के दौरान आ रही कठिनाइयों का सामना करने के लिए व्यक्तिगत दिशा–निर्देश प्रदान करके उनकी

चिंताओं और समस्याओं पर भी ध्यान दिया जाता है। परामर्श सेवा टीम द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की जाती है।

1. संस्थान को एक रैगिंग मुक्त परिसर के रूप में बनाए रखना;
2. प्रत्येक वर्ष नए बैच के लिए "उन्मुखी कार्यक्रम" आयोजित करना ताकि उन्हें आई.आई.टी. जोधपुर की संस्कृति परिचित कराया जा सके;
3. निम्नलिखित के संबंध में कार्यशालाओं का आयोजन करना
   [क] कैरियर काउंसलिंग,
   [ख] तनाव प्रबंधन,
   [ग] समय प्रबंधन,
   [घ] स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता,
   [ड.] व्यावसायिक प्रशिक्षण,
   [च] रिलेशनशिप समस्याएं,
   [छ] होमसिकनेस का सामना करना, और
   [ज] एडिक्शन तथा अन्य
4. प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा प्रेरणा वार्ताओं का आयोजन;
5. निम्नलिखित का संचालन करके छात्रों की शैक्षिक समस्याओं का हल करना
   [क] देशी भाषा पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा के सत्र, और
   [ख] मूल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कौशल निर्माण सत्र इत्यादि;
6. विभिन्न बैचों के छात्रों के बीच तथा संकाय सदस्यों इत्यादि के साथ संपर्क निर्माण इवेंटों का आयोजन करना; तथा
7. खराब शैक्षिक प्रदर्शन वाले छात्रों की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से हल करना।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर की परामर्श सेवा द्वारा "परिसर प्रतिपालक प्रणाली" को 2014 में शुरू किया गया था और यह आज भी जारी है। इस प्रणाली में, छात्रों के एक समूह को एक संकाय सदस्य और एक स्टाफ सदस्य के साथ समबद्ध किया जाता है, जो छात्रों के प्रतिपालक की तरह भूमिका निभाते हैं।

येलो डे/वसंत दिवस समारोह

"पीला रंग जीवन में उत्साह पैदा करने और अधिक आत्मविश्वास और आशावाद को जगा सकने वाला सबसे अच्छा रंग है। जैसे हम अपने सांसारिक दिनचर्या में तल्लीन होते हैं, वैसे ही हम विराम लेना और में छोटी चीजों का आनंद लेना भूल जाते हैं। आवश्यकता है एक पल की जहां हम रुकें और अपने चारों ओर समस्त बढ़िया चीजों की सराहना करें"। इस मकसद के साथ, भा.प्रौ.सं. जोधपुर परामर्श सेवा दल ने इस वर्ष एक परंपरा शुरू की है कि हम एक दिन यानि 12 फरवरी को अपने जीवन की अच्छी बातों की सराहना कर ने के लिए समर्पित करेंगे। इस दिन भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय के सभी सदस्यों को पीले रंग में कपड़े पहनने और शैक्षणिक परिसर के लॉन में मिलने के लिए

अनुरोध किया गया। टीम ने सदस्यों के लिए "आपको क्या प्रसन्न बनाता है" पर अपने विचारों को लिखने के लिए पीले रंग के चार्ट पेपर लगाए थे।

संकाय सदस्य पीले पहनावे में एक दूसरे को बधाई देते हुए

"आपको क्या प्रसन्न बनाता है" पर विचारों को दर्ज करते हुए

छात्र प्लेसमेंट कोष्ठ

छात्र प्लेसेमेंट कार्यालय (ओ.एस.पी.) का संचालन और प्रबंधन अधिकारियों के साथ छात्रों द्वारा किया जाता है जो प्लेसमेंट तथा इंटर्नशिप प्रक्रियाओं का कार्य करते हैं। छात्र विभिन्न कंपनियों से संपर्क करने के कार्य का समन्वय करते हैं, छात्रों के साथ उनके इंटरएक्शन, पूर्व–प्लेसमेंट वार्ता, परीक्षाओं और साक्षात्कारों का प्रबंध करते है।

2015–16 में, कोर इंजीनियरिंग, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, बैंकिंग क्षेत्र, सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों की कम्पनियों ने प्लेसमेंट हेतु भा.प्रौ.सं जोधपुर का दौरा किया।

हमारे कुल 90 छात्र – 90 बी.टेक. और 6 एम.टेक. के छात्रों का, वर्ष 2015–16 में विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ।

2015–16 में बी.टेक. छात्रों का विषयवार प्लेसमेंट

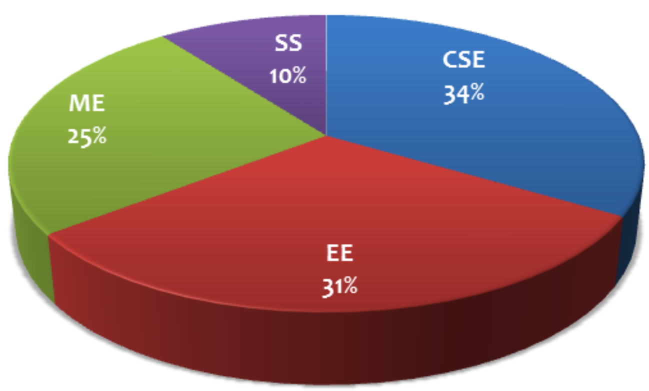

कम्पनीयों और प्लेसमेंट का ब्योरा निम्नानुसार है।

बी.टेक. अवर स्नातक छात्र

क्र.सं.	कंपनी	ब्रांच के अनुसार चुने गए छात्रों की संख्या				नियुक्ति हेतु चयनित छात्रों की कुल संख्या
		सीएसई	ईई	एमई	एसएस	
1.	अंगारा ई कॉमर्स प्रा. लि.	2				2
2.	C42 इंजीनियरिंग इंडिया प्रा. लि.	3				3
3.	कोल इंडिया लिमिटेड		3	4		7
4.	कॉग्निजेंट		5	1	3	9
5.	कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सोल्युशंस				1	1
6.	क्रिसिल				1	1
7.	डी.ई. शॉ इंडिया सॉफ्टवेयर प्रा. लि.	1			1	2

8.	दृष्टि सॉफ्ट सोल्युशंस प्रा. लि.	3				3
9.	फ्यूचर फर्स्ट इन्फो सर्विसेज प्रा. लि.				1	1
10.	ग्रोफर्स इंडिया प्रा. लि.	2				2
11.	एच सी एल टेक्नोलॉजीस	1	2			3
12.	एचपीसीएल		3	2		5
13.	इग्नाईटवर्ल्ड प्रा. लि.	1				1
14.	इशी सिस्टम्स	1			1	2
15.	जेएसडब्ल्यू एनर्जी लि.		2	1		3
16.	लार्सेन एंड टुब्रो		3			3
17.	महिंद्रा एंड महिंद्रा लि.			6		6
18.	मैक्सहीप टेक्नोलॉजीस प्रा. लि. (कॉमनफ्लोर.कॉम)	2				2
19.	माइक्रोसॉफ्ट	2	1			3
20.	मॉर्गन स्टेनली	2	1			3
21.	नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज			2		2
22.	न्युक्लिअस सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट्स लिमिटेड			1		1
23.	प्रेक्टो टेक्नोलॉजीस प्रा. लि.	1			1	2
24.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर सेंटर (एसआईएससी)	4				4
25.	स्टीलवेज टेक्नोलॉजीस	2	2		1	5
26.	टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज		4			4
27.	टाटा मोटर्स लि.		1	4		5
28.	वोय्ला फैशंस प्रा. लि.	2	1	1	1	5
	नियुक्ति हेतु चयनित छात्रों की कुल संख्या	**29**	**28**	**22**	**11**	**90**

एम.टेक. स्नातकोत्तर छात्र

क्र.सं.	कंपनी	ब्रांच के अनुसार चुने गए छात्रों की संख्या		नियुक्ति हेतु चयनित छात्रों की कुल संख्या
		आईसीटी	एसएस	
1.	कोग्नीज़ेंट	2	2	4
2.	टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज		2	2

पूर्व छात्र संबंध

संस्थान का पूर्व छात्र संबंध कार्यालय संस्थान के पूर्व छात्रों के लिए कार्य करता है चाहे ये पूर्व छात्र कहीं भी रह रहा हो। यह कार्यालाय एकीकृत अनुभव और यादगारों का समूह है। हम पूर्व छात्रों से हमारे साथ उनके संघर्ष और सफलता की कहानी साझा करने का अनुरोध करते है। संस्थान के ब्रांड एम्बेसडर और परिवर्तन के कारक होने के नाते पूर्व छात्र और संस्थान के बीच यह विशेष संबंध संस्थान तथा विश्व के बीच मूल्यवान आदान–प्रदान का उत्प्रेरक बनना चाहिए।

पूर्व छात्र संबंध कार्यालय का प्रबंधन पूर्व छात्र संबंध समिति द्वारा किया जाता है जिसमें दो संकाय सदस्य और चार छात्र शामिल होते है।

आई.आई.टी. जोधपुर में कोई भी विशिष्ट डिग्री कार्यक्रम पूरा करने वाले सभी छात्र एल्युमिनी संबंध कार्यालय के आजीवन सदस्य बनते है तथा कोई सदस्यता शुल्क नहीं लिया जाता है।

27 फरवरी 2016 को भूतपूर्व छात्र मिलन का एक आयोजन किया गया । प्रोफेसर प्रवाल सिन्हा, प्रोफेसर प्रभारी (संकाय), भा.प्रौ.सं. जोधपुर, आनंद कृष्णन प्लाप्पल्ली, संकाय प्रभारी, भूतपूर्व छात्र संबंध समिति और सुश्री दमयंती भट्टाचार्य, सी.ई.ओ. भा.प्रौ.सं. बॉम्बे भूतपूर्व छात्र परिषद् ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर के भूतपूर्व छात्रों को संबोधित किया।

आई.आई.टी. जोधपुर में पंजीकृत छात्रों की सूची

31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार आई.आई.टी. जोधपुर में संस्थान द्वारा प्रदत्त विभिन्न कार्यक्रमों में कुल 750 पंजीकृत छात्र हैं। निम्नलिखित तालिका इन कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों के ब्यौरे को दर्शाती है।

कार्यक्रम	पंजीकरण का वर्ष	छात्रों की संख्या
पीएच.डी	2015	39
	2014	34
	2013	28
	2012	18
	2011	17
	2010	3
	कुल	***139***
एम.टेक.	2015	24
	2014	16
	कुल	***40***
एम.एससी.	2015	14
	कुल	***14***
बी.टेक.	2015	112
	2014	131
	2013	169
	2012	145
	कुल	***557***
	सकल योग	**750**

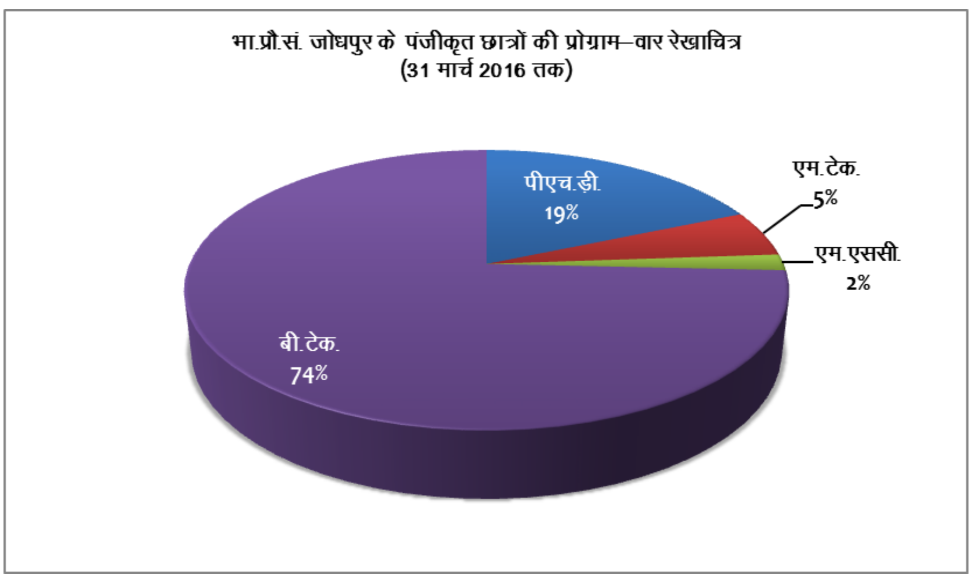

संस्थान द्वारा प्रदत्त विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों की केन्द्रों और शाखाओं के अनुसार सूची निम्नानुसार है।

पीएच.डी. छात्र

क्र.सं.	रोल नं.	नाम	विभाग
1.	PG201081501	बिलाल उस्मानी	ऊर्जा
2.	PG201081502	धर्मेन्द्र सिंह राजपुरोहित	ऊर्जा
3.	PG201081504	सुरेश कुमार	ऊर्जा
4.	PG201181001	दीपेश पाटिदार	ऊर्जा
5.	PG201181003	पुरा राम	ऊर्जा
6.	PG201181004	विकास प्रताप सिंह	ऊर्जा
7.	PG201181005	विकास चंद्र जानू	ऊर्जा
8.	PG201181501	लोकेश सैनी	ऊर्जा
9.	PG201181502	सुरेन्द्र सिंह बरला	ऊर्जा
10.	PG201182001	अभय सामंत	आईसीटी
11.	PG201182005	पुनीत कुमार जैन	आईसीटी
12.	PG201182006	राम निवास माहिया	आईसीटी
13.	PG201182007	रवि राज चौधरी	आईसीटी
14.	PG201182009	सपना रणवा	आईसीटी
15.	PG201182010	सौरभ माहेश्वरी	आईसीटी
16.	PG201182501	अमित भाटी	आईसीटी
17.	PG201182502	कपिल शर्मा	आईसीटी
18.	PG201183001	रोहन शर्मा	प्रणाली विज्ञान
19.	PG201183501	प्रमोद कुमार	प्रणाली विज्ञान
20.	PG201183502	प्रीती यादव	प्रणाली विज्ञान
21.	PG201281001	अजय जैन	ऊर्जा
22.	PG201281002	धर्मेश कुमार	ऊर्जा
23.	PG201281003	पूनम शर्मा	ऊर्जा
24.	PG201281004	शेज़ळे किरन प्रकाश	ऊर्जा
25.	PG201282002	दीपक भारती	आईसीटी
26.	PG201282003	गिरिराज व्यास	आईसीटी
27.	PG201282007	राकेश कांजी	आईसीटी
28.	PG201282009	सुरेश दहिया	आईसीटी
29.	PG201282010	वैभव सैनी	आईसीटी
30.	PG201282012	विभा सहलोत	आईसीटी
31.	PG201282501	शिल्पा पांडे	आईसीटी
32.	PG201283001	अनूप जोशी	प्रणाली विज्ञान
33.	PG201283003	मानवेन्द्र शर्मा	प्रणाली विज्ञान
34.	PG201283005	परविंदर सिंह	प्रणाली विज्ञान
35.	PG201283006	प्रद्युम्न कुमार पांडे	प्रणाली विज्ञान
36.	PG201283007	राकेश कुमार	प्रणाली विज्ञान

37.	PG201283008	रणवीर सिंह	प्रणाली विज्ञान
38.	PG201283009	विनय प्रताप सिंह	प्रणाली विज्ञान
39.	PG201381001	आदित्य राव गौतम	ऊर्जा
40.	PG201381002	गौतम कुमार गुप्ता	ऊर्जा
41.	PG201381003	ओम प्रकाश महेला	ऊर्जा
42.	PG201382005	विपिन जोशी	आईसीटी
43.	PG201383001	अंजली सिंह	प्रणाली विज्ञान
44.	PG201382002	अनुराग साहू	प्रणाली विज्ञान
45.	PG201383002	दीप्ती त्रिवेदी	प्रणाली विज्ञान
46.	PG201383005	राज कुमार सातनकर	प्रणाली विज्ञान
47.	PG201383006	श्रद्धा चौधरी	प्रणाली विज्ञान
48.	PG201383501	दीपक कुमार	प्रणाली विज्ञान
49.	PG201383502	दिलीप कुमार	प्रणाली विज्ञान
50.	PG201383503	मनीष राघव	प्रणाली विज्ञान
51.	PG201383504	सतेंद्र पाल सिंह	प्रणाली विज्ञान
52.	PG201383506	विशाल शर्मा	प्रणाली विज्ञान
53.	PG201384002	अंकिशा विजय	बीआईएसएस
54.	PG201384003	अनुज कुमार भारती	बीआईएसएस
55.	PG201384004	अरुण कुमार उपाध्याय	बीआईएसएस
56.	PG201384005	आयमान अमानुल्ला	बीआईएसएस
57.	PG201384006	भुवनेश राठोड़	बीआईएसएस
58.	PG201384007	कीर्ती दुबे	बीआईएसएस
59.	PG201384008	मेघा सिंह	बीआईएसएस
60.	PG201384009	निधि शर्मा	बीआईएसएस
61.	PG201384010	राहुल बधवार	बीआईएसएस
62.	PG201384011	राखी एन. के.	बीआईएसएस
63.	PG201384012	रिद्धि अग्रवाल	बीआईएसएस
64.	PG201384013	शालिनी सिंह	बीआईएसएस
65.	PG201384014	विभूती जोशी	बीआईएसएस
66.	P14BL002	सचिन कुमार व्यास	जीव विज्ञान
67.	P14BL003	अमिताप खंडेलवाल	जीव विज्ञान
68.	P14BS001	अलंकार अग्रवाल	बीआईएसएस
69.	P14BS002	बिबिन जी. आनंद	बीआईएसएस
70.	P14BS004	मंजु कुमारी	बीआईएसएस
71.	P14BS005	शिवांजलि सक्सेना	बीआईएसएस
72.	P14BS006	वंदना	बीआईएसएस
73.	P14BS007	रिभव मिश्रा	बीआईएसएस
74.	P14CHM001	ईरुम गुल नाज	रसायन विज्ञान
75.	P14CHM002	अभिनव श्रीवास्तव	रसायन विज्ञान
76.	P14CS001	हितेशी जैन	सीएसई
77.	P14CS002	रवि शर्मा	सीएसई
78.	P14EE001	अजय कुमार महतो	ईई

79.	P14EE002	प्रियंका बजाज	ईई
80.	P14EN001	प्रिया मालपानी	ऊर्जा
81.	P14HS003	सना मैदुल्ला	एचएसएस
82.	P14ME001	गुरुवीर सिंह	एमई
83.	P14ME003	राकेश जोशी	एमई
84.	P14ME004	राम निवास वर्मा	एमई
85.	P14ME005	संदीप गुप्ता	एमई
86.	P14ME007	अमृता कौरवार	एमई
87.	P14ME008	फ़ड़तरे हनमंत पांडुरंग	एमई
88.	P14MT001	सुप्रियो दत्ता	गणित
89.	P14PH001	राजेश कुमार	भौतिक विज्ञान
90.	P14PH002	संजय चटर्जी	भौतिक विज्ञान
91.	P14PH003	जावेद अहमद नाइकू	भौतिक विज्ञान
92.	P14PH004	विजेन्द्र सिंह भाटी	भौतिक विज्ञान
93.	P14SS001	ब्रजेश कुमार शुक्ला	प्रणाली विज्ञान
94.	PG201381005	रोहिताश कुमार	ऊर्जा
95.	P15ME001	देवेंद्र सिंह	एमई
96.	P15ME002	लोचन शर्मा	एमई
97.	P15ME003	प्रवेश कुमार	एमई
98.	P15ME004	सुमित महाजन	एमई
99.	P15CY001	देविका लेशाराम	रसायन विज्ञान
100.	P15CY002	हरगीत कौर	रसायन विज्ञान
101.	P15CY003	ज्योति फौजदार	रसायन विज्ञान
102.	P15CY004	आँचल गहलौत	रसायन विज्ञान
103.	P15CY005	भावना चौबे	रसायन विज्ञान
104.	P15CY006	अर्पिता श्रीवास्तव	रसायन विज्ञान
105.	P15CY007	सुमित्रा गोदारा	रसायन विज्ञान
106.	P15CS001	आर्का उज्जल डे	सीएसई
107.	P15BL001	ईशान अग्रवाल	जीव विज्ञान
108.	P15PH001	चांदनी कुमारी	भौतिक विज्ञान
109.	P15PH002	ज्योति सैनी	भौतिक विज्ञान
110.	P15PH003	खुशबू दिक्सित	भौतिक विज्ञान
111.	P15MA001	दिव्या गुप्ता	गणित
112.	P15MA001	रोहित कुमार	गणित
113.	P15EE001	अभिषेक साहू	ईई
114.	P15EE002	अर्पित जैतावत	ईई
115.	P15EE003	पूनम साहू	ईई
116.	P15EE004	शिवम् चतुर्वेदी	ईई
117.	P15HS201	अभ्रा पॉल	एचएसएस
118.	P15HS202	वरुण	एचएसएस
119.	P15EE201	राजेश शुक्ला	ईई
120.	P15EE202	योगेश कुमार	ईई

121.	P15EE203	राहुल कुमार	ईई
122.	P15ME201	अनिकेत दिलीप मोंडे	एमई
123.	P15ME202	विभूति भूषण पांडेय	एमई
124.	P15ME203	अंकित अग्रवाल	एमई

"विश्वेश्वरय्या इलैक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी पीएच.डी. योजना" के तहत पंजीकृत पीएच.डी. छात्र

क्र.सं.	रोल नं.	नाम	विभाग
1.	P14VSS001	आदर्श निगम	ईई
2.	P14VSS002	अमरीक सिंह	ईई
3.	P14VSS003	ईशान वरुण	ईई
4.	P14VSS004	राहुल कुमार	ईई
5.	P14VSS005	नूपुर राठौड़	ईई
6.	P14VSS006	प्रवीण	ईई
7.	P15VSS001	दिव्या श्रीवास्तव	ईई
8.	P15VSS002	दिव्या शर्मा	ईई
9.	P15VSS003	तुषार शंकर शिंदे	ईई
10.	P15VSS004	नांदुरी कामेष्वर सवारूँ	ईई
11.	P15VSS005	महमूद शैख	ईई
12.	P15VSS006	गजेंद्र सिंह चावड़ा	ईई
13.	P15VSS201	आदित्य राज	ईई
14.	P15VSS202	नीरज गोयल	ईई
15.	P15VSS203	अभिषेक कुमार	ईई

एम.टेक. छात्र, बैच 2014

क्रम सं.	रोल नं	नाम	केन्द्र
1.	M14CT003	अंकित चौहान	आईसीटी
2.	M14CT004	अंशुल गुप्ता	आईसीटी
3.	M14CT005	चारू गुप्ता	आईसीटी
4.	M14CT006	पीयूष कुमार जयसवाल	आईसीटी
5.	M14CT008	प्रेम राज	आईसीटी
6.	M14CT009	राज कुमार परिहार	आईसीटी
7.	M14CT012	विवेक रघुवंशी	आईसीटी
8.	M14EN002	सतीश	ऊर्जा
9.	M14EN003	स्वर्ण कुमार	ऊर्जा
10.	M14EN004	विश्व दीप कुमार	ऊर्जा
11.	M14SS001	अमित कुमार गंगवार	एसएस
12.	M14SS002	अनिरुद्ध सिंघल	एसएस
13.	M14SS003	गौरव जाजू	एसएस
14.	M14SS004	श्रेया गोयल	एसएस
15.	M14SS005	वी. साजी	एसएस
16.	M14SS006	विपुल बिजावत	एसएस

एम.टेक. छात्र, बैच 2015

क्रम सं.	रोल नं	नाम	विभाग
1.	M15ME002	अशोक वर्मा	एमई
2.	M15ME003	दीपक रैना	एमई
3.	M15ME004	हिमांशु गौड़	एमई
4.	M15ME006	नारायण कुमार	एमई
5.	M15ME007	नवीन	एमई
6.	M15ME008	नेहा अरोड़ा	एमई
7.	M15ME009	संकल्प सिंह	एमई
8.	M15ME010	शिव राम सुथार	एमई
9.	M15ME011	श्रवण सिंह राव	एमई
10.	M15ME012	शुभेंदु प्रशांत सिंह	एमई
11.	M15ME013	तुषार लोहोरा	एमई
12.	M15ME014	विवेक त्रिपाठी	एमई
13.	M15EE004	चंद्रशेखर भारद्वाज	ईई
14.	M15EE005	दिनेश जांगिड़	ईई
15.	M15EE007	इतिशा चौहान	ईई
16.	M15EE008	लोब्जांग नामगेल	ईई
17.	M15EE009	मोहित कछवाहा	ईई
18.	M15EE010	प्रकृति आर्य	ईई
19.	M15EE011	प्रियंका सिद्धा	ईई
20.	M15EE013	सौरभ रावल	ईई
21.	M15EE014	विनीत कुमार	ईई
22.	M15EE016	अनिल कुमार	ईई
23.	M15EE017	जितेंद्र कुमार	ईई
24.	M15EE018	जोशी सोनल सुनील	ईई

एम.एससी. छात्र, बैच 2015

क्रम सं.	रोल नं	नाम	विभाग
1.	M15CY003	पूजा	र.वि.
2.	M15CY004	प्रणय राज्बंग्शी	र.वि.
3.	M15CY006	सुमन धारा	र.वि.
4.	M15CY008	विकास कुमार	र.वि.
5.	M15CY009	विनय उनियाल	र.वि.
6.	M15PH001	आशीष कुमार	र.वि.
7.	M15PH002	बर्नार्ड लालरोलियाना	र.वि.
8.	M15PH005	निधिन सात्यन	भौ.वि
9.	M15PH007	रश्मि मेहला	भौ.वि
10.	M15PH008	संजीदा भारती दास	भौ.वि
11.	M15PH011	विक्रांत चौधरी	भौ.वि
12.	M15MA001	आरती बालना	गणित
13.	M15MA004	भाग्य श्री मीणा	गणित
14.	M15MA007	धर्मेंद्र कुमार गुर्जर	गणित

बी.टेक. छात्र, बैच 2012

क्रम सं.	रोल नं	नाम	शाखा
1.	UG201210001	अभिषेक कुमार	सीएसई
2.	UG201210002	आदित्य यादव	सीएसई
3.	UG201210003	आकाश मिश्रा	सीएसई
4.	UG201210004	अक्षित जैन	सीएसई
5.	UG201210005	असीम राज बरनवाल	सीएसई
6.	UG201210006	अशीत कुमार	सीएसई
7.	UG201210007	अत्तनि माधुर्या	सीएसई
8.	UG201210008	बंदेला प्रत्यूषा	सीएसई
9.	UG201210009	बासमगारि हारिका	सीएसई
10.	UG201210010	बुंदेले मानस महेश	सीएसई
11.	UG201210011	डाके आकाश हीरामन	सीएसई
12.	UG201210012	दिनेश कुमार जांगरा	सीएसई
13.	UG201210013	दिनेश कुमार सैनी	सीएसई
14.	UG201210014	गौरव शास्त्री	सीएसई
15.	UG201210015	गोंड़ि देदीप्या साई	सीएसई
16.	UG201210016	गोरला ऊहाश्री	सीएसई
17.	UG201210017	जिनांक जैन	सीएसई
18.	UG201210018	कलशेट्टी प्रतीक मल्लीनाथ	सीएसई
19.	UG201210019	कुणाल दाधीच	सीएसई
20.	UG201210020	माला मुथ्यालप्पा	सीएसई
21.	UG201210021	मनीष जयसवाल	सीएसई
22.	UG201210022	एन. के. किरन	सीएसई
23.	UG201210023	पंकज कुमार	सीएसई
24.	UG201210024	पवन कुमार सैनी	सीएसई
25.	UG201210025	राजेश कुमार मीणा	सीएसई
26.	UG201210026	रिषभ गर्ग	सीएसई
27.	UG201210028	रितेश कुमार	सीएसई
28.	UG201210029	रोहन खन्ना	सीएसई
29.	UG201210030	सचिन ग्रोवर	सीएसई
30.	UG201210031	समर्थ कुमार गोयल	सीएसई
31.	UG201210032	शाह अक्षत मुकेश कुमार	सीएसई
32.	UG201210033	शिवम कुमार गर्ग	सीएसई
33.	UG201210034	सिद्धार्थ तलेसरा	सीएसई
34.	UG201210035	सोनिका अग्रवाल	सीएसई
35.	UG201210036	सुनिल कुमार	सीएसई
36.	UG201210037	वैभव सिंह खोखर	सीएसई
37.	UG201210038	विजेन्द्र सुकारिया	सीएसई
38.	UG201210039	विकास मीणा	सीएसई
39.	UG201210040	अंकित जैन	सीएसई

40.	UG201211001	अभिषेक थेपरा	ईई
41.	UG201211002	अजय चरण	ईई
42.	UG201211003	आकर्ष रस्तोगी	ईई
43.	UG201211004	अक्षय आर्य	ईई
44.	UG201211006	अनुभवी मित्तल	ईई
45.	UG201211007	अश्विनी कुमार	ईई
46.	UG201211008	अश्विनी नैनावत	ईई
47.	UG201211009	दीपक वर्मा	ईई
48.	UG201211010	देवबत्तिनि श्रीहर्षा	ईई
49.	UG201211011	धर्म राज मीणा	ईई
50.	UG201211012	धीरज पी.	ईई
51.	UG201211013	दिनेश गुर्जर	ईई
52.	UG201211014	फ़राज़ुद्दीन अन्सारी	ईई
53.	UG201211015	घनश्याम	ईई
54.	UG201211016	हितेश कुमार सिंघल	ईई
55.	UG201211017	के. वी. विकास रेड्डी	ईई
56.	UG201211018	ललित मिरधा	ईई
57.	UG201211019	ममता ढाका	ईई
58.	UG201211020	मुकेश कुमार	ईई
59.	UG201211021	निशा अग्रवाल	ईई
60.	UG201211022	निशित उमेश पारीख	ईई
61.	UG201211023	पवन कुमार वर्मा	ईई
62.	UG201211024	पीयूष दुगर	ईई
63.	UG201211025	प्रकाश गहलोत	ईई
64.	UG201211027	रजत	ईई
65.	UG201211028	रजत आर. राहतगांवकर	ईई
66.	UG201211029	रजनीश मीणा	ईई
67.	UG201211030	संचित गुप्ता	ईई
68.	UG201211031	संकेत जैन	ईई
69.	UG201211032	संतोष कुमार मीणा	ईई
70.	UG201211033	सौरव कुमार	ईई
71.	UG201211034	शरत कुंतनहाल	ईई
72.	UG201211035	शिवम उपाध्याय	ईई
73.	UG201211036	सिरस लाल भटनागर	ईई
74.	UG201211037	श्रीरामादासू अशोक कुमार	ईई
75.	UG201211038	सुनिल सरन	ईई
76.	UG201211039	तरुण वाटवाणी	ईई
77.	UG201211040	उपेन्द्र कुमार नागर	ईई
78.	UG201211041	विनय शंकर सक्सेना	ईई
79.	UG201211042	अंटोस सी. वर्गीस	ईई
80.	UG201211043	हीमांशु टाकवाणी	ईई

81.	UG201212001	आदित्य खंडेलवाल	एमई
82.	UG201212002	अजय कुमार जगेतिया	एमई
83.	UG201212003	अंजली बंसीवाल	एमई
84.	UG201212005	आशीष कुमार	एमई
85.	UG201212006	आशीष कुमार	एमई
86.	UG201212007	अतुल दुबे	एमई
87.	UG201212008	आयुष भदौरिया	एमई
88.	UG201212009	बी. वी. किशोर	एमई
89.	UG201212010	बल्ला राघवेन्द्र गौड़	एमई
90.	UG201212011	बोड्डुपल्लि निबोध	एमई
91.	UG201212012	चामर्ति कामेश्वर शिव दिनेश	एमई
92.	UG201212013	चेतन गुप्ता	एमई
93.	UG201212014	दमन	एमई
94.	UG201212015	दिलखुश मीणा	एमई
95.	UG201212017	हिमांशु यादव	एमई
96.	UG201212018	कमलेश असेरी	एमई
97.	UG201212019	कनक श्रीवास्तव	एमई
98.	UG201212020	मनीष सोनी	एमई
99.	UG201212021	एन. विनय कुमार रेड्डी	एमई
100.	UG201212022	नवनीत मित्तल	एमई
101.	UG201212023	पवन कुमार शाक्य	एमई
102.	UG201212024	सचिन यादव	एमई
103.	UG201212025	संदीप कुमार मीणा	एमई
104.	UG201212026	सौरभ जैन	एमई
105.	UG201212027	सौरभ पांडे	एमई
106.	UG201212028	शाह जिगर दीपक	एमई
107.	UG201212030	श्रेयस श्रीवास्तव	एमई
108.	UG201212031	शुभम गुप्ता	एमई
109.	UG201212032	स्निग्धदीप मोईत्रा	एमई
110.	UG201212033	सोनू सिबा बारा	एमई
111.	UG201212034	सुरेन्द्र पाल सिंह	एमई
112.	UG201212035	तपेश कुमार मौर्या	एमई
113.	UG201212036	थानी अश्वंत	एमई
114.	UG201212037	वैभव गुप्ता	एमई
115.	UG201212038	वरुण सूर्यन	एमई
116.	UG201212039	विकास कुमार गोयनका	एमई
117.	UG201212040	विशाल कुमार	एमई
118.	UG201212041	अंशुमन सिंह	एमई
119.	UG201212042	कीर्तिवर्धन राठौड़	एमई
120.	UG201213002	अनमोल	एसएस
121.	UG201213005	दिव्या नागर	एसएस

122.	UG201213006	गौरव चौधरी	एसएस
123.	UG201213007	गौरब कुमार पात्रो	एसएस
124.	UG201213008	हरि ओम मीणा	एसएस
125.	UG201213013	कोटा वी. आकाश	एसएस
126.	UG201213014	क्षितिज सोनी	एसएस
127.	UG201213016	महेन्द्र कछावाह	एसएस
128.	UG201213018	मनीष मल्होत्रा	एसएस
129.	UG201213019	नरेन्द्र कुमार	एसएस
130.	UG201213020	पालडुगु वेंकट कार्तिक	एसएस
131.	UG201213021	पलाश जैन	एसएस
132.	UG201213022	पराग रहांगडळे	एसएस
133.	UG201213023	पीसे इंद्रनील रजनीश	एसएस
134.	UG201213024	प्रगति नागर	एसएस
135.	UG201213025	प्रसून	एसएस
136.	UG201213026	प्रियंका राजू मासने	एसएस
137.	UG201213027	पूर्वी तिवारी	एसएस
138.	UG201213028	रघुनाथ मीणा	एसएस
139.	UG201213029	रवि कुमार	एसएस
140.	UG201213031	रुचिका	एसएस
141.	UG201213033	स्वर्ण सोनगरा	एसएस
142.	UG201213034	शिवम चौधरी	एसएस
143.	UG201213035	श्रेष्ठा गर्ग	एसएस
144.	UG201213036	सुनिल सुथार	एसएस
145.	UG201213037	विभव शर्मा	एसएस

बी.टेक. छात्र, बैच 2013

क्रम सं.	रोल नं	नाम	शाखा
1.	UG201310001	आकाश असीजा	सीएसई
2.	UG201310002	आयुष शारदा	सीएसई
3.	UG201310003	अभय कुमार सिंह	सीएसई
4.	UG201310004	अमन	सीएसई
5.	UG201310005	अमित जैन	सीएसई
6.	UG201310006	अंजली मालव	सीएसई
7.	UG201310007	अर्चित अग्रवाल	सीएसई
8.	UG201310008	अरनव चौपड़ा	सीएसई
9.	UG201310009	अरनव जिंदल	सीएसई
10.	UG201310010	अवन जयेन्द्र राठौड़	सीएसई
11.	UG201310011	भारती	सीएसई
12.	UG201310012	भारती आर्य	सीएसई
13.	UG201310013	दीषांत गोयल	सीएसई

14.	UG201310014	हेमंत प्रताप सिंह	सीएसई
15.	UG201310015	कार्तिक सिंह	सीएसई
16.	UG201310016	कोमांडूरि साई राघव	सीएसई
17.	UG201310017	कुशाग्र सुराणा	सीएसई
18.	UG201310018	महेन्द्र कुमार जाट	सीएसई
19.	UG201310019	मकरंद मिलिंद गोमशे	सीएसई
20.	UG201310020	मुट्टिनेनि नव्या	सीएसई
21.	UG201310021	निखिल जीवनसिंह ताजी	सीएसई
22.	UG201310022	नितिन वी.	सीएसई
23.	UG201310023	पीयूष यादव	सीएसई
24.	UG201310024	प्रियंका आर्या	सीएसई
25.	UG201310025	राजकुमार मीणा	सीएसई
26.	UG201310026	रमेश मीणा	सीएसई
27.	UG201310027	रवि प्रकाश गुप्ता	सीएसई
28.	UG201310028	रविन्द्र कुमार सैनी	सीएसई
29.	UG201310029	रितीक श्रीवास्तव	सीएसई
30.	UG201310030	शिव भगवान	सीएसई
31.	UG201310031	शिव कुमार सेन	सीएसई
32.	UG201310032	शिव मोहन	सीएसई
33.	UG201310033	शुभम सक्सेना	सीएसई
34.	UG201310035	सौरव खोसो	सीएसई
35.	UG201310036	सुरेश गहलोत	सीएसई
36.	UG201310037	तपन भटनागर	सीएसई
37.	UG201310038	उपेन्द्र सिंह चौहान	सीएसई
38.	UG201310039	वाघेला राजन अरविंदकुमार	सीएसई
39.	UG201310040	वैभव पालीवाल	सीएसई
40.	UG201310041	विवेक लाटा	सीएसई
41.	UG201311001	अभिषेक अग्रवाल	ईई
42.	UG201311002	अभिषेक जाजू	ईई
43.	UG201311003	अभिषेक कुमार यादव	ईई
44.	UG201311004	अमित कुमार	ईई
45.	UG201311005	अनिरुद्ध सिंह शेखावत	ईई
46.	UG201311006	अंकित गर्ग	ईई
47.	UG201311007	अंशुल अग्रवाल	ईई
48.	UG201311008	अंशुल यादव	ईई
49.	UG201311009	अशोक कुमार	ईई
50.	UG201311010	आशुतोश गुप्ता	ईई
51.	UG201311011	आशुतोश वैष्नव	ईई
52.	UG201311012	भभुता राम	ईई
53.	UG201311013	दिनेश कुमार दानव	ईई
54.	UG201311014	दीपेन्द्र सिंह रिद्मलोट	ईई
55.	UG201311015	एकांत कुमार	ईई

56.	UG201311016	गुरपिंदर सिंह	ईई
57.	UG201311017	हेडे तेजन रोहित	ईई
58.	UG201311018	हेमंत मीना	ईई
59.	UG201311019	कनिका महाजन	ईई
60.	UG201311020	खुशबू सक्सेना	ईई
61.	UG201311021	क्षितिज संदीप मिनोचा	ईई
62.	UG201311022	मोहित गुप्ता	ईई
63.	UG201311023	निरंजन सनोडिया	ईई
64.	UG201311024	पाडूरु कंदर्प साई	ईई
65.	UG201311025	प्रखर गुप्ता	ईई
66.	UG201311026	राहुल जैन	ईई
67.	UG201311027	राजेन्द्र कुमार यादव	ईई
68.	UG201311028	रामदेव भिचार	ईई
69.	UG201311029	रिशिकेश मीणा	ईई
70.	UG201311030	श्रद्धा गर्ग	ईई
71.	UG201311031	सिद्धांत जैन	ईई
72.	UG201311032	सिसौदिया वृशाली	ईई
73.	UG201311033	स्नेहा गुप्ता	ईई
74.	UG201311034	सुमित पेगवाल	ईई
75.	UG201311035	सुशांत गौतम	ईई
76.	UG201311036	सैय्यद अफ़शान अली	ईई
77.	UG201311037	तल्लोजु जवाहर	ईई
78.	UG201311038	तिलोका राम	ईई
79.	UG201311039	वी. अश्विन	ईई
80.	UG201311040	वैभव शर्मा	ईई
81.	UG201312001	आदित्य सक्सेना	एमई
82.	UG201312002	अखिल मेहता	एमई
83.	UG201312003	अमित कुमार	एमई
84.	UG201312004	अंकित रायपुरिया	एमई
85.	UG201312005	अर्पित कुमार गहलोत	एमई
86.	UG201312006	आयुष रैना	एमई
87.	UG201312007	बलवीर डागा	एमई
88.	UG201312008	भास्करज्योति बर्मन	एमई
89.	UG201312009	धीरज कुमार सिसौदिया	एमई
90.	UG201312010	ड्रॉन एरॉन	एमई
91.	UG201312011	हार्दिक जैन	एमई
92.	UG201312012	हर्ष वर्धन श्रीवास्तव	एमई
93.	UG201312013	हिमांशु अग्रवाल	एमई
94.	UG201312014	हिमांशु कुमार सिंह	एमई
95.	UG201312015	हिमांशु शर्मा	एमई
96.	UG201312016	के. लक्ष्मी फाल्गुनि	एमई
97.	UG201312017	कनुगंटि वमशी	एमई

98.	UG201312018	लक्ष्य भट्ट	एमई
99.	UG201312019	लक्ष्मण कुमार	एमई
100.	UG201312020	लोकेश स्वामी	एमई
101.	UG201312021	मनीष राजेन्द्र जाधव	एमई
102.	UG201312022	मयंक गुप्ता	एमई
103.	UG201312023	मोहम्मद फ़िरोज़	एमई
104.	UG201312024	मोहित अग्रवाल	एमई
105.	UG201312025	पटेल हर्ष भूपेन्द्रभाई	एमई
106.	UG201312026	प्रद्युम्न मीणा	एमई
107.	UG201312027	प्रखर श्रीवास्तव	एमई
108.	UG201312028	पुष्पेन्द्र ध्रुवे	एमई
109.	UG201312029	पुष्पेन्द्र मिश्रा	एमई
110.	UG201312030	रोहन कुमार	एमई
111.	UG201312031	रोहित सिंह	एमई
112.	UG201312032	सचिन	एमई
113.	UG201312033	शुभम शौर्या	एमई
114.	UG201312034	शुभम तेजी	एमई
115.	UG201312035	वाघेला नीरव जितेन्द्रकुमार	एमई
116.	UG201312036	वैभव जैन	एमई
117.	UG201312037	विकास कुमार	एमई
118.	UG201312038	विक्रांत अरोड़ा	एमई
119.	UG201312039	विराट श्रीवास्तव	एमई
120.	UG201313002	अमन अजमेरा	एसएस
121.	UG201313003	अनिरुद्ध व्यास	एसएस
122.	UG201313004	अरविंद सैनी	एसएस
123.	UG201313005	आयुष भास्कर	एसएस
124.	UG201313006	दारपनेनि चंदना	एसएस
125.	UG201313007	दीपिका जल्लि	एसएस
126.	UG201313008	दीपेष गर्ग	एसएस
127.	UG201313010	गायकवाड़ संग्राम दशरथ	एसएस
128.	UG201313011	गौरव सिंह	एसएस
129.	UG201313013	जयंत कारपेन्टर	एसएस
130.	UG201313014	जयंत वी. खापड़े	एसएस
131.	UG201313015	जोशी अच्युत संजय लिंगा	एसएस
132.	UG201313016	लिंगाल प्रशांत कुमार	एसएस
133.	UG201313017	मन्दीप	एसएस
134.	UG201313018	नरेश कुमार प्रजापती	एसएस
135.	UG201313019	पी. मनीषा	एसएस
136.	UG201313020	पंकज पंवार	एसएस
137.	UG201313021	पंकज यादव	एसएस
138.	UG201313023	पेर्ला सुकेश	एसएस
139.	UG201313024	पिंकेश कुमार	एसएस

140.	UG201313025	प्रभाष जैन	एसएस
141.	UG201313026	प्रखर माथुर	एसएस
142.	UG201313027	प्रमोद कुमार	एसएस
143.	UG201313028	प्रशांत कुमार	एसएस
144.	UG201313029	पुलवर्ति अनिरुद्ध	एसएस
145.	UG201313030	रोहिल सुराणा	एसएस
146.	UG201313031	रोहित कुमार	एसएस
147.	UG201313032	संगेपु अश्रित	एसएस
148.	UG201313033	सरोज प्रसाद छटोई	एसएस
149.	UG201313034	शीला मीणा	एसएस
150.	UG201313035	शिप्रा जैन	एसएस
151.	UG201313036	शुभम सिंह	एसएस
152.	UG201313037	तरुण देविरेड्डी	एसएस
153.	UG201313038	विशाल कुमार	एसएस
154.	UG201314001	अभिषेक ठोम्बरे	बीआईएसएस
155.	UG201314002	आदित्य चौधरी	बीआईएसएस
156.	UG201314003	अजय कुमार कुमावत	बीआईएसएस
157.	UG201314004	अरनव मिश्रा	बीआईएसएस
158.	UG201314005	चंद्रेश कुमार	बीआईएसएस
159.	UG201314006	धनजीत ब्रह्मा	बीआईएसएस
160.	UG201314007	हिमांशु सिकारिया	बीआईएसएस
161.	UG201314008	जलज शर्मा	बीआईएसएस
162.	UG201314010	कौस्तुभ कुमार	बीआईएसएस
163.	UG201314011	कुलदीप मीणा	बीआईएसएस
164.	UG201314012	निशा कुमारी	बीआईएसएस
165.	UG201314013	प्रांजल सिंह	बीआईएसएस
166.	UG201314014	राकेश यादव	बीआईएसएस
167.	UG201314015	शरथ चल्लपल्लि	बीआईएसएस
168.	UG201314017	श्रेया माहेश्वरी	बीआईएसएस
169.	UG201314018	उज्ज्वल आनंद	बीआईएसएस

बी.टेक. छात्र, बैच 2014

क्रम सं.	रोल नं	नाम	शाखा
1.	B14CS001	अभिमन्यु सिंह गौर	सीएसई
2.	B14CS002	अभिनव राय	सीएसई
3.	B14CS003	अजीत गोयल	सीएसई
4.	B14CS004	अजीत उज्ज्वल	सीएसई
5.	B14CS005	अंकिता मुज़ाल्दा	सीएसई
6.	B14CS006	अन्नुये जेत्र	सीएसई
7.	B14CS007	अनुराग सन्याल	सीएसई

8.	B14CS008	अर्चिल कुमार श्रीवास्तव	सीएसई
9.	B14CS009	आशीष साहू	सीएसई
10.	B14CS010	आयुष अग्रवाल	सीएसई
11.	B14CS011	बी. श्री सिद्धार्थ	सीएसई
12.	B14CS012	भरत सिंह	सीएसई
13.	B14CS013	चौधरी अक्षय गजानन	सीएसई
14.	B14CS014	देवल पारगल	सीएसई
15.	B14CS015	ध्रुव शर्मा	सीएसई
16.	B14CS016	एद्दुला हरिहर रेड्डी	सीएसई
17.	B14CS017	गणेश भीमराव पाटिल	सीएसई
18.	B14CS018	गरिमेल्ळ श्रवण	सीएसई
19.	B14CS019	गौरव कमल	सीएसई
20.	B14CS020	गुटापु राज कुमार	सीएसई
21.	B14CS021	हितेश हिंगोरानी	सीएसई
22.	B14CS022	कोम्मूरु विनय कुमार	सीएसई
23.	B14CS023	महेन्द्र मीणा	सीएसई
24.	B14CS024	मनीष गोयल	सीएसई
25.	B14CS025	प्रवीण अरोड़ा	सीएसई
26.	B14CS026	पुष्पेन्द्र	सीएसई
27.	B14CS027	रिंकू कुमार मीणा	सीएसई
28.	B14CS028	ऋषभ शुक्ला	सीएसई
29.	B14CS029	रोबिन गौर	सीएसई
30.	B14CS030	रोहित पालीवाल	सीएसई
31.	B14CS031	साहिल धीमान	सीएसई
32.	B14CS032	संदीप चरन	सीएसई
33.	B14CS033	रोहन गोविंद सर्राफ़	सीएसई
34.	B14CS034	सौरव सुमन	सीएसई
35.	B14CS035	शुभम जैन	सीएसई
36.	B14CS036	स्नेहल आज़ाद	सीएसई
37.	B14CS037	सुनील चौधरी	सीएसई
38.	B14CS039	वरुण कुमार	सीएसई
39.	B14CS040	विजय कुमार पालीवाल	सीएसई
40.	B14EE001	अभिशेक मंड़वले	ईई
41.	B14EE002	अभिषेक मीणा	ईई
42.	B14EE003	अक्षत श्रीवास्तव	ईई
43.	B14EE004	आनंद कुमार	ईई
44.	B14EE005	अंकुश गर्ग	ईई
45.	B14EE006	अनुषा गुप्ता	ईई
46.	B14EE007	अर्चित शर्मा	ईई
47.	B14EE009	दारा शण्मुख साई संजय गुप्ता	ईई
48.	B14EE010	दीपांशू भोजक	ईई
49.	B14EE011	गुन्टुकु दीपक	ईई

50.	B14EE012	हिमांशु वर्मा	ईई
51.	B14EE013	जायस्वाल रौनक नीलेश	ईई
52.	B14EE014	जय भाविन सेठ़	ईई
53.	B14EE015	कनिका जाखड़	ईई
54.	B14EE016	कविति सरथ कल्याण	ईई
55.	B14EE017	कुमारी सौम्या	ईई
56.	B14EE018	महक जैन	ईई
57.	B14EE020	मोहित मेहता	ईई
58.	B14EE021	नवीन कुमार चित्तौरिया	ईई
59.	B14EE022	परमार सन्नी मुकेशकुमार	ईई
60.	B14EE023	पीयूष शर्मा	ईई
61.	B14EE024	राहुल नेगी	ईई
62.	B14EE025	रमेश कुमार	ईई
63.	B14EE026	रवीन्द्र परिहार	ईई
64.	B14EE027	ऋषभ भारद्वाज	ईई
65.	B14EE028	रीतू सिंह	ईई
66.	B14EE029	सचिन मंडोवारा	ईई
67.	B14EE030	शाह नीलकुमार सुरेशकुमार	ईई
68.	B14EE031	शिवानी मीणा	ईई
69.	B14EE032	शौनक कुलकर्णी	ईई
70.	B14EE033	सुधीर प्रताप यादव	ईई
71.	B14EE034	थारा गिरिराज प्रसाद	ईई
72.	B14EE035	तृप्ति मीणा	ईई
73.	B14EE036	वंशी पृथ्वी चिंतगुंटला	ईई
74.	B14EE037	वनम् भानु साई सिम्हा	ईई
75.	B14EE038	विदित जैन	ईई
76.	B14EE039	विवेक	ईई
77.	B14EE040	यशार्थ साहू	ईई
78.	B14ME001	अभिषेक शर्मा	एमई
79.	B14ME003	अखिल बिंदल	एमई
80.	B14ME004	अक्षय विनय बापट	एमई
81.	B14ME005	अमन	एमई
82.	B14ME006	आनन्दु सुरेश	एमई
83.	B14ME007	बंडि साई मुकेश	एमई
84.	B14ME008	बोघारा पृथ्वी रमेशभाई	एमई
85.	B14ME010	जैरी मैथ्यू ऊम्मेन	एमई
86.	B14ME011	कार्तिक वेंकट रामचन्द्रुनी	एमई
87.	B14ME012	कटकम् हर्ष साई मनोहर	एमई
88.	B14ME013	कुलदीप मीणा	एमई
89.	B14ME014	माधवेन्द्र तिवारी	एमई
90.	B14ME015	मनोज मालवीय	एमई
91.	B14ME016	मोहम्मद शारे	एमई

92.	B14ME017	मोहित विजय	एमई
93.	B14ME019	पारेल्ला रवितेजा	एमई
94.	B14ME020	पटेल प्रणव नरेशभाई	एमई
95.	B14ME021	पवन कुमार	एमई
96.	B14ME022	पोतुला कृष्णतेजा	एमई
97.	B14ME023	रचित	एमई
98.	B14ME024	राहुल छनानिया	एमई
99.	B14ME025	राजेंद्र मंदा	एमई
100.	B14ME026	ऋषभ बड़ोदिया	एमई
101.	B14ME027	संतोजु शिवा	एमई
102.	B14ME028	संतोष एम.	एमई
103.	B14ME030	शिंदे शुभम भास्कर	एमई
104.	B14ME031	शिवम जायस्वाल	एमई
105.	B14ME032	शिवम श्रीवास्तव	एमई
106.	B14ME034	शुभम कौशल	एमई
107.	B14ME035	सुथारिया मोनार्क	एमई
108.	B14ME036	सुयोग बोधानकर	एमई
109.	B14ME037	उदित सिंह परिहार	एमई
110.	B14ME038	उमा शंकर शर्मा	एमई
111.	B14ME039	वंदिती माथुर	एमई
112.	B14ME040	वेदांत भुयार	एमई
113.	B14SS002	अंगद सिंह सभरवाल	एसएस
114.	B14SS003	बी. साई चैतन्या	एसएस
115.	B14SS006	देवांशू भाविन कथेर्चा	एसएस
116.	B14SS007	के. तेजस रेड्डी	एसएस
117.	B14SS008	काट्रगड्डा कार्तिक	एसएस
118.	B14SS009	मानसी मित्तल	एसएस
119.	B14SS011	प्रणाली पवार	एसएस
120.	B14SS013	राज प्रजापत	एसएस
121.	B14SS017	श्रेयांश छाजेड़	एसएस
122.	B14SS018	तेजस गट्टानी	एसएस
123.	B14SS019	वैभव बबन गनेर	एसएस
124.	B14SS020	यशवंत कुमार मीणा	एसएस
125.	B14BS005	दिनेश कुमार मौर्य	बीआईएसएस
126.	B14BS006	दिव्या नवल	बीआईएसएस
127.	B14BS009	कुमार वेंकटेश्वर	बीआईएसएस
128.	B14BS011	महेश	बीआईएसएस
129.	B14BS014	साहिल भाटिया	बीआईएसएस
130.	B14BS015	शुभम तलबार	बीआईएसएस
131.	B14BS016	विशाल वर्मा	बीआईएसएस

बी.टेक. छात्र, बैच 2015

क्रम सं.	रोल नं	नाम	शाखा
1.	B15CS001	अभिषेक साहू	सीएसई
2.	B15CS002	आदित्य अग्रवाल	सीएसई
3.	B15CS003	आकाश गुप्ता	सीएसई
4.	B15CS004	अक्षय अग्रवाल	सीएसई
5.	B15CS005	अमितांश गंगवार	सीएसई
6.	B15CS006	अमोल ठाकुर	सीएसई
7.	B15CS007	अनंत कुमार सिंह	सीएसई
8.	B15CS008	अंकित कुमार	सीएसई
9.	B15CS009	अनमोल छाबड़ा	सीएसई
10.	B15CS010	आर्यमन सिंह	सीएसई
11.	B15CS011	आशीष मित्तल	सीएसई
12.	B15CS012	आशीष यादव	सीएसई
13.	B15CS013	बागन्नगारि विनय कुमार रेड्डी	सीएसई
14.	B15CS014	भामरे निखिल दरयावसिंग	सीएसई
15.	B15CS015	भूमा अयप्पा सुमंत	सीएसई
16.	B15CS016	दीवान सिंह	सीएसई
17.	B15CS017	दिव्यांश अग्रवाल	सीएसई
18.	B15CS018	हर्ष अक्षित	सीएसई
19.	B15CS019	हर्षित सिंह	सीएसई
20.	B15CS020	इंद्र कुमार मालव	सीएसई
21.	B15CS021	जौकानी विनीत प्रदीप	सीएसई
22.	B15CS022	कन्सागरा भार्गव दिनेशभाई	सीएसई
23.	B15CS023	किशन शर्मा	सीएसई
24.	B15CS024	कोन्गी अरुनश्रीवर्धन	सीएसई
25.	B15CS025	मरली जगदीश	सीएसई
26.	B15CS027	प्रवीण कुमार टी	सीएसई
27.	B15CS028	रजत कोलाहल	सीएसई
28.	B15CS029	रजत मंगला	सीएसई
29.	B15CS030	राजेश मीणा	सीएसई
30.	B15CS031	राशि साहू	सीएसई
31.	B15CS032	रश्मि साहू	सीएसई
32.	B15CS033	रिषभ अरुण कनाबर	सीएसई
33.	B15CS034	शुभम कुमार	सीएसई
34.	B15CS035	शुक्ला अनुग्रह हरीश कुमार	सीएसई
35.	B15CS036	सिंगमसेट्टी संदीप	सीएसई
36.	B15CS037	सुशील कुमार	सीएसई
37.	B15CS038	स्वप्निल गणेश अठावले	सीएसई
38.	B15CS039	विनायक सिंगला	सीएसई
39.	B15CS040	विशेष मिस्त्री	सीएसई
40.	B15EE003	अक्षत अग्रवाल	ईई

41.	B15EE004	अमितेश कुमार जिज्ञासु	ईई
42.	B15EE005	अनुराग	ईई
43.	B15EE006	आशीष गंभीर	ईई
44.	B15EE007	बी. विश्वेश्वरैया	ईई
45.	B15EE008	भंवर सिंह चौधरी	ईई
46.	B15EE009	ब्रज राज नगर	ईई
47.	B15EE010	चिरायु पाराशर	ईई
48.	B15EE011	धीरज धारीवाल	ईई
49.	B15EE012	दिव्यांशु अग्रवाल	ईई
50.	B15EE013	गदड़े हर्षवर्धन	ईई
51.	B15EE014	ज्ञानदीप सिंह	ईई
52.	B15EE015	इन्दरप्रीत सिंह छाबड़ा	ईई
53.	B15EE016	जीत शाह	ईई
54.	B15EE017	करनवीर सिंह ठाकुर	ईई
55.	B15EE018	कृणाल संजय चिरमाड़े	ईई
56.	B15EE019	कुलदीप वर्मा	ईई
57.	B15EE020	ललित कुमार बमनावत	ईई
58.	B15EE021	मिलिंद सिंघल	ईई
59.	B15EE022	निखिल नेगी	ईई
60.	B15EE023	नीलेश कुमार तिवारी	ईई
61.	B15EE024	प्रदीप चौधरी	ईई
62.	B15EE025	प्रणब कुमार	ईई
63.	B15EE026	राहुल मीणा	ईई
64.	B15EE028	रामनारायण चौधरी	ईई
65.	B15EE029	रिया चौधरी	ईई
66.	B15EE030	समीर जलुठारिया	ईई
67.	B15EE031	सार्थक देसाई	ईई
68.	B15EE032	सौरभ जांगिड	ईई
69.	B15EE034	शितेंद्र कुमार त्यागी	ईई
70.	B15EE035	श्रेयस मलकार्जुन पाटिल	ईई
71.	B15EE036	शुभम भार्गव	ईई
72.	B15EE037	सोमेंदर सिंह	ईई
73.	B15EE038	सोनू कुमार	ईई
74.	B15EE039	वाडे कीर्ति ऐश्वर्या	ईई
75.	B15EE040	वैभव शर्मा	ईई
76.	B15ME001	आरुष गुप्ता	एमई
77.	B15ME002	अभिनय कुमार	एमई
78.	B15ME003	अभिषेक मीणा	एमई
79.	B15ME004	आदित्य राज मालवीय	एमई
80.	B15ME006	अलुकापल्ली ज्ञानदीप	एमई
81.	B15ME007	अनिकेत जनराव	एमई
82.	B15ME008	अंकित जांगिड़	एमई

83.	B15ME009	अंकित मंगल	एमई
84.	B15ME010	आशुतोष पाठक	एमई
85.	B15ME012	आयुष उपाध्याय	एमई
86.	B15ME013	चंद्रप्रताप सिंह रघुवंशी	एमई
87.	B15ME014	धगाश देसाई	एमई
88.	B15ME015	दिव्यांशु गोयल	एमई
89.	B15ME016	गांदी राजेश	एमई
90.	B15ME017	गौरव मीणा	एमई
91.	B15ME018	गौरव जीनगर	एमई
92.	B15ME019	कार्तिक मोहन	एमई
93.	B15ME021	केशेट्टी साई सूर्या	एमई
94.	B15ME023	कृष्णा गोयल	एमई
95.	B15ME024	मेका ललित साई चंद्र रेड्डी	एमई
96.	B15ME025	मुकुल बंसल	एमई
97.	B15ME026	नक्का संकेत गंगाधर	एमई
98.	B15ME027	नीलांश कम्बोज	एमई
99.	B15ME028	नीतीश कुमार	एमई
100.	B15ME030	पेरीसेट्ला श्रीनिवास दीपक	एमई
101.	B15ME031	क़ादरी सैयद मुज़्तबा सैयद मकसूद	एमई
102.	B15ME032	रमेश कुमार	एमई
103.	B15ME033	ऋत्विक कुलकर्णी	एमई
104.	B15ME034	सौरभ यादव	एमई
105.	B15ME035	शरण सारसर	एमई
106.	B15ME036	सोमेश शर्मा	एमई
107.	B15ME037	सुनील कुमार साखनिया	एमई
108.	B15ME038	वर्था दिव्येश यशवंत	एमई
109.	B15ME039	विनीत सिंह चौहान	एमई
110.	B15ME040	विवेक कुमार सिंह	एमई
111.	B15BS001	अंकुर कम्भोज	एमई
112.	B15ME005	आकाश गुप्ता	एमई

वित्तीय स्थिति

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सामान्य योजना शीर्ष के तहत सहायता अनुदान के रूप में रू. 14625.00 लाख और 01–04–2015 को आरंभिक शेष के रूप में रू. 94668 लाख की राशि जारी की है। संस्थान की आंतरिक आय रू. 828.05 लाख थी। वर्ष के दौरान कुल योजनागत व्यय रू. 13633.61 लाख (आवर्ती रू. 2852.76 लाख और अनावर्ती रू. 10780.85 लाख) था।

•••

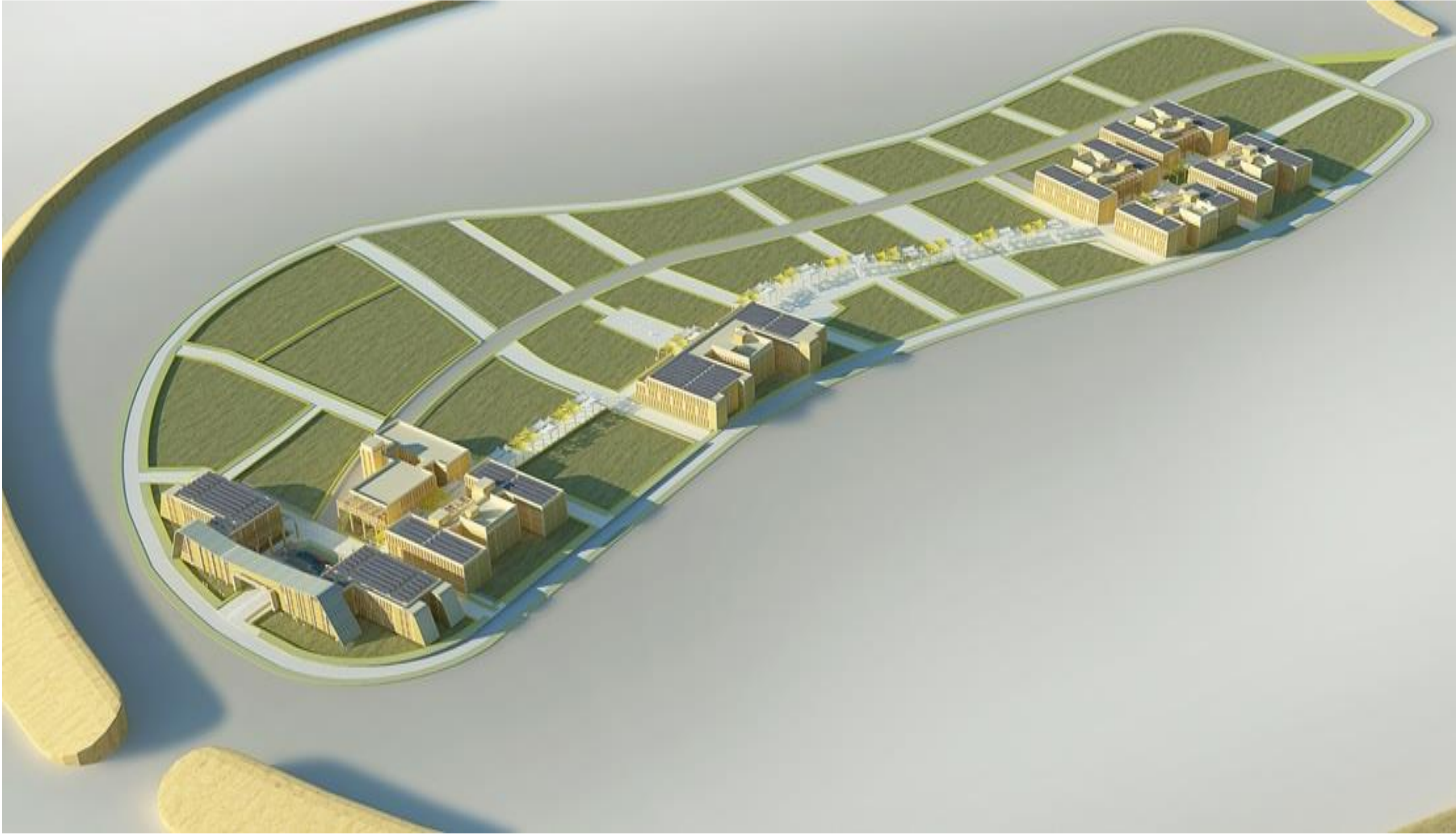

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
ओल्ड रेसीडेंसी रोड, रातानाड़ा, जोधपुर 342011
http://www.iitj.ac.in

आई.आर. 11

वार्षिक रिपोर्ट
2015-16